खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 20 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-317

नीतीश का इस्तीफा, राज्यपाल के समक्ष नई राजग सरकार बनाने का दावा पेश किया

पटना, 19 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबधन (राजग) विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद अपने पद से इस्तीफा देते हुए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के समक्ष नई सरकार बनाने का दावा पेश किया है।

राजग विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद आज मुख्यमंत्री श्री कुमार सीधे राजभवन गए और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात की। श्री कुमार ने राज्यपाल श्री खान को अपना इस्तीफा सौंपा और नई राजग सरकार बनाने का दावा भी पेश किया। श्री कुमार ने अपने दावे के साथ सभी राजग विधायकों की एक सूची तथा घटक दलों से उनके पक्ष में जारी समर्थन पत्र भी राज्यपाल श्री खान को सौंपा।

इससे पहले आज दिन में मुख्यमंत्री श्री कुमार को सर्वसम्मति से राजग विधायक दल का नेता चुना गया। इस बैठक में नवनिर्वाचित विधायकों के अलावा राजग के सभी शीर्ष नेता उपस्थित थे। बैठक में शामिल होने वालों में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतनराम मांझी भी उपस्थित थे।

श्री पासवान इस अवसर पर कहा कि हाल ही में संपन्न बिहार विधानसभा चुनावों में राजग की ऐतिहासिक जीत में महिलाओं से मिले समर्थन की सराहना की जानी चाहिए। उन्होंने राजग को एक बार फिर सेवा करने का अवसर देने के लिए बिहार की जनता को धन्यवाद दिया।

श्री मांझी ने कहा कि यह जानकर बहुत खुशी हुई कि लगभग बीस वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद मुख्यमंत्री श्री कुमार के खिलाफ कोई सत्ता विरोधी लहर नहीं थी। उन्होंने कहा कि राजनीति में यह एक दुर्लभ उदाहरण है कि इतने लंबे समय तक सत्ता में रहे किसी नेता के खिलाफ कोई सत्ता विरोधी लहर नहीं थी। राज्यपाल से आमंत्रण मिलने के बाद मुख्यमंत्री श्री कुमार 20 नवंबर को ऐतिहासिक गांधी मैदान में नवगठित राजग सरकार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और ▶10पर

बिहार विधानसभा चुनाव : विजेता उम्मीदवारों को मिले 60 हजार से 1.5 लाख तक वोट, चुनाव आयोग ने '1.22 लाख' वाले विवाद पर दी सफाई

पटना, 19 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद सोशल मीडिया पर चल रही 1.22 लाख वोट वाली चर्चा पर चुनाव आयोग ने आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। कई यूजर्स और राजनीतिक नेताओं ने दावा किया था कि कई शीर्ष भाजपा उम्मीदवारों को लगभग 1.22 लाख के आसपास वोट मिले, जो एक संयोग कम और संदेह ज्यादा लगता है। इस विवाद के चलते बुधवार को चुनाव आयोग के अधिकारियों ने विस्तृत डेटा जारी कर बताया कि बिहार में विजेता उम्मीदवारों को अलग-अलग रेंज में वोट मिले हैं जो 60,000 से लेकर 1.5 लाख तक फैले हुए हैं। चुनाव आयोग ने स्पष्ट कहा कि वोटिंग पैटर्न व्यापक है और इसे किसी एक आंकड़े से जोड़कर देखना गलत है।

चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि बिहार विधानसभा चुनाव में विजेता उम्मीदवारों को मिले वोटों में काफी विविधता रही। विभिन्न सीटों पर उम्मीदवारों को 60 हजार से लेकर 1.5 लाख तक वोट प्राप्त हुए। आयोग के मुताबिक 60,000 से 69,999 के बीच कुल 4 उम्मीदवारों को वोट मिले, जिनमें इगझ का 1 और गऊ(ण) के 3 नेता शामिल हैं। इसके अलावा 90,000 से 99,999 वोट पाने वाले 65 उम्मीदवार रहे। वहीं 1,00,000 से 1,09,999 की रेंज में 63 विजेता शामिल थे।

सबसे ऊंची रेंज में, 1,40,000 से 1,49,999 के बीच, एक इगझ उम्मीदवार ने जीत दर्ज की। 243 सीटों वाले बिहार विधानसभा चुनाव में मिले यह आंकड़े बताते हैं कि वोटिंग पैटर्न में व्यापक फैलाव रहा और वोटों के वितरण में किसी तरह की समानता या एक जैसा पैटर्न नजर नहीं आता। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बताया कि विजेता उम्मीदवारों को मिले वोट पूरे स्पेक्ट्रम में फैले हुए हैं। किसी खास पार्टी या नेता को समान वोट मिलने जैसी बात तार्किक रूप से भी सही नहीं और डेटा में भी प्रमाणित नहीं होती।विवाद तब शुरू हुआ जब कई यूजर्स ने दावा किया कि कई भाजपा नेताओं को लगभग 1.22 लाख वोट मिले, जिसे एक जैसा पैटर्न बताया गया। ▶10पर

गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से लाये जाने पर एनआईए ने गिरफ्तार किया

नई दिल्ली , 19 नवंबर (एजेंसियां)। खूंखार गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से प्रत्यर्पित कर दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर उतरते ही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया।

अनमोल पर हत्या, अपहरण और जबरन वसूली जैसे गंभीर आरोप हैं और वह लंबे समय से फरार था। वर्ष 2022 से फरार और अमेरिका में रह रहा अनमोल बिश्नोई जेल में बंद अपने भाई लॉरेंस बिश्नोई की अगुवाई वाले आतंकी सिंडिकेट में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार होने वाला 19वाँ आरोपी है।

मामले की जाँच के बाद यह स्थापित हुआ कि अनमोल ने 2020-2023 की अवधि के दौरान देश में विभिन्न आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने में नामित आतंकवादी गोल्डी बरार और लॉरेंस बिश्नोई की सक्रिय रूप से सहायता की थी। एनआईए ने मार्च 2023 में अनमोल के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था।

गौरतलब है कि अनमोल पर सिद्धू मूसेवाला और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड और बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के घर फायरिंग सहित गंभीर मामले दर्ज हैं।एनआईए ने उस पर दस लाख का ईनाम घोषित किया था। अनमोल पर कुल 18 मामले दर्ज हैं, जिनमें जबरन वसूली, हत्या और हथियार तस्करी शामिल हैं।

गिरोह के विभिन्न सहयोगियों के साथ मिलकर काम करते हुये अनमोल ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के लिए अमेरिका से आतंकवादी सिंडिकेट चलाना और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देना जारी रखा। इसके लिए उसने ज़मीनी स्तर पर अपने गुर्गों का इस्तेमाल किया। जाँच से पता चला कि अनमोल बिश्नोई ने गिरोह के शूटरों और अन्य गुर्गों को आश्रय और रसद सहायता प्रदान की थी। वह अन्य गैंगस्टरों की मदद से विदेशी धरती से भारत में जबरन वसूली में भी शामिल था।

एनआईए इस मामले (लॉरेंस बिश्नोई की अगुवाई वाले आतंकवादी-गैंगस्टर षड्यंत्र)की जाँच कर रही है ताकि आतंकवादियों, गैंगस्टरों और हथियार तस्करों के बीच गठजोड़ को नष्ट किया जा सके। इसमें उनका बुनियादी ढाँचा और धन स्रोत भी शामिल हैं।

पंजाब के फाजिल्का जिले का रहने वाला अनमोल नेपाल, दुबई और केन्या के रास्ते अप्रैल 2022 में फर्जी पासपोर्ट पर अमेरिका भागा था। उसकी दिल्ली पुलिस, पंजाब पुलिस और राजस्थान पुलिस को विभिन् मामलों में तलाश है।

मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत नौ करोड़ किसानों के लिए 18,000 करोड़ जारी किए

कोयंबटूर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को यहां प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त के तहत 9 करोड़ किसानों को 18,000 करोड़ रुपये जारी किए।

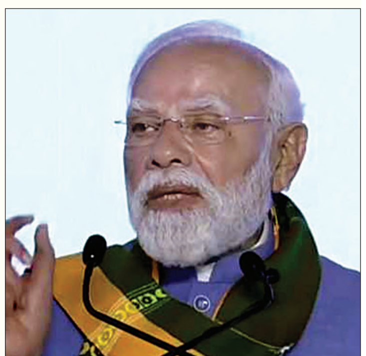

किसान सम्मान निधि की राशि जारी करने के बाद श्री मोदी ने यहां आयोजित कोडिसिया व्यापार मेला परिसर में दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन में दक्षिणी राज्यों के 5,000 से अधिक किसान और विभिन्न किसान संघों के सदस्य शामिल हुए।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने एक किसान प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जिसमें विभिन्न कृषि उत्पादों और नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।

इस मौके पर उन्होंने किसान संगठनों के सदस्यों के साथ व्यापक बातचीत की।

सदस्यों ने उन्हें कृषि क्षेत्र की नवीनतम तकनीकों के बारे में अवगत कराया।

किसान संगठन के सदस्यों ने प्रधानमंत्री के साथ सेल्फी भी ली। इस अवसर पर तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि, केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन और अन्य गणमान्य हस्तियां मौजूद रही।

लोकतंत्र के लिए खतरा : राहुल गांधी और कांग्रेस पर बरसे देश के पूर्व जज-अधिकारी

ईसी की छवि खराब करने का आरोप

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। देश के 272 प्रतिष्ठित नागरिक, जिसमें 16 पूर्व जज, 123 रिटायर्ड नौकरशाह (14 पूर्व राजदूत समेत) और 133 सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी शामिल हैं, ने एक खुला पत्र जारी करके विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। इन हस्तियों ने कहा कि भारत का लोकतंत्र किसी हथियार से नहीं, बल्कि जहरीली बयानबाजी से हमला झेल रहा है। इस पत्र में आरोप लगाया गया है कि सैन्य बलों, न्यायपालिका और संसद पर सवाल उठाने के बाद अब चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा है। वरिष्ठ नागरिकों ने लिखा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बार-बार चुनाव आयोग पर वोट चोरी में शामिल होने का आरोप लगाया, मपरमाणु बमफ जैसी भाषा इस्तेमाल की और यहां तक कहा कि आयोग देशद्रोह कर रहा है, लेकिन इन दावों के समर्थन में कोई औपचारिक शिकायत या

शपथ पत्र नहीं दिया। पत्र के अनुसार, बिना सबूत के लगाए जाने वाले आरोप एक मक्रोधफ का रूप हैं, ऐसा गुस्सा जो बार-बार चुनावी हार और जनता से दूरी के कारण पैदा हुआ है। पत्र में आगे कहा गया है कि कुछ राजनीतिक दल विश्लेषण की जगह नाटकीयता को चुन रहे हैं और सार्वजनिक सेवा की जगह राजनीतिक तमाशा कर रहे हैं।देश की इन हस्तियों ने लिखा कि जब किसी विपक्ष शासित राज्य में चुनाव आयोग के परिणाम विपक्ष के अनुकूल होते हैं, तब उसकी आलोचना गायब हो जाती है। लेकिन जब परिणाम उनके खिलाफ आते हैं, तब आयोग को हर कहानी का खलनायक बना दिया जाता है। उन्हें यह चुनिंगा नाराजगी मराजनीतिक अवसरवादफ का उदाहरण लगी।

इस खुले पत्र में टीएन शेषन और एन गोपालस्वामी जैसे पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों का उल्लेख करते हुए कहा गया कि उन्होंने लोकप्रियता या सुर्खियों के बजाय निष्पक्षता और कड़ाई से नियमों का पालन कराया। वरिष्ठ नागरिकों का कहना है कि भारत की संस्थाओं को राजनीतिक हमलों का निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए, यही परंपरा देश को मजबूत बनाती है।वरिष्ठ नागरिकों ने चुनाव आयोग से कहा कि वह पारदर्शिता बनाए रखे, सभी आंकड़े सार्वजनिक करे और आवश्यक होने पर कानूनी तरीकों से अपना बचाव करे। इसके साथ ही राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे बिना सबूत वाले आरोपों की जगह नीतिगत विकल्प और देश के लिए ठोस दृष्टि पेश करें।

वहीं इस पत्र के आखिरी में देश की वरिष्ठ हस्तियों ने भारतीय सेना, न्यायपालिका, कार्यपालिका और विशेष रूप से चुनाव आयोग पर अपना अटूट विश्वास जतााया। ▶10पर

सम्राट चौधरी बने भाजपा विधायक दल के नेता, विजय सिन्हा उप नेता होंगे

पटना, 19 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल का नेता तथा विजय कुमार सिन्हा को उपनेता चुन लिया गया है।

श्री चौधरी को आज आयोजित भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक में सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया। वरिष्ठ भाजपा नेता और उपनुख्यमंत्री विजय सिन्हा सदन में पार्टी के उप नेता होंगे।

भाजपा विधायक दल की आयोजित आज की बैठक के बाद केंद्रीय पर्यवेक्षक और उत्तरप्रदेश के उपमुख्यमनंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इस आशय की घोषणा की। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं का चुनाव सर्वसम्मति से किया गया। इस चुनाव के बाद दोनों नेताओं ने उपस्थित विधायकों को धन्यवाद दिया तथा शीर्ष नेतृत्व में अपना विश्वास व्यक्त किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जनता दल यूनाइटेड (जदयू) विधायक दल का नेता चुन लिया गया था। आज ही राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विधायक दल की बैठक में बिहार विधानसभा में गठबंधन का नेता और भावी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का चयन होगा।

उसके बाद राजग विधायक दल के नेता राज्यपाल से मिल कर सरकार बनाने का दावा करेंगे। 20 नवंबर को मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह गांधी मैदान में आयोजित किया जाएगा।

संघ पर पाबंदी लगाने की कोशिश करने वाले अपना खुद का नुकसान करेंगे: आलोक कुमार

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने गैर भाजपा सरकारों वाले राज्यों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों पर अंकुश लगाने की मांगों के प्रति आगाह करते हुए कहा है कि ऐसा करने वाले खुद अपना नुकसान करेंगे।

श्री आलोक कुमार ने ङ्यूनीवार्ताफ के साथ एक विशेष बातचीत में संघ को भारतीय संस्कृति और परम्परा से जुड़ा संगठन बताया है और कहा है कि संघ पर पहले भी कुछ सरकारों ने पाबंदी लगाने के कदम उठाये थे, या उसे दबाने की कोशिश की गयी थी, लेकिन व्यापक जनभावनाओं के समक्ष उन्हें अपने कदम वापस लेने पड़े।

संघ के पंजीकरण को लेकर उठाये जा रहे सवालों पर श्री कुमार ने कहा कि संगठन का स्वरूप क्या हो, यह निर्णय उसका है। उसके वर्तमान स्वरूप से किसी कानून का उल्लंघन नहीं होता। उल्लेखनीय है कि श्री कुमार एक विधिवेत्ता भी हैं। कर्नाटक में कथित तौर पर संघ की गतिविधियों को लक्षित कर सार्वजनिक सभा आदि को लेकर हाल में लगाये गये कुछ विवादास्पद प्रतिबंधों और उस पर मुख्यमंत्री सिद्दारमैया की सफाई से जुड़े मुद्दों पर विहिप नेता ने कहा, संघ पर प्रतिबंध लगाना उसके कार्यों में रोक-टोक पैदा करना, उन्हीं लोगों के हित में नहीं है, जो ऐसा कर रहे हैं।

श्री कुमार ने कांग्रेस और कर्नाटक की सिद्दारमैया सरकार को नसीहत देने के अंदाज में कहा, संघ पर जो भी प्रतिबंध लगाते हैं, या कोई रोक-टोक करते हैं, वे काल के प्रभाव में नष्ट हो जाते हैं, संघ को लेकर अगर कर्नाटक (सरकार) कोई ऐसा प्रयत्न करेगी, तो उसका परिणाम भी यही होगा।

उन्होंने कर्नाटक के मुद्दे को गंभीर बताया और कहा कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद जवाहर लाल नेहरु सरकार ने संघ को प्रतिबंधित किया था, उस समय जनता के प्यार एवं संघ कार्यकर्ताओं के संकल्प ने पूरे

देश में उसके खिलाफ एक विशाल आंदोलन खड़ा किया, जिसके कारण संघ पर लगे प्रतिबंध को हटाना पड़ा।

आपातकाल दौर का जिक्र करते हुये श्री कुमार ने कहा, उस समय भी इंदिरा गांधी की सरकार ने संघ पर प्रतिबंध लगाते हुये, बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों को जेल में डाल दिया था। आपातकाल के दौरान संघ के कार्यालय पर शासन ने ताले डलवा दिये थे, लेकिन हिन्दुओं के साहस एवं संघ कार्यकर्ताओं के संकल्प के आगे इंदिरा सरकार को संघ पर लगे प्रतिबंध को हटाना पड़ा। इस तरह की कार्रवाई का परिणाम यह हुआ कि आपातकाल के बाद हुए चुनाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पराजय का मुंह देखना पड़ा।संघ के प्रति बार-बार प्रतिबंध वाली सोच को स्वयं के लिए हानिकारक बताते हुए विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, 1992 में भी तीसरी बार तत्कालीन प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव ने संघ पर प्रतिबंध लगाया था, उस समय कोर्ट ने भी माना प्रतिबंध गलत है, संघ भारत की जड़ों से जुड़ा है, भारत की परम्परा में है, भारत की संस्कृति में है, आज संघ हिन्दू समाज के स्नेह के कारण ही यह ज़िन्दा है।

कांग्रेस नेताओं द्वारा संघ के पंजीकरण के मुद्दे को उछाले जाने के विषय में एक सवाल पर कहा पंजीकरण कोई कानूनी आवश्यकता नहीं है, संघ एसोसिएशन आफ पर्सन्स (व्यक्तियों का संघ) है, अब तक ऐसा कोई कानून नहीं बना है कि हर एक एसोसिएशन को पंजीकरण कराना पड़े। ▶10पर

शेयर मार्केट

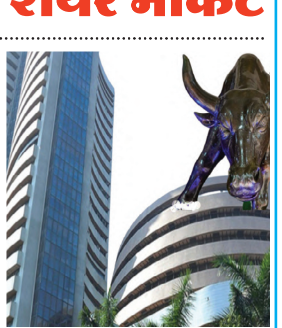

बीएसई : 85,186.47
+513.45 (0.61%) ↑

एनएसई :26,052.65
142.60 (0.55%)↑

एस एवेंजर्स ने नेट निंजास को हराकर जीता कटारिया कप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री कांठा प्रांत ओसवाल साजनान संघ राजाजीनगर की युवा शाखा कांठा प्रांत जैन मित्र मंच द्वारा कांठा प्रांत बेंगलूरु के युवाओं की खेल प्रतिभा को उचित मंच देने के उद्देश्य से आयोजित कटारिया कप बैडमिंटन प्रतियोगिता एस एवेंजर्स ने जीती। वेस्ट ऑफ कॉर्ड रोड़ स्थित ए टू वी बैडमिंटन अकादमी में मिश्रीमल अजीतकुमार कटारिया के मुख्य प्रायोजन में आयोजित कटारिया कप के सीजन 4 के फाइनल मुकाबले में एस एवेंजर्स एवं नेट निंजास के बीच कड़ी जद्दोजहद देखने को मिली। लगभग ढाई घंटे तक चली कशमकश के पश्चात विकास गुगलिया की लीडरशिप में एस एवेंजर्स ने कप अपने नाम किया। मंगलाचरण से प्रारंभ प्रतियोगिता में मित्र मंच के अध्यक्ष अजीत कटारिया ने सभी का स्वागत किया। मित्र मंच के मंत्री निखिल गुंदेचा ने सह प्रायोजक भंवरलाल शांतिलाल चैरिटेबल ट्रस्ट, जर्सी प्रायोजक प्रकाश भलगट, फूड प्रायोजक मानकचंद गुगलिया, वेन्यू प्रायोजक उत्तमचन्द कोठारी एवं शटल प्रायोजक कालुराम कटारिया के साथ ज्ञात अज्ञात सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। राजाजीनगर कांठा प्रांत ओसवाल साजनान संघ के अध्यक्ष मिश्रीमल कटारिया एवं महामंत्री भागचंद गुगलिया ने सभी टीम मालिकों को भागीदारी के लिये धन्यवाद दिया तथा खिलाड़ियों से खेल भावना की अपेक्षा की। प्रतियोगिता के संयोजक मनीष बोहरा एवं विशाल गुगलिया ने बताया कि बेंगलूरु के कांठा प्रांत की खेल प्रतिभाएं अपना खेल कौशल दिखाने में हमेशा अग्रणी रही है और राष्ट्रीय स्तर पर अपने खेल का लोहा मनवाया है। प्रतियोगिता में उप-स्थित श्री कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट के महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने स्वास्थ्य, खेल कौशल एवं नेटवर्किंग बढ़ाने वाली इस प्रतियोगिता का संचालन निरंतर जारी रखने का सुझाव रखा तथा खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा को निखारने हेतु कांठा ट्रस्ट द्वारा सहयोग का आश्वासन दिया। विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की गयी। विजेता टीम के लीडर विकास गुगलिया एवं उपविजेता टीम लीडर विमल कटारिया ने कहा कि आयोजन से कांठा प्रांत के युवाओं के खेल में निखार के साथ नेटवर्किंग भी बढ़ती है। मित्र मंच के सह सचिव शेखर चानोदिया ने बताया कि प्रतियोगिता उद्घाटन में कांठा प्रांत के राजाजीनगर के उपाध्यक्ष शांतिलाल चानोदिया, कोषाध्यक्ष मदनलाल गांधी, कांतिलाल मुथा, महेंद्र कटारिया, हंसराज मुणोत, राजेश गांधी, कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट के किरणराज कोठारी के साथ साथ कांठा प्रांत के अनेकों गणमान्य तथा महिलाएं उपस्थित थी।

बाल दिवस पर संस्कार इंग्लिश मीडियम स्कूल में 17वां इंटरस्कूल टैलेंट शो आयोजित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
बाल दिवस के अवसर पर संस्कार इंग्लिश मीडियम स्कूल में यूकेजी और एलकेजी के लिए 17वां 'टेल-ए-टेल' स्टोरी टेलिंग एवं 'राइम टाइम' राइम रिसीटेशन इंटरस्कूल टैलेंट शो भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 32 स्कूलों के 61 से अधिक नन्हे प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रार्थना गीत से आरंभ हुए इस कार्यक्रम का संचालन अनविका सुल्तानपुर और सुरभि गुंडी ने किया, जबकि नम्मा देवांश ने स्वागत भाषण दिया। उद्घाटन निर्णायकों एवं अतिथियों द्वारा बुलबुले उड़ाकर अनोखे तरीके से किया गया। निर्णायक मंडल में निवेदिता कुलकर्णी, केया शिवरत्न पाटिल, नमिता मिरजंकर, अर्चना जोशी, रानी जे. पिल्ले और प्रतिभा चोपड़ा शामिल थीं।

मुख्य अतिथि आरएनएस मोटर्स की महाप्रबंधक अर्चना जी.एस. तथा प्रैक्टिसिंग डेंटिस्ट डॉ. हेमा सी. जयादे ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं। समारोह की अध्यक्षता संस्था के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र एच. सिंघी ने की। संचालन रिदा खान सौदागर और साक्षी खटवटे ने किया तथा धन्यवाद प्रस्ताव गौतमी सीलमंद और वेदश्री कैपसे ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष महावीर पी. कुंदुर, सचिव सुधीर वोरा, कोषाध्यक्ष उज्वल सिंघी, निदेशक सपना वोरा सहित प्रबंधन समिति के सदस्य, शिक्षक गण और अभिभावक बड़ी संख्या में उप-स्थित रहे और इस प्रेरणादायी पल के साक्षी बने।

जेडीएस रजत जयंती की तैयारियां शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेडीएस विधायक दल के नेता सी.बी. सुरेशबाबू ने कहा कि जेडीएस पार्टी की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन में सभी राज्यों के अध्यक्ष और प्रतिनिधि पहुंचेंगे और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव पर निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि बेलगावी के सुवर्ण विधान सौधा में आयोजित होने वाले शीतकालीन सत्र में हम राज्य की ज्वलंत समस्याओं और सरकार की विफलताओं पर प्रकाश डालने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में 21 नवंबर की शाम को जेडीएस विधायक दल की बैठक होगी। बिहार विधानसभा चुनाव में ऐसे नतीजे सामने आए हैं जिनकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी और कांग्रेस का भ्रम टूट गया है। इसने राज्य में एनडीए सहयोगियों के बीच एक नई हलचल पैदा कर दी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि एनडीए गठबंधन राज्य में और अधिक सीटें जीतेगा और आगामी विधानसभा चुनावों में सत्ता में आएगा। राज्य की कांग्रेस सरकार के ढाई साल के शासन में विकास की उपेक्षा की गई है। सत्ताधारी पार्टी खुद इस पर रो रही है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया कहते हैं कि वे राज्य को भुखमरी मुक्त बनाएंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी जातियों के गरीबों के कल्याण के लिए लाभ प्रदान किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेषाधिकार प्राप्त लोगों को लाभ से वंचित रखा जाना चाहिए और गरीबों को कार्यक्रम दिए जाने चाहिए।

बेंगलूरु में अवैध रूप से रह रहे 11 विदेशियों को वापस भेजा गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने बताया कि बिना उचित दस्तावेजों के शहर में रह रहे ग्यारह विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बताया कि गिरफ्तार विदेशी नागरिकों को एफआरआरओ के समक्ष पेश किया गया है। उन्होंने बताया कि उनके आदेशानुसार उन्हें विदेशी हिरासत केंद्र भेज दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें देश से निर्वासित करने की कानूनी कार्रवाई जारी है। कुछ विदेशी नागरिकों के शहर में अवैध रूप से रहने और नशीली दवाओं की बिक्री में शामिल होने की सूचना मिलने के बाद, डीसीपी क्राइम 2 राजा इमाम कासिम के नेतृत्व में इलेक्ट्रॉनिक सिटी डिवीजन के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई। उन्होंने बताया कि जब इस टीम ने हेब्बागोडी पुलिस स्टेशन की सीमा में एक संयुक्त अभियान चलाया, तो 11 विदेशी नागरिक बिना उचित दस्तावेजों के अवैध रूप से रह रहे पाए गए और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि विदेशियों को मकान किराए पर देने वाले मालिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा चुकी है, लेकिन दो मकान मालिकों, शिवरामकृष्ण (42) और संगप्पा पाटिल (35) ने नियमों का उल्लंघन किया है और उनके खिलाफ हेब्बागोडी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करने वाले लोगों ने नियमों का उल्लंघन किया है और इस तरह से अपने मकान किराए पर दिए हैं। मालिकों को विदेशियों को मकान किराए पर देते समय कानूनी नियमों का पालन करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि इन दोनों मकान मालिकों ने नियमों का उल्लंघन किया है, जबकि उन्हें स्थानीय पुलिस स्टेशन और संबंधित अधिकारियों को उनके बारे में जानकारी देने के लिए कहा गया है। आयुक्त ने मकान मालिकों से आने वाले दिनों में इस पर फिर से ध्यान देने को कहा।

मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से जलापूर्ति ठप

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पडिल-कन्नूर के पास चल रहे निर्माण कार्य के दौरान पेयजल आपूर्ति करने वाली मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण सोमवार और मंगलवार को शहर के कई हिस्सों में पानी की आपूर्ति बाधित रही। आपूर्ति अचानक बंद होने से पानी की भारी किल्लत हो गई, जिससे निवासियों को काफी परेशानी हुई। आवासीय परिसरों में टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति की गई। अचानक आपूर्ति बाधित होने से होटलों, अस्पतालों और अन्य प्रतिष्ठानों को भारी संकट का सामना करना पड़ा और टैंकरों में जमा पानी पहले ही खत्म हो चुका है।

मरम्मत कार्य बुधवार सुबह तक पूरा हुआ। हालांकि, मरम्मत के बाद शहर के विभिन्न हिस्सों तक पानी पहुंचने में कम से कम 12 घंटे लग सकते हैं। इसलिए, बुधवार को सभी इलाकों में आपूर्ति की संभावना कम ही रही। थुम्बे बांध से पडिल टैंक तक पानी पहुंचाने वाली मुख्य पाइपलाइन जमीन से 18 फीट नीचे है। बेंडोर पंप हाउस को पानी पहुंचाने वाली मुख्य लाइन के नीचे पडिल की ओर जाने वाली एक और लाइन है। इससे नुकसान के सटीक बिंदु का पता लगाना मुश्किल हो गया। परिणामस्वरूप, पडिल पंप हाउस से पडिल, मरोली, कंकनाडी, मंगलादेवी, जेप्पू, पनिर, मुलिहित्लु, बोलर, कार स्ट्रीट, मन्नागुड्डा, पांडेश्वर, स्टेट बैंक, शक्तिनगर, कन्नूर, बाजल, जेप्पिनामोगारू, अलापे, अट्टावर, उल्लासनगर, चिलिम्बी, कोडिकल, उरवा स्टोर, अशोकनगर, कुडुपु, वामनजूर, बोंडेल, कावूर, मरकाडा और कई अन्य इलाकों में मंगलवार को पानी की आपूर्ति बाधित रही। मंगलवार को दिन भर खुदाई करने वाले और टिपर की मदद से पाइपलाइन पर जमी मिट्टी हटाई गई। मिट्टी के नीचे क्षतिग्रस्त हिस्से की पहचान कर ली गई है। गड्ढे में जमा पानी को साफ किया जा रहा है। मेंगलूरु नगर निगम के जल आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पाइप को काटकर वेल्ड करना होगा, जिसमें अभी और समय लगेगा। इस बीच, अड्यार-कन्नूर के पास मुख्य लाइन में रिसाव को रोकने के लिए मरम्मत कार्य भी चल रहा है। एमसीसी आयुक्त रविचंद्र नायक ने कहा कि जल्द ही जलापूर्ति बहाल होने की उम्मीद है।

प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए सांसद को किया आमंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
चिक्कबल्लापुर में सीरवी समाज द्वारा आईमाता वडेर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन 3 दिसंबर से 6 दिसंबर तक होगा। इस चार दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चिक्कबल्लापुर के सांसद डॉ. सुधाकर रेड्डी को आमंत्रित किया गया है। समाज के पदाधिकारियों ने उन्हें आमंत्रण पत्रिका देकर इस अवसर पर उपस्थित रहने का अनुरोध किया है। इस आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए वडेर के सचिव नेमीचन्द राठौड़ ने बताया कि यह कार्यक्रम धर्मगुरू दीवान माधवसिंह और बाबा मंडली के पावन सानिध्य में सम्पन्न होगा। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष बालूराम सनपरा, पूरणराम राठौड़, चंद्र प्रकाश काग और सम्पत आगलेचा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहें।

मिट्टी के दीपक की तरह हमारा जीवन है तेल खत्म तो खेल खत्म: साध्वी भव्यगुणा

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
साध्वी भव्यगुणा ने कहा कि पृथ्वी पर हमारे आगमन की खबर परिवार को नौ महीने पहले मिल जाती है कि हमारे घर में एक सदस्य की वृद्धि होने वाली है, लेकिन परलोक गमन की खबर हमें खुद को नौ सेकंड पहले भी होगी या नहीं, यह बड़ा सवाल है। शरीर से निकली हुई सांस यदि वापस अंदर न जाए, तो उसे मृत्यु कहते हैं। मृत्यु का स्मरण डराने के लिए नहीं, बल्कि सावधान करने के लिए है। मृत्यु आने से पहले यदि हम सज्जनता से जीवन जी लें, तो मृत्यु बिगड़ने का सवाल ही नहीं है। जैसे इंजीनियर की बनाई योजना के अनुसार घर बनता है, दरजी के कटिंग अनुसार कपड़ा तैयार होता है, वैसे ही हम जैसा जीवन जीते हैं अच्छा या बुरा वैसा ही परिणाम हमें सद्गति या दुर्गति के रूप में मिलता है। मिट्टी के दीये की तरह हमारा जीवन है तेल खत्म तो खेल खत्म। आयुष्य समाप्त तो यह संसार भी समाप्त। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि धन के ढेर लगाने वालों को याद रखना चाहिए परलोक में यह धन साथ नहीं जाएगा। यदि कोई पुण्यकर्म किए हैं, तो वही साथ जाएगा। घर की सफाई के साथ रिश्तों पर जमी धूल भी साफ कर दीजिए, तो सुख की मात्रा कई गुना बढ़ जाएगी। मृत्यु से बचा नहीं जा सकता। परंतु अच्छे कर्मों से दूसरों के दिलों में सदा जीवित रहा जा सकता है।

दिव्यांगजनों में कृत्रिम पैरों का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय श्री राजेंद्र जैन महिला परिषद् शाखा बेंगलूरु के तत्वावधान में राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमाबेन गांधीमुथा के नेतृत्व में राष्ट्रीय संत आचार्य विजय जयंतसेन सूरीश्वरजी के 90वें जन्मोत्सव के उपलक्ष में सोमवार को महावीर हॉस्पिटल कर्नाटका मारवाड़ी यूथ फेडरेशन (केएमवाईएफ) लिंब सेंटर में 15 दिव्यांगजनों को कृत्रिम पैरो का वितरण किया गया। इसी के साथ अखिल भारतीय महिला परिषद् ने किदवई हॉस्पिटल में विकलांगों के आश्रम में 100 जरूरतमंदों को कपड़े, फल और मिठाई वितरित की। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमा गांधी मुथा ने कहा कि सेवा में साधना है, करुणा में ईश्वर है। जब हम किसी पीड़ित को सहायता देते हैं तो वह हमारी करुणा और प्रेम का प्रतीक होता है। अध्यक्ष कंचन बेन पालगोता ने कहा रोगी केवल शारीरिक पीड़ा ही नहीं झेलते बल्कि मानसिक और भावनात्मक संघर्ष से भी गुजरते हैं। परिषद् का यह प्रयास उनके भीतर जीवन की उम्मीद और हिम्मत को जगाने का एक छोटा कदम है। महामंत्री कंचन श्रीश्रीमाल ने कहा मानव सेवा सच्चा धर्म है। परिषद् अपने दानदाताओं के सहयोग से सदैव समाज के जरूरतमंद वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित है। हमारे प्रत्येक सेवा का लक्ष्य पीड़ितों के जीवन में मुस्कान लाना है। इस मौके पर अध्यक्ष कंचन बेन पालगोता और सचिव कंचन बेन श्रीश्रीमाल आदि सदस्याएं मौजूद थी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *अप्पू कल्चरल अकादमी द्वारा मल्लथहल्ली स्थित कला ग्राम में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित करते हुए अकादमी के अध्यक्ष मास्टर अप्पु राम एवं अन्य।*

अटल विरासत' भव्य जिला स्तरीय सम्मेल आयोजित

अटल जी का नाम एक प्रेरक शक्ति है: बीवाई विजयेंद्र

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि अटल जी एक प्रेरक शक्ति हैं। वे कवि और लेखक भी हैं। उन्होंने बुधवार को पुत्तूर में अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित 'अटल विरासत' भव्य जिला स्तरीय सम्मेलन में भाषण दिया। पुत्तूर के पूर्व और वर्तमान भाजपा अध्यक्षों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने याद दिलाया कि अटल जी एक सच्चे देशभक्त भी थे।

उन्होंने कहा कि अटल जी द्वारा निर्मित भाजपा कार्यकर्ता होना हम सभी के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने इस बात की सराहना की कि अटल जी ने हमारे संगठन और राज्य को मजबूती दी है। मैंने अपने पूज्य पिता येदियुरप्पा के राजनीतिक उतार चढ़ाव देखे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि दक्षिण कन्नड़ से उनका अटूट संबंध था। मेरी 103 वर्षीय मां ने महालिंगेश्वर मंदिर में मुझे और भाजपा को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि देश की भक्ति और संगठन की भक्ति पुत्तूर की कर्मभूमि, पुण्यभूमि में है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में भाग लेना मेरा सौभाग्य था। वाजपेयी ने कई बार कर्नाटक और दक्षिण कन्नड़ का दौरा किया था। उन्होंने यहां के कार्यकर्ताओं की संगठनात्मक शक्ति को पहचाना था। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा था कि कर्नाटक दक्षिण भारत का प्रवेश द्वार बनेगा। उन्होंने कहा कि अटलजी आम कार्यकर्ताओं के साथ भी सम्मान का व्यवहार करते थे। भाजपा को मजबूत करने की जरूरत है। कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि सभी नेता एकजुट होकर संगठित हों। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा अपने बल पर सत्ता में आती है, तो हमें पुत्तूर में जीत हासिल करनी होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि तब भाजपा को 150 से अधिक सीटें मिलेंगी। खोखले वादे करके सत्ता में आई कांग्रेस की शासन शैली के कारण गरीब, किसान और गन्ना उत्पादक परेशान हैं। कांग्रेस पार्टी गरीबों और किसानों को भूल गई है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कतील ने याद दिलाया कि अटल जी ने अपने शासनकाल में इस देश को कर्ज मुक्त राष्ट्र बनाया था। उन्होंने बताया कि कारगिल विजय के लिए वे ही जिम्मेदार थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने उत्कृष्ट शासन, पोखरण परमाणु परीक्षण और स्कूली बच्चों के लिए अन्नदानम जैसी परियोजनाओं के माध्यम से देश के विकास के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने कहा कि वे भाजपा के मुस्लिम-विरोधी और ईसाई-विरोधी होने की भ्रांति को दूर करके राष्ट्रीय नेता बने। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पुत्तूर का कार्यकर्ता कभी पलायन नहीं करेगा और इस निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल करेगा। पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा ने भाषण दिया और याद दिलाया कि वाजपेयी 1991 में चुनाव प्रचार के लिए सुल्लिया, बेल्टांगडी और पुत्तूर आए थे। उन्होंने बताया कि अटलजी कहा करते थे, मुझे ऐसी जगह मत बिठाओ जहां मैं कार्यकर्ताओं तक पहुंच न सकूं। उन्होंने कहा कि उनके ये शब्द कि सभी एकजुट हों, अपने पद भूलकर काम करें, पुत्तूर के लिए एक गहरा संदेश हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह खोए हुए पुत्तूर को भाजपा के पाले में वापस लाने का एक मंच बनेगा। कार्यक्रम के जिला संयोजक किशोर कुमार पुत्तूर ने परिचयात्मक भाषण दिया। सेवाभावी हिंदू नेता डॉ. एम. के. प्रसाद, आरएसएस और जनसंघ, भाजपा संरक्षक डॉ. गौरी पई का अभिनंदन किया गया।

मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए प्रतिस्पर्धा दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही: बी.वाई. विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार का भ्रष्टाचार का गड्ढा भर गया है और लोग चाहते हैं कि यह सरकार जल्द से जल्द गिर जाए।

सिद्धरामैया महान सत्य हरिश्चंद्र की तरह बोलते हैं। उन्होंने केंद्र सरकार के बारे में बोलने की नैतिकता नहीं रखी है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें पहले कांग्रेस पार्टी में क्या हो रहा है, यह देखना चाहिए और फिर बोलना चाहिए। हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार चरम पर है। बिना रिश्वत दिए कोई काम नहीं हो सकता। लोग कांग्रेस पार्टी को सत्ता में लाने के बाद उसे कोस रहे हैं। वे इंतजार कर रहे हैं कि यह कांग्रेस कितनी जल्दी सत्ता से गिरेगी। उन्होंने चिल्लाते हुए कहा कि अगर कोई जनविरोधी सरकार भी होगी, तो उसका यही हाल होगा। राज्य में प्रशासन पूरी तरह से चरमरा गया है। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल, जिन्हें विकास की चिंता करनी चाहिए, दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। कांग्रेस पार्टी ने अपने किए वादे पूरे नहीं किए हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता कांग्रेस पर भरोसा करके खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। राज्य के किसान और गन्ना उत्पादक बेहद संकट में हैं। मक्का उत्पादक भी सड़कों पर उतरकर राज्य सरकार द्वारा खरीद केंद्र न खोले जाने का विरोध कर रहे हैं। इस बीच, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए प्रतिस्पर्धा दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है और भाजपा ने सत्र के अंदर और बाहर भ्रष्ट और जनविरोधी कांग्रेस सरकार के खिलाफ लड़ने का फैसला किया है। कन्नड़ विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष पुरुषोत्तम बिलिमाले ने तटीय क्षेत्र के यक्षगान कलाकारों द्वारा समलैंगिक कहे जाने वाले बयान की निंदा की। उन्होंने आपत्ति जताई कि यक्षगान कलाकारों द्वारा दिया गया यह बयान न केवल तटीय क्षेत्र का, बल्कि पूरे हिंदू समाज का अपमान है। उन्होंने कहा कि यह बयान कांग्रेस पार्टी की मानसिकता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री, अगर सरकार को यहां की कला, विरासत और संस्कृति का जरा भी ज्ञान है, तो कन्नड़ विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष को तुरंत हटा देना चाहिए। न केवल भाजपा, बल्कि पूरे हिंदू समाज को इसकी निंदा करनी चाहिए। हमें इसके खिलाफ निष्पक्ष होकर लड़ना चाहिए।

मेकेदातु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट समय सीमा के भीतर प्रस्तुत करेंगे: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो जल संसाधन मंत्री भी हैं, ने कहा कि वह मेकेदातु परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में संशोधन करेंगे और उसे समय सीमा के भीतर प्रस्तुत करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मेकेदातु परियोजना के लिए नई विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार नहीं की जा सकती, मौजूदा डीपीआर को संशोधित करके पुनः प्रस्तुत किया जाएगा। जब डीपीआर पहले प्रस्तुत की गई थी, तब जो दरें थीं, उनमें काफी बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि परियोजना रिपोर्ट वर्तमान दरों के अनुसार तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि वह पिछली परियोजना रिपोर्ट में व्यक्त की गई

आपत्तियों पर विचार करके और सभी कमियों को स्पष्ट करते हुए डीपीआर में संशोधन करेंगे। उनके मामले में, जो लोग राजनीतिक हैसियत की बात करते हैं, वे करें, जो खुश हैं वे खुश हों, जो दुखी हैं वे दुखी हों, जो चाहें, मेरे बारे में व्यापक चर्चा चल रही है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा लोग खुश हैं, लोगों की खुशी उनके लिए महत्वपूर्ण है। चीनी की कीमत पिछले 10 सालों से नहीं बढ़ी है। इसलिए, चीनी मिलों के मालिक विरोध कर रहे हैं कि उन्हें राज्य सरकार द्वारा निर्धारित 300 रुपये प्रति टन का मूल्य नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को नुकसान नहीं होना चाहिए और मिलों को नुकसान नहीं उठाना चाहिए। मिलें हैं तो किसान हैं और किसान हैं तो मिलों का भी उद्योग बढ़ना चाहिए। इस संबंध में, चीनी खरीद मूल्य, गुड़ और बिजली खरीद सहित सभी मुद्दों पर केंद्र सरकार निर्णय लेती है। इसी कारण, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और अपनी मांगें रखीं। चीनी मिलों के मालिकों ने बैंकों की ब्याज दर पर भी आपत्ति जताई है। यह राष्ट्रीयकृत बैंक और आरबीआई तय करते हैं। सभी मुद्दों पर न्याय होना चाहिए। विरोध की आंच भाजपा तक पहुंचती दिख रही है। चूंकि केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने चीनी के दाम बढ़ाने की बात कही है, इसलिए उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र सरकार जल्द ही कोई फैसला लेगी।

केंद्र सरकार ने मेरे अनुरोध पर चीनी की कीमतें बढ़ा दी: सीएम सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि केंद्र सरकार ने गन्ना किसानों की मांगों पर दिल्ली जाकर अनुरोध करने के बाद चीनी की कीमत बढ़ा दी है।

विधान सौधा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इसे बढ़ाकर 40 रुपये कर दिया है। केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रह्लाद जोशी के बयान के अनुसार, चीनी की कीमत में वृद्धि हुई है। लगभग सात-आठ वर्षों से चीनी की कीमत में संशोधन नहीं किया गया है। यह 31 रुपये प्रति किलो है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी और उनसे इसे बढ़ाकर 41 रुपये करने का अनुरोध किया था। सिद्धरामैया ने दोहराया कि उनके अनुरोध के बाद चीनी की कीमत में वृद्धि हुई है। हाल ही में, गन्ना किसानों ने बेलगावी सहित उत्तरी कर्नाटक के विभिन्न हिस्सों में दिन-रात धरना दिया। विरोध के आगे झुकी राज्य सरकार ने चीनी मिलों के मालिकों के साथ बैठक की और गन्ने के दाम में संशोधन करने का प्रयास किया। चीनी मिलों को 11.25 प्रतिशत उपज वाले गन्ने के लिए 3200 रुपये प्रति टन का भुगतान करना होगा। सरकार और चीनी मिलों ने 50 50 रुपये जोड़कर किसानों को 100 रुपये अतिरिक्त देने का फैसला किया था, यानी कुल 3,300 रुपये प्रति टन। बैठक के दौरान, चीनी मिलों के मालिकों ने सरकार के सामने अपनी कई समस्याएं रखीं। चीनी के दाम नहीं बढ़े हैं, बिजली की खरीद के लिए उचित दाम नहीं मिल रहे हैं, केंद्र सरकार ने शीरा, स्प्रिट और इथेनॉल की खरीद का कोटा कम कर दिया है। मिल मालिकों ने इसे राज्य स्तर पर बढ़ाने की मांग की थी। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने इन सभी मांगों को प्रधानमंत्री के ध्यान में लाया था। इसके अलावा, बाढ़ के मुआवजे सहित पांच अन्य महत्वपूर्ण मांगों का भी याचिका में उल्लेख किया गया था। सिद्धरामैया का दौरा सफल रहा और चीनी के दाम बढ़ गए हैं। इससे उपभोक्ताओं पर बोझ पड़ेगा और चीनी मिलों को मुनाफा होगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि इसका बोझ किसानों पर पड़ेगा या नहीं। अगर किसानों को अब भी मांग के अनुसार उचित मूल्य नहीं मिला, तो संभावना है कि गन्ना उत्पादक फिर से सड़कों पर उतरेंगे।

झूठ बोलने में बेहिसाब हैं प्रियांक खड़गे: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने प्रियांक खड़गे की झूठ बोलने में बेहिसाब होने की आलोचना की है। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने एक सवाल का जवाब दिया। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि उनके द्वारा कही गई सभी बातें सरासर झूठ हैं। उन्होंने कहा था कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र चित्तपुर में रोड मार्च नहीं होने देंगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्हें यह समझना चाहिए कि एक रोड मार्च हुआ है। प्रियांक ने कहा था कि अगर मेरे हाथ में सत्ता होती, तो मैं आज ही आरएसएस पर प्रतिबंध लगा देता। उन्होंने उन्हें चुनौती दी कि ऐसा इस जन्म में नहीं होगा। उन्होंने कहा कि आपने कहा कि आपने अनुमति दी। यह आपकी अनुमति नहीं है। यह अदालत ने दी थी। उन्होंने कहा कि अगर कोई लगातार झूठ बोलने वाला है, तो वह प्रियांक खड़गे हैं। उन्होंने कहा कि वह वहां नहीं जा सके और अब चींटी के काटने से भाग रहे हैं। एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने

कहा कि हमने बार बार कहा है कि बम विस्फोटों के मुद्दे की तुलना धर्म और जाति से नहीं की जानी चाहिए। लेकिन क्या हुआ? संसद पर हमला, पुलवामा हमला ये सब एक ही धर्म के लोगों ने किया। हमले की पृष्ठभूमि को देखते हुए, वे एक ही धर्म के क्यों हैं? उन्होंने कहा कि यहां वे स्वार्थी गतिविधियों के शिकार हैं। हमारे मेट्रो को बम से उड़ाने की धमकी झूठी हो सकती है। यह सच भी हो सकता है। हालांकि, हाल ही में यह बढ़ रहा है। सत्ताधारी सरकार ही इन सबका कारण है। अगर सत्तारूढ़ सरकार इस तरह काम करे कि गलत करने वालों को सजा मिले, तो इसे रोका जा सकता है। सोशल मीडिया पर पोस्ट करने पर पुलिस भेजकर गिरफ्तार कर लेते हैं। लेकिन सवाल उठता है कि जब ऐसी आपराधिक गतिविधियां होती हैं तो यह सरकार चुप क्यों रहती है? कांग्रेस आलाकमान मर चुका है। आलाकमान को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष होना चाहिए। उन्होंने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा कि कर्नाटक के कांग्रेस नेताओं को तो पता ही नहीं था कि वह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि आज भी उन्हें पता है कि राहुल गांधी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हैं। बिहार में कहीं भी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष की तस्वीर नहीं थी। उनका वहाँ कोई महत्व नहीं था। राहुल गांधी का महत्व था। तो आलाकमान कौन है?

आरक्षण कोटा पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से राज्य सरकार दुविधा में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्थानीय निकाय चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक न बढ़ाए जाने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने राज्य सरकार को दुविधा में डाल दिया है। क्योंकि पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष जयप्रकाश हेगड़े ने स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी को दिए जाने वाले आरक्षण को बढ़ाने की सिफारिश की थी। इसके अनुसार, जनवरी या फरवरी में होने वाले जिला और तालुक पंचायत तथा शेष नगर निगम चुनावों में ओबीसी के लिए आरक्षण बढ़ाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए सरकार ने उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश भक्तवत्सला की अध्यक्षता में एक समिति गठित कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। हालांकि, महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों और आरक्षण के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के फैसले की व्याख्या सभी राज्यों पर लागू मानी गई है। यदि आप आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ाते हैं, तो हम किसी भी कारण

से इससे सहमत नहीं होंगे। साथ ही, महाराष्ट्र पर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को कि वह चुनाव नहीं होने देगा, देश के सभी राज्यों के लिए एक चेतावनी बताया जा रहा है।

हमारे फैसले के अनुसार, आरक्षण को 50 प्रतिशत तक बढ़ाए बिना चुनाव कराने में हमें कोई आपत्ति नहीं है। अगर हम पिछले अदालती आदेश का उल्लंघन करते हुए आरक्षण दर बढ़ाते हैं, तो हम चुनाव नहीं होने देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र की ओर से पैरवी करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को साफ तौर पर कहा है कि वे दोबारा अदालत न आएं। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला सिर्फ महाराष्ट्र पर ही नहीं, बल्कि देश के सभी राज्यों पर लागू होगा। जयप्रकाश हेगड़े की अध्यक्षता वाली समिति ने सिफारिश की थी कि अनुसूचित जातियों, जनजातियों के लिए आरक्षण यथावत बना रहे, अनुसूचित जातियों के लिए 17.15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजातियों के लिए 6.95 प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग 1ए के आरक्षण में 6 प्रतिशत की वृद्धि, पिछड़ा वर्ग 1बी के लिए 12 प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग 2ए के लिए 10 प्रतिशत, मुस्लिम आरक्षण 4 प्रतिशत से बढ़ाकर 8 प्रतिशत, लिंगायत, उपजाति 3बी का आरक्षण 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 8 प्रतिशत और वोक्कालिगा, उपजाति 3ए का आरक्षण 4 से बढ़ाकर 7 प्रतिशत किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि महाराष्ट्र सरकार को दिसंबर में होने वाले स्थानीय निकायों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए सीटें आरक्षित करते समय न्यायालय के अधिकार को चुनौती नहीं देनी चाहिए और 50 प्रतिशत की सीमा से आगे नहीं जाना चाहिए। के. कृष्णमूर्ति बनाम भारत संघ मामले में, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जोयल्या बागची की पीठ ने कहा था कि न्यायालय चुनावों की अनुमति तभी देगा जब ओबीसी कोटा संविधान पीठ द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत की सीमा के भीतर रहेगा। महाराष्ट्र की ओर से पैरवी करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय से चुनाव प्रक्रिया की अनुमति देने का आग्रह किया था। संविधान पीठ का निर्णय बिल्कुल स्पष्ट है। न्यायमूर्ति बागची ने इस बात की आलोचना की कि स्थानीय निकायों में ऊर्ध्वाधर आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा कि राज्य 2022 की जेके बंठिया आयोग की रिपोर्ट के अनुसार चुनाव करा रहा है, जिसमें ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत कोटा की सिफारिश की गई थी। इससे कुल आरक्षण 70 प्रतिशत हो जाएगा। महाराष्ट्र राज्य में लंबे समय से विलंबित स्थानीय निकाय चुनाव दिसंबर 2025 तक होने वाले हैं। हालांकि, चुनावों के संबंध में ओबीसी आरक्षण पर विवाद जारी है और 2022 में न्यायमूर्ति जेके बंठिया आयोग ने ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की थी।

हिमाचल प्रदेश: 45 साल बाद लौटी याददाश्त, मुंबई से सिरमौर पहुंचा रिखी राम, हरियाणा में 1980 में हुआ था हादसा

पांवटा साहिब (सिरमौर), 19 नवंबर (एजेंसियां)। अकसर फिल्मों में देखते हैं कि चोट लगने से याददाश्त चली जाती है और फिर वर्षों बाद लौट आती है। ऐसा ही एक किस्सा हकीकत में हुआ है। सिरमौर के नाड़ी गांव निवासी रिखी राम करीब 45 साल के बाद घर लौट आए। परिवार में जश्न का माहौल है। सिरमौर के ग्राम नाड़ी निवासी रिखी राम वर्ष 1980 में महज 16 साल की उम्र में लापता हो गए। रिखी राम ने बताया कि वह कामकाज की तलाश में हरियाणा के यमुनानगर गए थे। जहां एक होटल में नौकरी करने लगा। एक दिन होटल कर्मी के साथ अंबाला जाते समय सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में सिर पर चोट लगने से याददाश्त चली गई और उन्हें कुछ याद नहीं रहा। इस हादसे के बाद उनका संपर्क अपने गांव और परिवार से पूरी तरह कट गया।

कोई ऐसा शख्स भी नहीं था, जो उन्हें उसके परिवार तक पहुंचा पाए और न ही दूरसंचार के इतने साधन मौजूद थे कि उसका परिवार उनसे संपर्क कर सके। इस हालत में उनके साथी ने ही उनका नया नाम रवि चौधरी रख दिया और इसी नाम के साथ उन्होंने नई जिंदगी की शुरुआत की। इसके बाद रिखी राम मुंबई चले गए। अब तक भी वह इसी नाम से जिंदगी जी रहे थे। इसके बाद फिर नांदेड़ के एक कॉलेज में नौकरी मिलने पर वहीं बस गए। रिखी राम ने बताया कि वर्ष 1994 में उनकी शादी संतोषी से हुई और आज उनके पास दो बेटियां और एक बेटा है।

रिखी राम की जिंदगी फिल्मी पटकथा से कम नहीं। अपनी जवानी में हरियाणा में एक सड़क हादसे में रिखी राम ने अपनी याददाश्त खो दी। मुंबई में जब रिखी राम को दोबारा चोट लगी तो धीरे-धीरे याददाश्त लौटने लगी। करीब 45 साल के बाद अब घर लौटा आए। इस अवधि में उनके माता-पिता भी स्वर्ग सिधार गए, लेकिन जब परिवार में भाई- बहनों ने उसे अपने बीच पाया तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

कैफे के नंबर के रूप में मिली पहली कामयाबी

रिखी राम ने बताया कि खोज के दौरान सतौन के एक कैफे का नंबर मिला। कैफे से उन्हें नाड़ी गांव के रुद्र प्रकाश का नंबर मिला। रिखी राम ने अपनी पूरी कहानी रुद्र प्रकाश को सुनाई, लेकिन शुरूआत में रुद्र प्रकाश ने इसे किसी तरह की धोखाधड़ी की संभावना मानकर गंभीरता से नहीं लिया और नजरअंदाज किया। सभी पक्षों की पुष्टि होने के बाद रिखी राम अपनी पत्नी और बच्चों के साथ नाड़ी गांव पहुंचा। गांव में उनका स्वागत भाई दुर्गा राम, चंद्र मोहन, चंद्रमणि और बहन कौशल्या देवी, कला देवी, सुमित्रा देवी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने फूल मालाओं और बैंड से किया।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के लंबित 58.75 करोड़ रुपए जारी, डिप्टी सीएम ने आभार व्यक्त किया

ऊना, 19 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) की लंबित 58.75 करोड़ रुपये की राशि जारी कर दी गई है। उपमुख्यमंत्री ने इस महत्वपूर्ण धनराशि को मंजूरी देने पर केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त किया।उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से शिष्टाचार भेंट की। बैठक के दौरान बताया गया कि हिमाचल प्रदेश के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) की लंबित 58.75 करोड़ रुपये की राशि जारी कर दी गई है। उपमुख्यमंत्री ने इस महत्वपूर्ण धनराशि को मंजूरी देने पर केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त किया।अग्निहोत्री ने कहा कि यह राशि काफी समय से लंबित पड़ी थी और प्रदेश सरकार लगातार इसके लिए प्रयासरत थी। केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने पूर्व में आश्वासन दिया था कि धनराशि शीघ्र जारी कर दी जाएगी और अब यह राशि जारी होने से हिमाचल में सिंचाई एवं जल प्रबंधन से जुड़ी परियोजनाओं को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस धनराशि का मिलना कृषि क्षेत्र में चल रही योजन-ाओं को मजबूत करेगा और अधूरे प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाने में बड़ी मदद मिलेगी। केंद्र की यह स्वीकृति प्रदेश सरकार के आग्रह पर त्वरित रूप से प्रदान की गई है। प्रदेश सरकार कृषि, बागवानी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़ाने के लिए मिशन मोड में कार्य कर रही है। खेतों और घरों तक जलापूर्ति सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।

भतीजे की शादी के लिए शिक्षक को नहीं मिली छुट्टी, संघ ने दी धरने की चेतावनी

चुराह (चंबा), 19 नवंबर (एजेंसियां)। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला देवीकोठी के कार्यकारी प्रधानाचार्य पर राजकीय प्राथमिक पाठशाला टेपा के शिक्षक ने भतीजे की शादी समारोह के लिए छुट्टी न देने का आरोप लगाया है। अब शिक्षक के समर्थन में तीसा खंड का प्राथमिक शिक्षक संघ उतर आया है। संघ ने इसे अधिकारों का हनन बताया है और चेतावनी दी कि यदि 10 दिन के भीतर मामले में कार्रवाई नहीं की गई तो वे धरना-प्रदर्शन शुरू कर देंगे।राजकीय प्राथमिक पाठशाला टेपा में कार्यरत एक अध्यापक ने 17 नवंबर को प्रधानाचार्य के पास अवकाश के लिए आवेदन किया। इसमें उन्होंने अपने घर में विवाह समारोह होने के चलते 4 दिसंबर के लिए अर्जित अवकाश मांगा, प्रधानाचार्य ने विधानसभा सत्र चलने का हवाला देते हुए आ-वेदन खारिज कर दिया। यह बात जैसे ही प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों को पता चली तो मामले ने तूल पकड़ लिया। शिक्षक संघ ने इस निर्णय को तर्कहीन और अधिकारों का हनन बताते हुए कड़ी नाराजगी व्यक्त की है।

प्रतिभा सिंह बोलीं- इंदिरा के कारण पाकिस्तान को टेकने पड़े थे घुटने

शिमला, 19 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की राजनीतिक सूझबूझ और परिपक्वता से पाकिस्तान को भारत के आगे घुटने टेकने पड़े थे। हिमाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और उसके विकास में इंदिरा गांधी के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

यह बात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में स्व. इंदिरा गांधी की जयंती पर पार्टी प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने कही। प्रतिभा ने कहा कि देश के नवनिर्माण में इंदिरा का बहुत बड़ा योगदान रहा। लाहौल-स्पीति के लोगों की मांग पर इंदिरा ने ही रोहतांग टनल के निर्माण को मंजूरी दी थी। पंडित नेहरू के बाद इंदिरा को भी प्रदेश से गहरा लगाव रहा।

आज भी गांधी परिवार के सदस्य सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का प्रदेश के प्रति वही स्नेह बना हुआ है।

प्रतिभा ने कहा कि प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री स्व. डॉ. यशवंत सिंह परमार के प्रयासों से हिमाचल को पूर्ण राज्य का दर्जा हासिल हुआ।

उनके बाद प्रदेश के छह बार के मुख्यमंत्री स्व. वीरभद्र सिंह का आधुनिक हिमाचल के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान रहा है।

हिमाचल को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का तत्कालीन जनसंघ (आज की भाजपा) ने विरोध किया था और स्टेटहुड को मारो ठुड का नारा दिया था। भाजपा कभी भी प्रदेश की हितैषी नहीं रही।

कांग्रेस ने हमेशा देश और प्रदेश के विकास को प्राथमिकता दी है और आगे भी देती रहेगी।

प्रतिभा ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे इंदिरा गांधी के दिखाए मार्ग का अनुसरण करते हुए देश की एकता और अखंडता के लिए एकजुट होकर कार्य करें।

इस अवसर पर में महापौर सुरेंद्र चौहान, उप महापौर उमा कौशल, वन निगम के उपाध्यक्ष केहर सिंह खाची, हिमुडा के उपाध्यक्ष यशवंत छाजटा, राज्य सहकारी बैंक के निदेशक हरिकृष्ण हिमराल, महिला कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जैनब चंदेल, युवा कांग्रेस अध्यक्ष छत्तर सिंह, पूर्व विधायक आदर्श सूद सहित पीसीसी के पूर्व पदाधिकारी, शिमला नगर निगम के पार्षद, सेवादल, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस और एनएसयूआई के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने हर कदम पर किसानों का कल्याण सुनिश्चित किया : सीएम भूपेंद्र पटेल

गांधीनगर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि राज्य के किसानों पर हाल ही में आई असाधारण बेमौसम बरसात की विपदा से हुए नुकसान से उन्हें उबारने के लिए इस डबल इंजन सरकार ने बहुत ही तेजी से 10 हजार करोड़ रुपए का उदारतम सहायता पैकेज दिया है। मुख्यमंत्री ने यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुधवार को तमिलनाडु के कोयंबटूर से देश के किसानों के लिए पीएम-किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त जारी करने के अवसर पर गांधीनगर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में कही। इस मौके पर राज्य के किसानों ने प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण देखा। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर देश भर के 9 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में 21वीं किस्त के अंतर्गत 18 हजार करोड़ रुपए की सहायता राशि हस्तांतरित की। इस सहायता के तहत गुजरात के 49.31 लाख से अधिक किसानों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के जरिए 986 करोड़ रुपए मिले।

गांधीनगर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, कृषि मंत्री जीतूभाई वाघाणी और कृषि राज्य मंत्री रमेशभाई कटारा ने पीएम-किसान सम्मान निधि के साथ ही 11.68 लाख रुपए से अधिक के विभिन्न कृषि सहायता के मंजूरी पत्रों का वितरण किया।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। इतना ही नहीं, क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों से निपटने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' और प्राकृतिक कृषि जैसे अभियानों के माध्यम से ग्रीन कवर बढ़ाकर सुरक्षा प्रदान करने का दृष्टिकोण अपनाया है।

सीएम भूपेंद्र पटेल ने विश्वास व्यक्त किया कि रसायन युक्त खेती से बिगड़ रही जमीन और मानव के स्वास्थ्य को बचाने के उपाय के रूप में प्रधानमंत्री ने प्राकृतिक कृषि को अपनाने का जो विचार दिया है, वह भविष्य की पीढ़ी के स्वस्थ एवं तंदुरुस्त जीवन तथा जमीन की उर्वरता बढ़ाने में उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने प्राकृतिक कृषि को भविष्य की खेती करार देते हुए कहा कि इसे अपनाना मौजूदा समय की मांग है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री बीज से लेकर बाजार तक के हर स्तर पर किसान हितकारी निर्णयों के जरिए उनके साथ खड़े हैं।

इस वर्ष के बजट में पीएम धन-धान्य कृषि योजना शुरू करने का कमिटमेंट किया था, जिसे उन्होंने अन्नदाता की चिंता करते हुए 6 वर्षों की अवधि के लिए लागू करके यह सिद्ध किया कि वे जो कहते हैं, वह करते हैं। प्रधानमंत्री की कृषि हितकारी नीति एवं किसानों के प्रति संवेदना के कारण आज गुजरात के लगभग 98 प्रतिशत से अधिक किसानों को दिन में बिजली मिल रही है। किसानों को पर्याप्त पानी व बिजली मिलने के कारण राज्य के कृषि क्षेत्र की तस्वीर समग्रतया बदल गई है तथा किसान समृद्ध हुआ है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा गुजरात में 2005 में अपने मुख्यमंत्रित्व काल में शुरू कराए गए कृषि महोत्सव के तहत राज्य सरकार खुद चलकर किसानों के खेत में जाती है और उन्हें इसकी समझ देती है कि कौन-सी फसल लगानी चाहिए, मूल्यवर्धन करके किस तरह अधिक आय प्राप्त हो सकती है। इससे लैब टू लैंड का दृष्टिकोण भली-भांति साकार हुआ है।

इस अवसर पर कृषि मंत्री जीतूभाई वाघाणी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सदा-सर्वदा किसानों की चिंता की है। राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री तथा देश के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने अनेक कृषि-उन्मुखी पहलें की हैं, जिसे आज राज्य के उदार एवं दृढ़ मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल अच्छी तरह से आगे बढ़ा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा किसानों के लिए मशीनीकरण, फसल संरक्षण, कृषि में नैनो टेक्नोलॉजी तथा आईटी का उपयोग, प्राकृतिक खेती, जीरो बजट खेती, किसानों के लिए उत्पादन बढ़ाने, खर्च घटाने व अधिक बिक्री की व्यवस्थाएं की गई हैं।

उन्होंने कहा कि आज दिन-प्रतिदिन हमारी कृषि भूमि बंजर होती जा रही है, जिसके कारण वर्तमान एवं भावी पीढ़ियां अनेक रोगों का शिकार न बनें, इसके लिए प्राकृतिक कृषि को अपनाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने किसानों को उपकार भाव से नहीं, बल्कि सेवा के भाव से सम्मान देने के लिए वर्ष 2019 से 'पीएम-किसान सम्मान निधि' योजना की समग्र देश में शुरुआत कराई है। इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा पूर्ण पारदर्शिता के फलस्वरूप किसानों के बैंक खातों में पैसा सीधे पहुंच रहा है।

असम के मुख्यमंत्री का दावा, जुबीन गर्ग को शराब पीने के लिए मजबूर किया गया

गुवाहाटी, 19 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को जुबीन गर्ग के निजी जीवन के बारे में एक महत्वपूर्ण दावा करते हुए कहा कि दिवंगत सांस्कृतिक प्रतीक खुद शराब के खिलाफ थे। सरमा ने आरोप लगाया कि गायक के करीबी लोगों ने उसके सरल और भरोसेमंद स्वभाव का फायदा उठाकर उसे जबरन शराब पीने के लिए मजबूर किया। उन्होंने इसे उनकी संपत्ति को गलत तरीके से हड़पने की कथित साजिश का हिस्सा बताया।

मुख्यमंत्री सरमा ने दिवंगत संगीतज्ञ जुबीन गर्ग को उनकी 53वीं जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा युवाओं से मार्मिक अपील की।

मुख्यमंत्री ने इस प्रतिष्ठित गायक की चिरस्थायी विरासत का सम्मान करने की सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया। मुख्यमंत्री सरमा ने युवा पीढ़ी से आग्रह किया कि वे हानिकारक आदतों में लिप्त होने के बजाय सामाजिक भलाई के कार्यों के माध्यम से जुबीन गर्ग के जीवन को याद करें।

उन्होंने कलाकार की भावना के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में रक्तदान और वंचित बच्चों की सहायता जैसी गतिविधियों को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया।

सरमा ने कहा कि इस तरह हम जुबीन गर्ग को हमेशा के लिए जीवित रख सकते हैं। उन्होंने प्रशंसकों के लिए अपने आदर्श को याद रखने के रचनात्मक मार्ग पर प्रकाश डाला।

सीएम के इस नए बयान ने जुबीन गर्ग के अंतिम दिनों से जुड़ी सार्वजनिक बहस में एक नया आयाम जोड़ दिया है। इसने ध्यान का एक हिस्सा उनके करीबी लोगों की कथित भूमिका और इरादों पर केंद्रित कर दिया है।

इस बीच, मामले से जुड़ी कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। राज्य सरकार ने सभी पहलुओं का खुलासा सुनिश्चित करने के लिए गहन और पारदर्शी जांच के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

असम की सबसे प्रतिष्ठित सांस्कृतिक हस्तियों में से एक, जुबीन गर्ग का निधन जनता के बीच गहरी भावनाओं को जगा रहा है, न्याय की व्यापक मांग के साथ-साथ उनके समृद्ध कलात्मक योगदान को संरक्षित करने का प्रयास भी जारी है।

प्रधानमंत्री मोदी सरदार पटेल के विचारों को युगानुकूल दिशा दे रहे हैं : सांसद सुरेश कश्यप

शिमला, 19 नवंबर (एजेंसियां)। देश के पहले गृह मंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में केन्द्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा 25 अक्तूबर से 6 दिसंबर तक पूरे देश में कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में आज शिमला में एक भव्य यूनिटी मार्च आयोजित किया गया, जिसे भाजपा शिमला और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से संपन्न किया गया। यात्रा ढली से रिज मैदान, अम्बेडकर चौक और चौड़ा मैदान तक उत्साहपूर्ण माहौल में निकाली गई, जिसमें युवाओं, एनसीसी-एनएसएस कैडेट्स और छात्रों ने तिरंगे के साथ बड़ी संख्या में भाग लिया। मार्च में मुख्य अतिथि सांसद सुरेश कश्यप का कार्यकर्ताओं और युवाओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और एकता की भावना से सराबोर रहा, जिसने यात्रा को अत्यंत प्रभावशाली और प्रेरणादायक बना दिया। मीडिया से बातचीत में सांसद सुरेश कश्यप ने कहा कि आधुनिक भारत की नींव सरदार पटेल ने अपनी दूरदर्शिता, दृढ़ इच्छाशक्ति और अदम्य साहस से रखी थी। उन्होंने कहा कि आज भारत जब विश्व मंच पर मजबूत नेतृत्व कर रहा है, उसके मूल में वही दृष्टि और आधारशिला है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युगानुकूल दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं। कश्यप ने कहा कि मोदी सरकार ने राष्ट्रीय एकता को सशक्त करने, सीमाओं की सुरक्षा बढ़ाने और वैश्विक मंच पर भारत की साख को ऊँचा उठाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं।सांसद कश्यप ने कहा कि देश का हर नागरिक 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। युवाओं की ऊर्जावान भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि भारत का भविष्य सुरक्षित और मजबूत हाथों में है। उन्होंने कहा कि माय भारत अभियान और यूनिटी मार्च जैसे कार्यक्रम युवाओं में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और सामाजिक उत्त-ारदायित्व की भावना को और सुदृढ़ कर रहे हैं।

यात्रा के दौरान जब हिमाचल प्रदेश के विभिन्न प्रोजेक्ट्स में हिस्सेदारी को लेकर सवाल पूछा गया तो सांसद सुरेश कश्यप ने स्पष्ट कहा कि हिमाचल का जो हक है, वह उसे अवश्य मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तीन राज्य अलग बने थे, तब जनसंख्या के आधार पर हिमाचल का हिस्सा तय हुआ था और प्रदेश को उसका अधिकार मिलना ही चाहिए। उन्होंने दोहराया कि हिमाचल के हितों और अधिकारों की रक्षा करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस विषय पर किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं है।यूनिटी मार्च में भाजपा कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों, युवा मंडलों तथा छात्र-छात्राओं की भारी भागीदारी रही। सभी ने सरदार पटेल को नमन करते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और मजबूती को बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, देशभक्ति और संकल्प से भरा रहा, जिसने सरदार पटेल की 150वीं जयंती को एक स्मरणीय आयोजन बना दिया।

कानपुर और मथुरा-वृंदावन में विरासत, संस्कृति और पर्यटन आधारित विकास मॉडल लागू होगा : सीएम योगी

लखनऊ,19 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन के समग्र नगरीय विकास की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए कहा कि इन नगरों का विकास केवल सड़कों और इमारतों के निर्माण तक सीमित न हो, बल्कि उनका स्वरूप ऐसा बने जिसमें स्थानीय पहचान, इतिहास, संस्कृति और आधुनिक सुविधाओं का संतुलन दिखे। उन्होंने निर्देश दिया कि योजनाएं चरणबद्ध ढंग से लागू हों, कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे किए जाएं और नागरिकों को इसका प्रत्यक्ष लाभ दिखे।मुख्यमंत्री ने मेरठ में प्रस्तावित बिजली बम्बा बाईपास को लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर की तर्ज पर पीपीपी मोड में विकसित करने की संभावना तलाशने के निर्देश दिए। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीनों मंडलों के मंडलायुक्तों ने बारी-बारी से अपनी कार्ययोजना से अवगत कराया। बताया गया कि अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर और प्रयागराज की तर्ज पर अब मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन के लिए भी समेकित विकास मॉडल अपनाया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों से विमर्श और विभागों के बीच समन्वय के आधार पर इन शहरों में कुल 478 परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई है।

इनमें मेरठ में 111, कानपुर में 109 और मथुरा-वृंदावन में 258 परियोजनाओं का विकास प्रस्तावित है। इन परियोजनाओं को अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक श्रेणी में विभाजित कर स्पष्ट समयसीमा तय की गई है। इस दौरान बताया गया कि पहले चरण की कार्ययोजना के रूप में वर्ष 2025-26 में मेरठ में 11, कानपुर में 13 और मथुरा-वृंदावन में 14 प्राथमिक परियोजनाओं पर कार्य किया जाए।

इन परियोजनाओं में यातायात सुधार, चौराहों का पुनर्विकास, मल्टीलेवल पार्किंग, हरित क्षेत्र, सड़क और पेवमेंट सुधार, बिजली लाइनों का भूमिगतकरण, जल प्रबंधन, पर्यटन सुविधाओं का उन्नयन और शहरी सौंदर्यीकरण जैसी जरूरतों को प्राथमिकता दी गई है।

बैठक में बताया गया कि मेरठ में यातायात सुगमता के लिए बिजली बम्बा बाईपास, लिंक रोड, हापुड़ अड्डा से गांधी आश्रम तक चौड़ीकरण, ईस्टर्न कचहरी रोड, सूरजकुंड चौराहा, क़य्यम नगर पार्क, 19 प्रमुख चौराहों पर जंक्शन इम्प्रूवमेंट, संजय वन, शताब्दी नगर एसटीपी से मोहकमपुर औद्योगिक क्षेत्र तक जल पुनर्चक्रण व्यवस्था, स्मार्ट रोड और यूनिवर्सिटी रोड क्षेत्रीय पुनर्विकास जैसी परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। कानपुर के संबंध में बताया गया कि विकास का आधार ''रूटेड इन लेगेसी, राइजिंग टू टुमॉरो'' की अवधारणा होगी। मैनावती मार्ग चौड़ीकरण, मल्टीलेवल पार्किंग, मास्टर प्लान सड़कों का निर्माण, ग्रीन पार्क के आसपास शहरी डिजाइन सुधार, मकसूदाबाद सिटी फॉरेस्ट, बोटैनिकल गार्डन, वीआईपी रोड, रिवरफ्रंट लिंक, ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, मेट्रो विस्तार और ग्रेटर कानपुर के रूप में नए विस्तार क्षेत्र की दृष्टि इस योजना में शामिल है।

मथुरा-वृंदावन के लिए प्रस्तुत मास्टर प्लान के तहत शहर को 'विजन-2030' के रूप में विकसित करने की रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए स्ट्रीट फसाड डेवलपमेंट, मल्टीलेवल पार्किंग, बस पार्किंग, प्रवेश द्वारों का सौंदर्यीकरण, नए मार्गों का निर्माण, बरसाना-गोवर्धन-राधाकुंड कॉरिडोर सुधार, परिक्रमा मार्ग पर सुविधाएं और नगर प्रवेश से धार्मिक स्थलों तक संकेतक एवं प्रकाश व्यवस्था की योजना शामिल है।

सीएम योगी ने कहा कि इन परियोजनाओं के लिए नवाचार, बेहतर प्रबंधन और वित्तीय संयोजन पर ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर निजी क्षेत्र का सहयोग लेने और जहां संभव हो वहां पीपीपी मोड अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास का उद्देश्य ऐसा शहरी ढांचा तैयार करना है जो यातायात को सुगम बनाए, पैदल यात्रियों और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दे, हरे-भरे शहरों की दिशा में आगे बढ़े और स्थानीय पहचान को मजबूत करे। परियोजनाओं के लिए यदि अतिरिक्त बजट की आवश्यकता होगी तो उसे उपलब्ध कराया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा देश में सबसे ज्यादा प्रदूषित, एक्यूआई ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, दिल्ली-एनसीआर का दम घुटा

नोएडा,19 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्थिति पर पहुंच चुका है और हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। ग्रेटर नोएडा देश के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में पहले स्थान पर दर्ज किया गया है। मंगलवार को जहां एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 454 तक पहुंचा था, वहीं बुधवार सुबह नॉलेज पार्क-त स्टेशन पर एक्यूआई बढ़कर 473 तक जा पहुंचा, जो सीजन का सबसे भयावह स्तर है। यह स्तर 'गंभीर श्रेणी' से भी आगे निकल चुका है और स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे जीवन के लिए अत्यंत हानिकारक बता रहे हैं। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद की स्थिति भी कम गंभीर नहीं है। दिल्ली के कई मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई 400 से 450 के बीच रिकॉर्ड किया गया, जबकि नोएडा में सेक्टर-125, सेक्टर-116 और सेक्टर-1 जैसे क्षेत्रों में प्रदूषण का स्तर 430 से 445 के बीच बना हुआ है। गाजियाबाद में संजय नगर और लोनीमें एक्यूआई 440 से ऊपर दर्ज किया गया, जो दिन-प्रतिदिन बढ़ती प्रदूषण की भयावह तस्वीर पेश करता है। ऐसे हालत तब बने हैं जब दिल्ली-एनसीआर में ग्रेप -3 (ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान) के नियम लागू हैं। इस चरण में कंस्ट्रक्शन गतिविधियों पर रोक, जेनरेटर सेट पर प्रतिबंध, डीजल ट्रकों की एंट्री पर नियंत्रण और सड़क पर पानी का छिड़काव जैसे कई सख्त कदम उठाए जाते हैं। बावजूद इसके, प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लग रहा है।

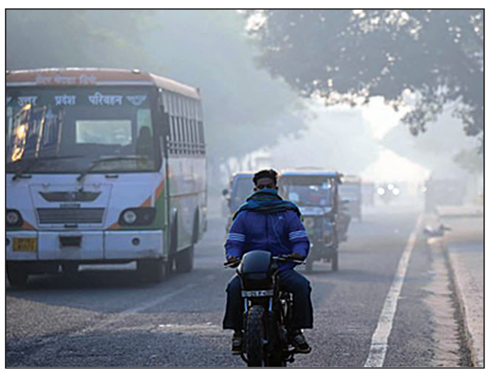

विशेषज्ञों के अनुसार, बढ़ते वाहन, कचरा जलाना, निर्माण कार्य, औद्योगिक धुंआ और पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने जैसी वजहें लगातार हवा की गुणवत्ता को और खराब कर रही हैं। उधर मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह तेज़ हवाओं या बारिश की संभावना नहीं है, वहीं न्यूनतम तापमान लगभग 11 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 26 डिग्री सेल्सियस रहने तथा दिनभर कोहरे की स्थिति बनी रहने से प्रदूषक कण वातावरण में फंसे रहेंगे। इसका मतलब है कि आगामी दिनों में प्रदूषण से राहत की संभावना बेहद कम दिखाई दे रही है।

डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि वर्तमान स्तर की हवा बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और हृदय या श्वास संबंधी रोगियों के लिए अत्यंत खतरनाक है। उन्होंने लोगों को घर के बाहर अनावश्यक न निकलने, मास्क पहनने और सुबह-शाम की सैर टालने की सलाह दी है।

ग्रेटर नोएडा : एसटीएफ ने फर्जी रॉ अधिकारी को किया गिरफ्तार, आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद

ग्रेटर नोएडा,19 नवंबर (एजेंसियां)। नोएडा की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक बड़े धोखेबाज को पकड़ा है, जो खुद को कभी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (आरएडब्ल्यू) का अफसर तो कभी भारतीय सेना का ऑपरेशन अधिकारी बताता था। आरोपी का नाम सुनीत कुमार है और उसे सूरजपुर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। एसटीएफ के मुताबिक, सुनीत कुमार लंबे समय से लोगों को ठग रहा था। वह फर्जी आईडी कार्ड और दस्तावेज दिखाकर खुद को खुफिया अफसर बताता था और इस बहाने कई लोगों से पैसे ऐंठ चुका था। गिरफ्तारी के बाद उसके पास से भारी मात्रा में फर्जी दस्तावेज बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपी के पास से दो फर्जी सरकारी पहचान पत्र, 20 अलग-अलग बैंकों की चेकबुक, आठ डेबिट और क्रेडिट कार्ड, पांच पैन कार्ड, 17 अलग-अलग नामों से बने एग्रीमेंट, दो आधार कार्ड, तीन वोटर आईडी कार्ड और कई अन्य फर्जी कागजात बरामद किए हैं। आरोपी ने अलग-अलग नामों से कई बैंक खाते भी खोल रखे थे।एसटीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुनीत कुमार फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर लोगों को डराता-धमकाता था और बड़े-बड़े वादे करता था। उसकी गतिविधियां इतनी संदिग्ध थीं कि अब यह जांच की जा रही है कि कहीं उसका किसी आतंकवादी या असामाजिक गतिविधि से कोई संबंध तो नहीं है।नोएडा एसटीएफ ने उत्तर प्रदेश एटीएस को गिरफ्तारी की सूचना दे दी है, ताकि जरूरत पड़ने पर मामले को और गहराई से जांचा जा सके।फिलहाल, सूरजपुर थाने में मामला दर्ज कर सुनीत कुमार को जेल भेज दिया गया है। पुलिस

भाजपा में बढ़ा डिप्टी सीएम केशव मौर्य का कद

बीजेपी ने साधे एक तीर से कई निशाने,ऐसे ही नहीं बनाए गए हैं बिहार के पर्यवेक्षक

लखनऊ,19 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का भाजपा में कद और बढ़ गया है। बिहार विधानसभा चुनाव में बतौर सह प्रभारी बेहतर प्रदर्शन करने के बाद उन्हें वहां पर पार्टी विधायक दल का नेता चुनने के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया गया है। बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। वहां अब पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव खातिर केंद्रीय नेतृत्व ने केशव प्रसाद मौर्य को केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया है। पार्टी के केंद्रीय कार्यालय प्रभारी अरुण सिंह की ओर से जारी पत्र के अनुसार केशव मौर्य के साथ ही केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति को सह पर्यवेक्षक बनाया गया है।केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में ही यूपी में 2017 का चुनाव लड़ा गया था। तब वह पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे। उस समय 14 साल बाद भाजपा को सत्ता में वापसी हुई थी। पार्टी ने तीन चौथाई बहुमत के साथ सरकार बनाई थी। उनको महाराष्ट्र विस चुनाव 2019 में भी सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई थी। भाजपा वहां भी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। पश्चिम बंगाल में भी उनको चुनाव प्रबंधन में लगाया गया था।यूपी में भाजपा को पहली बार ओबीसी चेहरे कल्याण सिंह के नेतृत्व में सत्ता हासिल हुई थी। उसके बाद 14 साल बाद 2017 में सरकार बनी तब बतौर प्रदेश अध्यक्ष केशव प्रसाद मौर्य का चेहरा था। पार्टी में यह बात उठती रहती है कि ओबीसी वोट बैंक जरूरी है। पार्टी के पास ओबीसी चेहरे होने चाहिए। हिंदुत्व के ध्रुवीकरण के जवाब में विपक्ष लगातार पीडीए का कार्ड खेल रहा है।इस पीडीए कार्ड से विपक्ष को 2024 के लोकसभा चुनाव में काफी हद तक सफलता भी मिली थी। ऐसे में भाजपा को भी लग रहा है कि किसी तरह पीडीए का तोड़ निकाला जाए। इसी नजरिए से केशव प्रसाद बीजेपी के पास ओबीसी का बड़ा चेहरा है। यूपी के बाद अब पार्टी इसी का लाभ लेने की कोशिश पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर कर रही है।

योगी सरकार ने दी 95 नई परियोजनाओं को मंजूरी

करीब 9 लाख किसानों को मिलेगा फायदा

लखनऊ,19 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में सिंचाई व जल संसाधन सुविधा की बेहतरी खातिर 95 नई परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। 39,453.39 लाख रुपये की लागत वाली इन परियोजनाओं के पूर्ण होने पर 36 हजार हेक्टेयर भूमि में सिंचाई क्षमता पुनर्स्थापित होगी, जिससे लगभग नौ लाख किसानों और ग्रामीण आबादी को लाभ मिलेगा। 273 हेक्टेयर राजकीय भूमि को संरक्षित किया जा सकेगा।अपने सरकारी आवास 5 केडी पर आज बुधवार को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य में नहरी व्यवस्था को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वीकृत कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे हो। गुणवत्ता से समझौता करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिए। उन्होंने सिंचाई विभाग को अनुपयोगी पड़ी भूमि के सर्वेक्षण कर उसका सदुपयोग करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रबंधन से जुड़े कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियां जनवरी माह से प्रारंभ कर दी जाएं। जनप्रतिनिधियों के मार्गदर्शन से विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए। सरकार का लक्ष्य, प्रदेश का कोई भी किसान सिंचाई के अभाव में अपनी फसल प्रभावित न होने पाए।बैठक में अधिकारियों ने बताया कि नहर प्रणाली की कनेक्टिविटी के लिए नहर निर्माण, हेड रेगुलेटर, क्रास रेगुलेटर, साइफन, फाल तथा पक्की संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। स्वीकृति परियोजनाओं में नहरों के अंदर व बाहर सुधार, क्षतिग्रस्त कुलाबों का पुनर्निर्माण, नहरों पर पुल-पुलियों के निर्माण एवं मरम्मत के अलावा नहर पटरियों पर खड़ंजा निर्माण को भी शामिल किया गया है। निरीक्षण व कार्यालय भवनों तथा नहरों पर निर्मित पनचक्कियों के जीर्णोद्धार के साथ ही विभागीय भूमि की सुरक्षा हेतु चहारदीवारी का काम कराया जाएगा। विशेष रूप से पूर्वांचल, तराई, बुंदेलखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों को इनसे बड़ा लाभ मिलेगा।

रिश्वतखोरी से तंग किसान एसडीएम के पैर पकड़कर रोया

बोला- 'अगला पता होगा श्मशान', लेखपाल पर गलत रिपोर्ट का आरोप

लखनऊ/मेरठ,19 नवंबर (एजेंसियां)। मेरठ में प्रशासनिक लापरवाही और रिश्वतखोरी से परेशान एक किसान ने मंगलवार को जमकर हंगामा किया। किसान ने एसडीएम सदर डॉ. दीक्षा जोशी के कोर्ट के बाहर उनके पैर पकड़ लिए और जमीन पर बैठकर रोने लगा। किसान ने धमकी दी कि अगर उसे इंसाफ नहीं मिला, तो उसका अगला पता श्मशान होगा।मामला थाना सरूरपुर के गांव कालीना निवासी किसान राजीव से जुड़ा है।किसान राजीव का उसके पिता रविंद्र सिंह और सत्येंद्र सिंह के बीच चल रहे जमीन बंटवारे के एक पुराने विवाद से संबंधित है। मामला वर्तमान में एसडीएम सदर डॉ. दीक्षा जोशी की कोर्ट में चल रहा था। कोर्ट ने लेखपाल को जमीन की रिपोर्ट पेश करने को कहा था।किसान राजीव ने आरोप लगाया कि लेखपाल सुरेंद्र कुमार ने विपक्षी को फायदा पहुंचाने के लिए गलत और मनमानी रिपोर्ट पेश कर दी है। राजीव ने बताया कि लेखपाल ने इस काम के लिए उनसे 10 हजार रूपये रिश्वत मांगी थी, जिसकी शिकायत उन्होंने पहले भी प्रशासनिक अधिकारियों से की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।जब लेखपाल ने कोर्ट में अपनी रिपोर्ट सबमिट की और कोर्ट ने उसे नियमानुसार पाया, तो किसान राजीव ने हंगामा करना शुरू कर दिया और कोर्ट के बाहर धरने पर बैठ गया। एसडीएम सदर डॉ. दीक्षा जोशी किसान को समझाने आईं, तो राजीव ने उनके पैर पकड़ लिए। डॉ. दीक्षा जोशी ने किसान को पानी पिलाया और उसकी समस्या सुनी।किसान राजीव न्याय की मांग पर अड़ा रहा और उसने एडीएम सिटी बृजेश सिंह से बात करते हुए कहा, मुझे प्रशासनिक अधिकारियों से न्याय नहीं मिल रहा है।

वृंदावन में संतों का आशीर्वाद लेने पहुंचीं सिंगर स्वाति मिश्रा, बाबा बागेश्वर की सनातन पदयात्रा में हुईं शामिल

वाराणसी,19 नवंबर (एजेंसियां)। 'राम आएंगे तो अंगना' गीत से घर-घर फेमस हुईं सिंगर स्वाति मिश्रा शनिवार को वृंदावन में बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन पदयात्रा में शामिल हुईं। सिंगर ने यात्रा का वीडियो अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। सिंगर स्वाति मिश्रा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वो कान्हा की नगरी वृंदावन में दिख रही हैं। सिंगर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन पदयात्रा का हिस्सा बनीं और स्टेज पर साधु संतों से मुलाकात की। वीडियो में स्वाति हार्ट प्रिंटेड साड़ी में दिख रही हैं और बहुत प्यारी लग रही हैं। उन्होंने वीडियो पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, मिलते हैं आज शाम वृंदावन में।

इससे पहले भी स्वाति ने एक वीडियो वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे ये बता रही थीं कि वृंदावन आकर कितनी थक गई हैं। वीडियो में स्वाति कहती है, मेरे पैरों में बहुत दर्द है और आंखें भी सूजी हैं। हम यहां संतों में शादी के कार्ड वितरण करने आए थे, लेकिन मैं बुरी तरीके से थक गई हूं, लेकिन इस थकावट के बीच भी ऐसा लग रहा है कि मैं कितनी भाग्यशाली हूं कि मुझे ऐसे महान संतों से मिलने का मौका मिल रहा है।

आज बाबा बागेश्वर की सतानत धर्म पदयात्रा वृंदावन में है। बीते शुक्रवार को एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और अभिनेता राजपाल यादव को भी देखा गया था, जो खास तौर पर पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से मुलाकात करने पहुंचे थे। उन्होंने मंच से कहा कि वे हिंदू हैं और सनातन धर्म को गर्व से आगे बढ़ाएंगी। उन्होंने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के सामाजिक कार्यों की तारीफ कर कहा कि वे समाज के गरीब वर्ग के लिए बहुत काम कर रहे हैं। वे अन्न-पूर्णा योजना, सामूहिक शादियां और वृद्धाश्रम में बुजुर्ग लोगों की देखभाल करते हैं। अब वे कैंसर अस्पताल खोलने वाले हैं।

पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की हिंदू सनातन धर्म की पदयात्रा 7 नवंबर को छत्तरपुर के कात्यायनी मंदिर से शुरू हुई थी और शनिवार को यात्रा का नौवां दिन है, जब वे वृंदावन में हैं। इस यात्रा का उद्देश्य हिन्दुओं में एकता की भावना पैदा करना और हिंदू धर्म का प्रचार करना है। ये यात्रा दिल्ली और हरियाणा से होकर उत्तर प्रदेश पहुंची है और यही यात्रा का आखिरी पड़ाव है।

जनता के सबसे निकट होते हैं विधायक-महाना

लखनऊ,19 नवंबर (एजेंसियां)। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन कानपुर के अध्यक्ष एसपी सिंह, महासचिव अवनीश मिश्रा एवं अन्य पदाधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल ने भेंट की। प्रतिनिधि मंडल का उद्देश्य यूपी विधानसभा की कार्यप्रणाली, संसदीय परंपराओं तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं के संचालन की प्रक्रियाओं को नजदीक से समझना था।विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए विधायी व्यवस्था की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, विधायक हमेशा जनता के सबसे निकट होते हैं। इसी कारण उनकी जवाबदेही भी अधिक होती है और वे अक्सर आलोचना के केंद्र में आ जाते हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में अन्य संस्थाओं का जनता से प्रत्यक्ष संपर्क कम होता है, जबकि विधायिका सीधे जनता के बीच कार्य करती है। ऐसे में विधायिका के प्रति नकारात्मक सोच लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है।

जब नागरिक इस भव्य और ऐतिहासिक विधानसभा भवन का भ्रमण करते हैं और इसके स्वरूप, इतिहास एवं गरिमा को समझते हैं, तब सदन की वास्तविक महत्ता का अनुभव होता है। सभी को मिलकर विधायिका के प्रति सकारात्मक धारणा विकसित करनी चाहिए। यद्यपि सभी चुनौतियों का तुरंत समाधान संभव नहीं है, परंतु भविष्य में सुधारों की दिशा में निरंतर प्रयास आवश्यक होंगे। मुझे विश्वास है कि 18वीं विधानसभा अपने कार्य, अनुशासन और योगदान के लिए आने वाले समय में विशेष रूप से उल्लेखित की जाएगी। प्रतिनिधि मंडल ने विधानसभा परिसर का भ्रमण किया। विधानसभा स्टाफ ने उन्हें मुख्य सभा कक्ष, समिति कक्ष, सेंट्रल हॉल, प्रेस गैलरी एवं अभिलेखागार की संरचना और उपयोगिता के बारे में जानकारी प्रदान की। प्रतिनिधिमंडल ने प्रश्नकाल, विधेयक निर्माण, समितियों की भूमिका, विधानसभा की दैनिक कार्यप्रणाली से जुड़े विभिन्न पहलुओं को निकट से समझा।

प्रतिनिधि मंडल ने विधानसभा अध्यक्ष के मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह भ्रमण अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरक और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति समझ को और गहरा करने वाला रहा।इस अवसर पर प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप कुमार दुबे समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिव्यांग महागठबंधन का प्रदर्शन, सरकारी विभागों की नियुक्ति पर उठाए सवाल

लखनऊ,19 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा पर दिव्यांगों ने प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि सरकारी विभागों में उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की भर्ती परीक्षा पास करने के बावजूद दिव्यांग होने के कारण उन्हें नौकरी नहीं मिली। दिव्यांगों ने पेंशन, आवास और मेडिकल सुविधाओं की भी मांग उठाई। दिव्यांग महागठबंधन के महासचिव अरविंद सिंह के मुताबिक दिव्यांगों के साथ भर्ती, पुनर्वास और अन्य मूलभूत सुविधाओं में भेदभाव किया जा रहा है। जब तक हमारी मांगे नहीं मानी जाएंगी, हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा।अरविंद सिंह ने स्पष्ट किया कि केवल नौकरी नहीं, पेंशन, आवास और मेडिकल जैसी बुनियादी सुविधाएं भी दिव्यांगों के अधिकारों में शामिल हैं, लेकिन सरकार की ओर से अनदेखी की जा रही है।

टिप्स

कुछ हफ्तों में ही दूर होंगे स्ट्रेच मार्क्स, अपनाएं ये असरदार उपाय

वजन कम करने के बाद कुछ महिलाओं को स्ट्रेच मार्क्स (Stretch Marks) की समस्या झेलनी पड़ती है। यह मार्क्स कई कारणों से हो सकते है। अचानक वजन कम या डिलवरी के बाद वजन कम होने के बाद महिलाओं में यह समस्या देखने को मिलती है। ये शरीर के किसी भी अंग जैसे पेट, हाथ,पैरों की पिंडलियों या जांघ आदि पर हो सकते हैं। इनसे छुटकरा पाने के लिए महिलाएं कई तरह के ट्रीटमेंट और क्रीस का सहारा लेती है लेकिन इनसे स्ट्रेच मार्क्स के निशान दूर नहीं होते है।

अंडा:- स्ट्रेच मार्क्स वाली जगह को अच्छी तरह साफ करके वहां एग

व्हाइट लगा उसे सूखने दें। इसके बाद ठंडे पानी से इसे साफ करके जैतून के तेल से मालिश करें। 2 हफ्ते तक ऐसा करने से स्ट्रेच मार्क्स गायब हो जाएंगे।

आलू का रस:- आलू को लैंड करके उसका जूस निकाल कर स्ट्रेच मार्क्स वाली जगहें पर लगाएं। इसके अलावा आप आलू की मोटी स्लाइस को स्ट्रेच मार्क्स पर रब भी कर सकते है। 3 हफ्ते इसे लगाने से निशान दूर हो जाएंगे।

एलोवेरा: एलोवेरा जेल को 15 मिनट तक स्ट्रेच मार्क्स वाली जगहें पर लगाकर ठंडे पानी से साफ करें। इस नेचुरल तरीके से आपको स्ट्रेच मार्क्स से कुछ हफ्ते में ही छुटकारा मिल जाएगा।

मसाज करना: जैतून, अरंडी, बादाम, नारियल, एवोकाडो और वीट जर्म आयल से 10 मिनट मसाज करने से भी स्ट्रेच मार्क्स गायब हो जाते है। इसके अलावा आप कोकोआ मक्खन और शिया मक्खन से भी मसाज कर सकती है।

धीरे-धीरे वजन कम करना: तेजी से वजन कम करने के कारण भी त्वचा पर स्ट्रेच मार्क्स पड़ जाते है। इसलिए तेजी की बजाए धीरे-धीरे वजन कम करें। इसके अलावा वजन कम करते समय जंक फूड और शुगर से दूर रहें।

बॉडी हाइड्रेट करना: मोटापा कम करते समय शरीर को हाइड्रेट से स्ट्रेच मार्क्स नहीं पड़ते। इसके लिए वजन कम करते समय दिन में 3-4 लीटर पानी, हर्बल चाय, फ्रूट जूस और वेजिटेबल जूस का सेवन करें।

पोशाक को लेकर युवाओं में बढ़ता फैशन का क्रेज

फैशन को लेकर युवा पीढ़ी कुछ ज्यादा ही संजीदा है। वक्त के साथ बदलते फैशन पर यह पीढ़ी न सिर्फ नजर रखती है। समय बदलने के साथ फैशन ट्रेड पर नजर रखना और उसे अपनाने की होड़ में यह सबसे आगे रहते है। जूते परिधान का अहम हिस्सा होते हैं। सही जूतों के बिना स्टाइल स्टेटमेंट अधूरा ही रहता है। हालांकि जूते का सबसे जरुरी काम पैरों को गंदगी और चोट आदि से बचाना है, लेकिन ये सुरक्षा व सहूलियत के अलावा आपके स्टाइल स्टेटमेंट और पूरे पहनावे को पूर्णता प्रदान करते हैं। जूतों के अलग-अगल डिजाइन का प्रयोग अब केवल महिलाएं ही नहीं बल्कि पुरुष भी अलग-अलग डिजाइन के जूतों को प्रयोग अलग-अलग मौकों पर करते हैं।टीवी सीरियल या सिनेमा में कोई भी नया फैशन आया नहीं कि युवाओं को इसे अपनाने में देर नहीं लगती। जाहिर सी बात है कि समाज में अपने आप को बनाये रखने के लिये जमाने के साथ चलना है। इस बात का भी डर है कहीं पिछड़ न जायें। युवक बाइक, कार, कपड़ों के साथ मैचिंग के जूते, चप्पल, हेयर कट, पर्स, हेयर पिन, ज्वैलरी आदि बहुत सी चीजें हैं। जिसे लेकर युवा दीवानगी की हद तक गुजर जाने को तैयार रहते हैं। युवकों में डिजाइनदार और लेटेस्ट स्पोर्ट शू की मांग ज्यादा है। फैशन के हिसाब से मांग बढ़ती और घटती रहती है। लड़के हों या लड़कियां जींस की मांग सबसे ज्यादा है। साथ ही लड़कियों में लेगीज कुर्ती की भी खूब मांग है। अक्सर ऐसा होता है कि बाजार में नये डिजाइन आते ही मांग शुरू हो जाती है।

मौकों के हिसाब से जूतों का चुनाव

यदि मौके के हिसाब से आपका फुटवेयर सुंदर है तो यह आपके स्टाइल और लुक में में चार चांद लगा देगा। यूं तो हर स्टाइल का जूता अपने आप में खास होता है और यह खास किस्म के ड्रेसिंग और अवसर के लिए ही उपयुक्त होता है।

क्यों है सही चुनाव ज़रूरी

कई बार आपको संडे के दिन भी ऑफिशियल काम पर जाना पड़ सकता है, या फिर कोई हाफ-फार्मल-हाफ-कैजुअल वाले इवेंट को भी अटैंड करना पड़ सकता है। तो ऐसे में दुविधा में न पड़ जाते कि फार्मल पहनें या लोफर, या फिर कैजुअल। एक ऐसा वार्डरोब बनाएं जो हर अवसर के लिए आपकी जरूरतों को पूरा करे। ये आपको आखिरी समय की कशमकश से बचाएगा।

फॉर्मल लेदर शूज

फॉर्मल लेदर शूजजब भी टक्सीडो के लिए उपयुक्त जूते की बात आती है तो विकल्प काफी कम नज़र आते हैं। सूट के साथ पहनने वाले जूतों के बनिस्पद आप नहीं चाहेंगे कि आपके शूज़ में अतिरिक्त सिलाई हो। फॉर्मल शूज को फीतों के अलावा पूरी तरह से प्लेन होना चाहिए और वे चमकदार भी होने चाहिए। लेकिन अगर आप पैटेंट लेदर में सहज महसूस नहीं करते हैं तो चमकरहित काले लेदर के जूते भी पहन सकते हैं।

बिजनेस शूज

सूट के साथ जूते पहनने का पहला नियम है कि जूते लेदर के हों, न सिर्फ ऊपरी हिस्सा बल्कि सोल भी। ऐसे जूते न पहनें जिनका ऊपरी हिस्सा लेदर का और सोल भद्दे रबर का। लेदर के जूते की तुलना में ये उतने फार्मल नहीं होते हैं। फीते वाले जूते को पुरुषों के लिए बेस्ट फार्मल माना जाता है।

बिजनेस कैजुअल शूज

जब बात बिजनेस कैजुअल शूज की आती है तो मामला काफी अलग हो जाता है। पिकनिक, फार्मल संडे ब्रंच आदि कई ऐसे मौके होते हैं जहां जींस और ब्लेजर के साथ सेमी फार्मल पहनना पड़ता है। तो अगर आप कैजुअल पैंट, डेनिम या शॉर्ट्स पहनेंगे तो आपका ड्रेस शूज काम नहीं आएगा। तो अगर आप कैजुअल ड्रेस में प्रोफेशनल लुक भी चाहते हैं तो लेदर से बने बूट शूज या लोफर पहन सकते हैं।

सफर के दौरान शूज

सफर के दौरान लोफर को फार्मल जूता बनाया जा सकता है। सफर करने वाले प्रोफेशनल्स के लिए लोफर शूज सबसे अच्छे होते हैं। ये बेहद आरामदेह होते हैं और आप इन शूज को आसानी से खोल और पहन सकते हैं। लोफर शूज जींस और पैंट के साथ भी बेहतरीन लुक देते हैं।

वर्कआउट के हिसाब से शूज

वर्कआउट के समय इसके हिसाब से ही जूते चुनें। जैसे दौड़ने वाले जूते बास्केटबॉल और टेनिस के जूतों से अलग होते हैं। वहीं दौड़ते वक्त ऐसे जूते पहने जो आपके पैरों को सही ग्रिप और घुटनों को सही सपोर्ट दें। हमेशा ऐसे जूते चुनें जिनकी ग्रिप अच्छी हो, वे पैरों में अच्छे से फिट हों और उनका वजन भी अधिक न हो।

आहार

सर्दियों में खाएंगे शकरकंद तो मिलेंगे ढेरों फायदे

सेहत को अच्छा रखने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन करना बहुत जरूरी है। बहुत से लोग फिटनेस के लिए एक्सरसाइज और योग का सहारा लेते हैं लेकिन जब तक अच्छी डाइट को आहार में शामिल नहीं करेंगे कोई फायदा नहीं होगा। सर्दी के मौसम में लोग शक्करकंदी यानि स्वीट पोटैटो खाना बहुत पसंद करते हैं। इसकी चटपटी चाट खाने में जितनी टेस्टी होती है सेहत के लिए भी उतनी ही फायदेमंद भी है। आप शक्करकंदी को उबालकर या भून कर खा सकते है। आइए जानें इसके गुणों के बारे में।

विटामिन का खजाना शकरकंद में

शकरकंद में कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, विटामिन ए, विटामिन बी और विटामिन सी मिलता है। इसकासेवन करने से बहुत-सी समस्याओं से बचा जा सकता है।

बच्चों का शारीरिक विकास

बढ़ते हुए बच्चों के लिए शकदकंदी बहुत जरूरी होती है। अगर बच्चों की ग्रोथ अचानक रुक जाए तो को शकरकंद का सेवन करवाना शुरू कर दें। इससे बच्चों को सारे पोषक ततेव आसानी से मिलेगे और शारीरिक विकास भी अच्छी तरह से होगा।

आंखों की समस्या से छुटकारा

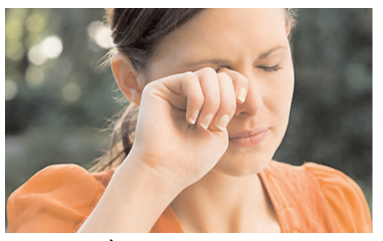

इसमें विटामिन ए की भरपूर मात्र पाई जाती है जो आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। कुछ लोगों को रात के समय कम दिखाई देता है। शक्करकंदी खाने से इस समस्या से राहत मिलती है।

दिल और हड्डियां मजबूत

दिल और हड्डियां मजबूतआजकल लोगों में दिल और हड्डियों की परेशानी आम सुनने को मिल रही है। इसे खाने से हड्डिया मजबूत होती है और दिल की बीमारियों से भी राहत मिलती है।

जीतना है सास का दिल तो अपनाएं ये आसान ट्रिक

सास और बहू के रिश्ते में तकरार और नोक-झोंक के साथ-साथ प्यार भी होता है। इसके बावजूद भी शादी से पहले लड़कियां सोचती है कि किस तरह से सास का दिल जीता जाए। ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं। आज हम आपको शादी के बाद किन आसान तरीकों से आप अपनी सास का दिल आराम से जीत सकती है।

तुलना करना

अपनी सास का दिल जीतने के लिए उनकी तुलना अपना मां से न करें। इसकी बजाए आप अपनी सास को उन्ही की तरह समझने की कोशिश करें।

तारीफ करना

तारीफ सुनना तो हर महिला को पंसद होता है। ऐसे में अपनी सास को थोड़ा सा मक्खन लगा कर आप उन्हें अपनी तरफ कर सकती है।

गिफ्ट देना

अपनी सास को खुश रखने के लिए किसी फंक्शन या विदाउट फंक्शन कोई अच्छा सा गिफ्ट देती रहें। इससे आपकी सास भी आपके प्यार को समझने लगेगी।

बातें शेयर करना

सास को मां की तरह ही समझ कर उनसें हर बात शेयर करने से आपके बीच विश्वास बढ़ेगा और रिश्ता मजबूत होगा। इसके अलावा ससुराल में किसी तरह की समस्या होने पर भी पहले सास के साथ बात करें।

सलाह लेना

कोई भी छोटा-बड़ा फैसला लेने से पहले अपनी सास से सलाह जरूर लें। इससे आप दोनों के रिश्ते में विश्वास के साथ-साथ मजबूती भी आएगी।

मिलकर करें किचन का काम

आजकल की ज्यादातर महिलाएं शादी के बाद भी ऑफिस जाना पंसद करती है। ऐसे में अपनी सास के लिए थोड़ा सा टाइम निकाल कर किचन में हाथ बढ़ाए। इससे आपकी सास खुश हो जाएगी।

सीरियल्स की बाते

अक्सर सास को टीवी सीरियल्स की बात करने के लिए कोई ना कोई चाहिए होता है। ऐसे में आप उनसे सास-बहू सीरियल्स की बात करके उनके और भी करीब आ सकती है।

हर बात मानना

सास की हर छोटी-बड़ी बात मान कर भी आप अपनी सास को खुश कर सकती है। क्योंकि हर सास चाहती है कि उसकी बहू उनकी हर बात को सुनें और मानें।

ऐसे सजाएं अपनी आंखों को

आज कल सभी महिलाएं अपने आप को खूबसूरत देखना चाहती हैं। आंखे चेहरे की खूबसूरती का एक अहम हिस्सा है, आंखों की खूबसूरती से चेहरे पर एक

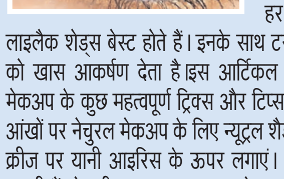

अलग ही निखार आ जाता है और आप अधिक सुन्दर दिखती हैं। अगर आंखों का मेकअप सही ढंग से किया गया है तो चेहरे की खूबसूरती में चार चांद लग जाती है। आंखों के मेकअप के लिए हर मौसम में बेज, गोल्डन और लाइलैक शेड्स बेस्ट होते हैं। इनके साथ टरक्वायज और फूशिया कलर आंखों को खास आकर्षण देता है।इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे आंखों के मेकअप के कुछ महत्वपूर्ण ट्रिक्स और टिप्स-

आंखों पर नेचुरल मेकअप के लिए न्यूट्रल शैडो को प्रयोग करें। इसे आइलिड की क्रीज पर यानी आइरिस के ऊपर लगाएं। अगर कोई अन्य कलर ऐड करना चाहती हैं तो वनीला या लाइट कलर से एक स्ट्रोक दें. अच्छी तरह ब्लेंड करें। दोबारा लिड पर लाइट कलर से स्ट्रोक दें। फिर थोडा डार्क कलर क्रीज लाइन पर लगाएं। अपर और लोअर लैश लाइन पर भी डार्क कलर से कवर दें।

ब्राउन आइलाइनर आंखों के भीतरी कोने से थोडी दूर से शुरू करते हुए बाहरी कोनों से थोडा बाहर तक लगाएं। ताकि आंखें बडी और आकर्षक नजर आएं।

डिफाइनिंग मस्कारा लगाना न भूलें। इसका डबल कोट लगाएं। मस्कारा लगाने से पहले लैश को कर्ल जरूर कर लें।

फैट क्रेयान पेंसिल का इस्तेमाल करें, जो क्रीमी पाउडर टेक्सचर वाली हो। ताकि फैलाने में आसान हो। अपना आई पेंसिल शार्पन करने से पहले फ्रीज कर लें ताकि वह टूटे नहीं।

आंखों के चारों और लाइनर लगा लेने से वे छोटी नजर आती हैं न कि बडी। तो लगाते समय इस बात का ध्यान रखें।

स्मोकी आई लुक मेकअप

स्मोकी आईलुक देने के लिए आंखों में सबसे पहले ब्लैक कलर का काजल और आईलाइनर लगाये। फिर उसके बाद ब्लैक और ब्राउन आईशैडो को एक साथ मिलाकर आईलिड पर लगाएं। अब इसके बाद व्हाइट गोल्ड या कापर कलर से हाईलाइटिंग करें और ऊपर-नीचे की पलकों पर मस्कारा लगाएं।

पिकौक टच आई मेकअप

आंखों को पिकौक टच का लुक देने के लिए आप सबसे पहले मोटा और डार्क काजल और आईलाइनर लगाएं। उसके बाद पर्ल और ग्रीन कलर के आईशैडो को आपस में मिलाकर आईलिड पर लगाएं। आईशैडो को आंखों के चारों तरफ लगाएं यानि काजल के नीचे भी हल्का सा लगाइये। अब इसके बाद ऊपर और नीचे की पलकों में ब्लैक और ग्रीन शेड का मस्कारा एक-एक करके लगाएं। इस तरह आप की आंखे पिकौक टच के साथ आपका खूबसूरती को ऐर बढ़ा देगी।

रेसिपी

क्रिस्पी वेज आमलेट

सामग्री

बेसन: 1 कप, हल्दी: 1/4 टीस्पून
अजवाइन: 1/4 टीस्पून, नमक: स्वादनुसार
पानी: आधा कप, प्याज: 1/2 (बारिक कटा हुआ)
धनियां:2 टेबलस्पून
टमाटर: 1/2 (बारिक कटा हुआ)
अदरक:1 इंच (बारिक कटी हुई)
हरी मिर्च: 1 (कटी हुई)
ऑयल: 5 टीस्पून

विधि

एक बाउल में बेसन, हल्दी, अजवाइन, नमक और पानी डालकर अच्छी तरह ब्लैंड करके 30 मिनट के लिए मेरिनेट होने के लिए रख दें। इसके बाद इसमें प्याज, टमाटर, धनिया, अदरक और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। एक पैन में हल्का सा ऑयल डालकर इसे फैला कर आमलेट की तरह कुक करें। आपका बेज आमलेट बन कर तैयार है। अब आप इसे हरी चटनी के साथ गर्मा-गर्म सर्व करें।

स्प्राउटस् सेन्डविच

सामग्री

8 गेहूं के ब्रेड के स्लाईस, 8 प्याज़ के स्लाईस, 2 स्पून लो-फैट मक्खन, 1 कप उबले मिले-जुले अंकुरित दाने, 2 स्पून तेल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 2 स्पून अदरक-लहसुन पेस्ट, 1 स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 2 स्पून पाव भाजी मसाला, 2 स्पून धनिया-ज़ीरा पाउडर, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 स्पून काला नमक, 1 1/2 कप बारीक कटे हुए टमाटर, नमक स्वादानुसार, 1/2 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू

विधि

स्प्राउटस् मिश्रण के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, प्याज़ डालकर, मध्यम आंच पर 1-2 मिनट या उनके पारदर्शी होने तक भून लें। अदरक-लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डालकर, मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भून लें। पाव भाजी मसाला, धनिया-ज़ीरा पाउडर, हल्दी पाउडर, काला नमक, टमाटर, नमक और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 5 मिनट तक पका लें। अंकुरित दानें और आलू डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। अंकुरित दानें के मिश्रण को 4 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** एक गेहूं के ब्रेड स्लाईस को सूखे समतल जगह पर रखें और अंकुरित दानें के मिश्रण के एक भाग को उपर फैला लें। 2 प्याज़ के स्लाईस रखकर दूसरे ब्रेड स्लाईस से सेन्डविच बना लें। ग्रिलर को गरम करें और सेन्डविच को 1/2 टी-स्पून लो-फैट मक्खन के साथ सेन्डविच दोनो तरफ से के सुनहरा और करारा होने तक ग्रिल कर लें। दोहराकर 3 और सेन्डविचस् बना लें। तुरंत परोसें।

संपादकीय

भौगोलिक साझेदारी

अपनी जमीन पर आत्मनिर्भरता के लिए खड़े हिमाचल ने पुनः केंद्र की आंखें और क्षेत्रीय सहयोग के रास्ते खोलने की भरपूर कोशिश की है। हरियाणा के फरीदाबाद में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक में फिर हिमाचल का नक्शा खुला, तो पंजाब पुनर्गठन के अधिकारों की बात चली, इंसाफ की भाषा से तकरार चली। जिंदा रहने की सांसें उस पानी में हैं, जो हिमाचल की विरासत से निकल कर राष्ट्र के लिए तसदीक होता है। ऐसे में भाषायी आधार पर पंजाब भले ही अपने हिस्सों की इबारत में हरियाणा और हिमाचल के पर्वतीय क्षेत्रों में विभक्त हो गया, मगर जीने का जलचक्र, जलवायु और भौगोलिक मिलनसारी की साझेदारी, संयुक्त पंजाब की बाहों में आज भी एक जरूरत है। इसी का जिक्र करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जब पंजाब पुनर्गठन में हिमाचल के 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी को सामने लाते हैं, तो छह दशक की नाइंसाफी सामने आ जाती है। अंततः जीने-मरने के सवाल पर किसी भी प्रदेश की आरजू यही होगी कि आर्थिक समस्याओं का न्यायपूर्ण हल मिले। यह महज पंजाब को बांटने या हिमाचल को पर्वतीय क्षेत्र सौंपने का अधिकार नहीं था, बल्कि तमाम संपत्तियों में हिमाचल को उसका नेक हक देने का फैसला भी होना चाहिए था। विडंबना यह कि हमने पिछले साठ साल ऊपरी और पंजाब से छिटक कर मिले निचले हिमाचल के बीच राजनीतिक सरहदें बनाने में ही गुजार दिए। हम बोलियों की उलझन में एक हिमाचली भाषा तक पैदा नहीं कर पाए, तो किस स्वाभिमान से पंजाब से 7.19 प्रतिशत के हिसाब से प्रदेश को सशक्त कर पाते। हमारे लिए बीबीएमबी एक विरासत रहा, लेकिन यह पैरवी नहीं हुई कि उससे मुफ्त बिजली की रॉयल्टी में पचास फीसदी अधिकार मिलते। पौंग बांध विस्थापन के दर्द में अगर प्रदेश डूबता, तो इस परियोजना से हासिल आर्थिकी में हमारे विकास के कदम भी आगे बढ़ते। टीहरी बांध परियोजना से निकल कर न्यू टिहरी बस गया, लेकिन पौंग के किनारे हम पुनर्वास के लिए कोई शहर न बसा सके। यह इसलिए कि हमारे हुक्मरानों को आरंभ में पंजाब से आकर मिले हिस्सों को मात्र हिकारत से देखना था या सचिवालय की कुर्सियों में आराम से बैठना था। किसी ने यह नहीं सोचा कि जिस राजधानी चंडीगढ़ में कभी पंजाबी, हरियाणवी और कांगड़ी बोली से सुसज्जित गीतों की स्थापना से शहर के गार्डन गुनगुनाते थे या संग्रहालय में कांगड़ा पेंटिंग्स के चित्र मुस्कराते थे, उनको यह राज्य कैसे भूल सकता था और इसीलिए अगर 7.19 प्रतिशत की पैमाइश होती, तो आज कितने ही सेक्टर हमारी सुविधाओं के केंद्र बन जाते। क्या हमने चंडीगढ़ में हिमाचल पथ परिवहन निगम के डिपो के लिए जगह मांगी या इसी तरह क्षेत्रीय पार्टनरशिप में हाथ बढ़ाए। अंततः बात चिट्टे की हो या धार्मिक पर्यटन की, हिमाचल के साथ हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर व चंडीगढ़ तक एक साझी रणनीति की जरूरत है। अफसोस यह कि चाहकर भी आनंदपुर साहिब-नयनादेवी रोपवे परियोजना को ये दोनों राज्य शुरू नहीं कर पाए। होना तो यह चाहिए कि हिमाचल अपने समीप के राज्यों को कहे कि तुम हमें खेत बताओ, हम तुम्हें पानी देंगे। क्षेत्रीय समझौतों के अडंगों में परिवहन और पर्यटन के मुद्दे ये कि गाहे बगाहे सोशल मीडिया पर आपसी वैमनस्य के नारे गूंजते हैं। आज भी शानन विद्युत परियोजना पर मालिकाना हक और वाटर सैस को लेकर पंजाब सरकार के सियासी अल्फाज उलझते हैं, जबकि क्षेत्रीय सहयोग से चिट्टा, रेत-बजरी और परिवहन माफिया पर नियंत्रण पाया जा सकता है। क्षेत्रीय आर्थिकी में निखार लाने के लिए हिमाचल का पानी, पर्यावरण, जंगल और मानव संसाधन अगर असर रखते हैं, तो क्षेत्रीय उत्पादन की बढ़ती दरों से प्रदेश का उपभोक्ता समाज अपनी प्रति व्यक्ति आय के समर्थन से इसे सम्मान देता है। हिमाचली खरीद की भुजाएं अगर चंडीगढ़, अंबाला, लुधियाना, पठानकोट, होशियारपुर या अमृतसर तक पहुंचती हैं, तो हिमाचल की बेमौसमी सब्जियां, फल और नकदी फसलें पड़ोसी राज्यों में मुनाफा खोजती हैं। अंततः संयुक्त पंजाब के रिश्तों में सदी का आत्मविश्वास व सहयोग जारी रखना होगा।

हरियाणा के फरीदाबाद में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक में फिर हिमाचल का नक्शा खुला, तो पंजाब पुनर्गठन के अधिकारों की बात चली, इंसाफ की भाषा से तकरार चली। जिंदा रहने की सांसें उस पानी में हैं, जो हिमाचल की विरासत से निकल कर राष्ट्र के लिए तसदीक होता है। ऐसे में भाषायी आधार पर पंजाब भले ही अपने हिस्सों की इबारत में हरियाणा और हिमाचल के पर्वतीय क्षेत्रों में विभक्त हो गया, मगर जीने का जलचक्र, जलवायु और भौगोलिक मिलनसारी की साझेदारी, संयुक्त पंजाब की बाहों में आज भी एक जरूरत है। इसी का जिक्र करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जब पंजाब पुनर्गठन में हिमाचल के 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी को सामने लाते हैं, तो छह दशक की नाइंसाफी सामने आ जाती है। अंतत: जीने-मरने के सवाल पर किसी भी प्रदेश की आरजू यही होगी कि आर्थिक समस्याओं का न्यायपूर्ण हल मिले। यह महज पंजाब को बांटने या हिमाचल को पर्वतीय क्षेत्र सौंपने का अधिकार नहीं था, बल्कि तमाम संपत्तियों में हिमाचल को उसका नेक हक देने का फैसला भी होना चाहिए था। विडंबना यह कि हमने पिछले साठ साल ऊपरी और पंजाब से छिटक कर मिले निचले हिमाचल के बीच राजनीतिक सरहदें बनाने में ही गुजार दिए।

कुछ अलग

चिंता का अर्थ

चिंता का अर्थ ही यह है कि बोझ मुझ पर है। पूरा कर पाऊंगा? नहीं, तुम साक्षी हो जाओ। कृष्ण ने गीता में यही बात अर्जुन से कही है कि तू कर्ता मत हो। तू निमित्त–मात्र है, वही करने वाला है। जिसे उसे मारना है, मार लेगा। जिसे नहीं मारना है, नहीं मारेगा। तू बीच में मत आ। तू साक्षी भाव से जो आज्ञा दे, उसे पूरी कर दे। परमात्मा कर्ता है–और हम साक्षी। फिर अहंकार विदा हो गया। न हार अपनी है, न जीत अपनी है। हारे तो वह, जीते तो वह। न पुण्य अपना है, न पाप अपना है। पुण्य भी उसका, पाप भी उसका। सब उस पर छोड़ दिया। निर्भार हो गए। यह निर्भार दशा संन्यास की दशा है। 'जा घट चिंता नागिनी, ता मुख जप निहं होय।' और जब तक चिंता है, तब तक जप नहीं होगा। तब तक कैसे करोगे ध्यान? कैसे करोगे हरि–स्मरण? चिंता बीच–बीच में आ जाएगी। तुम किसी तरह हरि की तरफ मन ले जाओगे, चिंता खींच–खींच संसार में ले आएगी। तुमने देखा न कि जब कोई चिंता तुम्हारे मन में होती है, तब बिल्कुल प्रार्थना नहीं कर पाते। बैठते हो, राम–राम जपते हो और भीतर चिंता का पाठ चलता है। चिंता और प्रभु–चिंतन साथ–साथ नहीं हो सकते। व्यर्थ का कूड़ा–कचरा तुम्हारे मन को घेरे रहता है। तो उस कूड़े–कचरे में तुम परमात्मा को बुला भी न सकोगे। ॥ जा घट चिंता नागिनी ता मुख जप निहं होय ॥। जो टुक आवै याद भी, उन्हीं जाय फिर खोय ॥। और कभी क्षणभर को–टुक–जरा सी याद भी परमात्मा की आती है खिसक–खिसक जाती है। फिर मन संसार में चला जाता है। फिर सोचने लगता है कि ऐसा करूं, वैसा करूं? क्या करूं, क्या न करूं? ऐसा होगा––नहीं होगा? इतना ही नहीं, मन इतना पागल है कि अतीत के संबंध में भी सोचता है कि ऐसा क्यों न किया? ऐसा क्यों कर लिया? अब अतीत तो गया हाथ के बाहर। अब कुछ किया भी नहीं जा सकता। किए को अन किया नहीं किया जा सकता।

जलवायु परिवर्तन सम्मेलन कॉप-30 के लिए पेड़ों का काटा जाना

ब्राजील जलवायु सम्मेलन के लिए पेड़ों पर कुल्हाड़ी

प्रमोद भार्गव

जलवायु सम्मेलन के बहाने अमेजन के वर्षावन के करीब एक लाख पेड़ों को काटे जाने का सिलसिला जारी है। काटे जा रहे इन पेड़ों की सबसे ज्यादा खपत अमेरिका और यूरोप में होती है। बेलेम के इन वनों को 'दुनिया के फेफड़े' कहा जाता है। ये जंगल कार्बनडाइऑक्साइड को साफ कर सर्वाधिक ऑक्सीजन दुनिया की मानव आबादी को देते हैं। 8 मील के क्षेत्र में इन पेड़ों को इसलिए काटा गया है, जिससे सम्मेलन में आने वाले 50,000 नेता, पर्यावरणविद एवं जलवायु कार्यकर्ताओं को लाने-ले जाने की सुविधा मिल सके। यानी जो लोग जलवायु संरक्षण के उपायों पर वार्तालाप हेतु एकत्रित हो रहे हैं, उन्हें पेड़ काटकर सुविधाजनक मार्ग बनाया गया है। जो लोग जलवायु बदलाव पर अंकुश के उपायों पर क्या बात करेंगे जो खुद ही जंगल के विनाश का पर्याय बन रहे हैं। इस सिलसिले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ठीक ही कहा है कि 'पर्यावरणवादियों के लिए अमेजन के जंगल को उजाड़ दिया, यह बहुत बड़ा घोटाला है।'

ब्राजील के बेलेम में 10 से 21 नवंबर तक संयुक्त राष्ट्र का जलवायु परिवर्तन सम्मेलन कॉप-30 चल रहा है। इसका मुख्य विषय उष्णकटिबंधीय वनों को बचाने का लक्ष्य निर्धारित है। परंतु यहां विरोधाभासी दृष्टिकोण देखने में आया, जो इस सम्मेलन की उपलब्धियों के पाखंड को बताता है। बेलेम में रोजाना 50 हजार पेड़ों पर निर्ममता से कुल्हाड़ी चलाई जा रही है। जलवायु सम्मेलन के बहाने अमेजन के वर्षावन के करीब एक लाख पेड़ों को काटे जाने का सिलसिला जारी है। काटे जा रहे इन पेड़ों की सबसे ज्यादा खपत अमेरिका और यूरोप में होती है। बेलेम के इन वनों को 'दुनिया के फेफड़े' कहा जाता है। ये जंगल कार्बनडाइऑक्साइड को साफ कर सर्वाधिक ऑक्सीजन दुनिया की मानव आबादी को देते हैं। 8 मील के क्षेत्र में इन पेड़ों को इसलिए काटा गया है, जिससे सम्मेलन में आने वाले 50,000 नेता, पर्यावरणविद एवं जलवायु कार्यकर्ताओं को लाने-ले जाने की सुविधा मिल सके। यानी जो लोग जलवायु संरक्षण के उपायों पर वार्तालाप हेतु एकत्रित हो रहे हैं, उन्हें पेड़ काटकर सुविधाजनक मार्ग बनाया गया है। जो लोग जलवायु बदलाव पर अंकुश के उपायों पर क्या बात करेंगे जो खुद ही जंगल के विनाश का पर्याय बन रहे हैं। इस सिलसिले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ठीक ही कहा है कि 'पर्यावरणवादियों के लिए अमेजन के जंगल को उजाड़ दिया, यह बहुत बड़ा घोटाला है।' किंतु यहां भी विरोधाभास है कि इस घोटाले के लिए जो पेड़ काटे गए हैं, उनका अमेरिका भी बड़ा खरीददार है। पेड़ों की अस्मिता पर ही मनुष्य व अन्य प्राणियों का जीवन टिका हुआ है। गोया, पेड़ एक ऐसी प्राकृतिक संपदा है, जिसका यदि विनाश होता है तो मनुष्य का सुखद जीवन भी संभव नहीं रह जाएगा। जब से मानव सभ्यता के विकास का क्रम शुरू हुआ है, तब से लेकर अब तक वृक्षों की संख्या में 46 प्रतिशत की कमी आई है। पेड़ों की गिनती के अब तक के सबसे समग्र वैश्विक अभियान में दुनिया भर के वैज्ञानिक समूहों ने यह निष्कर्ष निकाला है। इस अध्ययन का आकलन है कि विश्व में तीन लाख करोड़ वृक्ष हैं। यानी मोटे तौर पर प्रति व्यक्ति 422 पेड़ हैं। हालांकि यह आंकड़ा पूर्व में आकलित अनुमानों से साढ़े सात गुना ज्यादा बताया गया है। दरअसल पूर्व के वैश्विक आकलनों ने तय किया था कि दुनिया भर में महज 400 अरब पेड़ लहरा रहे हैं। मसलन प्रति व्यक्ति पेड़ों की संख्या 61 है। यह आकलन व्यक्ति आधारित था, इसलिए इसकी प्रामाणिकता पर संदेह था। दरअसल दुनिया में अभी भी ऐसे दुर्गम स्थलों पर जंगलों का विस्तार है, जहां सर्वेक्षण में लगे मानव-समूहों का पहुंचना और पहुंचकर सर्वे करना आसान नहीं है। क्योंकि इन जंगलों में एक तो अभी भी रास्ते नहीं हैं, दूसरे, खतरनाक वन्य-जीवों

की मौजूदगी है। जलवायु सम्मेलन में प्रतिनिधियों की पहुंच आसान बनाने के लिए पेड़ों का काटकर रास्ता बनाया गया है, वह सम्मेलन के बाद भी आसान आवागमन के चलते जंगल के विनाश का कारण बना रहेगा। पेड़ों की यह गिनती उपग्रह द्वारा ली गई छवियों के माध्यम से की गई थी। इस गणना को तकनीक की भाषा में 'सेटेलाइट इमेजरी' कहते हैं। इस तकनीक से पूरा सर्वे वन-प्रांतों में लिया गया है। इसमें जमीनी स्तर पर कोई आंकड़े नहीं जुटाए गए हैं। इस अध्ययन की विस्तृत रिपोर्ट प्रतिष्ठित जनरल 'नेचर' में छपी है। रिपोर्ट के मुताबिक पेड़ों की उच्च सघनता रूस, स्कैंडीनेशिया और उत्तरी अमेरिका के उप आर्कटिक क्षेत्रों में पाई गई है। इन घने वनों में दुनिया के 24 फीसदी पेड़ हैं। पृथ्वी पर विद्यमान 43 प्रतिशत, यानी करीब 1.4 लाख करोड़ पेड़ उष्ण कटिबंधीय और उपोष्ण कटिबंधीय वनों में हैं। इन वनों का चिंताजनक पहलू यह भी है कि वनों या पेड़ों की घटती दर भी इन्हीं जंगलों में सबसे ज्यादा है। 22 फीसदी पेड़ शीतोष्ण क्षेत्रों में हैं। इस अध्ययन की प्रामाणिकता इसलिए असंदिग्ध है, क्योंकि इस सामूहिक अध्ययन को बेहद गंभीरता से किया गया है। इस हेतु 15 देशों के वैज्ञानिक समूह बने। इन समूहों ने उपग्रह चित्रों के माध्यम से वन क्षेत्र का आकलन प्रति वर्ग किलोमीटर में मौजूद पेड़ों की संख्या का मानचित्रीकरण में सुपर कंप्युटर तकनीक का इस्तेमाल करके किया है। इस गिनती में दुनिया के सभी सघन वनों की संख्या 4 लाख से भी अधिक है। दुनिया के ज्यादातर राष्ट्रीय वन क्षेत्रों में हुए अध्ययनों को भी तुलना के लिए जगह दी गई। उपग्रह चित्रों के इस्तेमाल से पेड़ों के आकलन के साथ स्थानीय जलवायु, भौगोलिक स्थिति, पेड़-पौधे, मिट्टी की दशाओं पर मानव के प्रभाव को भी आधार बनाया गया। इससे जो निष्कर्ष निकले, उनसे तय हुआ कि मानवीय हलचल और उसके जंगलों में हस्तक्षेप से पेड़ों की संख्या में गिरावट की दर से सीधा संबंध है। जिन वन-क्षेत्रों में मनुष्य की आबादी बढ़ी है, उन क्षेत्रों में पेड़ों का घनत्व तेजी से घटा है। वनों की कटाई, भूमि के उपयोग में बदलाव वन प्रबंधन और मानवीय गतिविधियों के चलते हर साल दुनिया में 15 अरब पेड़ कम हो रहे हैं। जिस तरह से भारत समेत पूरी दुनिया में अनियंत्रित औद्योगीकरण, शहरीकरण और बड़े बांध एवं चार व छह पंक्तियों के राजमर्गों की संरचनाएं धरातल पर उतारी जा रही हैं, उससे भी जंगल खत्म हो रहे हैं। विकास के नाम पर जंगलों के सफाए में तेजी भूमंडलीय आर्थिक उदारवाद के बाद आई है। पिछले 15 साल में ब्राजील में 17 हजार, म्यांमार में 8, इंडोनेशिया में 12, मेक्सिको में 7, कोलंबिया में 6.5, जैरे में 4 और भारत में 4 हजार प्रति वर्ग किलोमीटर के हिसाब से वनों का विनाश हो रहा है। यानी एक साल में 170 लाख हेक्टेयर की गति से वन लुप्त हो रहे हैं। यदि वनों के विनाश की यही रफ्तार रही तो जंगलों को 4 से 8 प्रतिशत क्षेत्र, सन 2030 तक विलुप्त हो जाएंगे। 2040 तक 17 से 35 प्रतिशत सघन वन मिट जाएंगे। इस समय तक इतनी विकराल स्थिति उत्पन्न हो जाएगी कि 20 से 75 की संख्या में दुर्लभ पेड़ों की प्रजातियां प्रति दिन नष्ट होने लग जाएंगी। नतीजतन आगामी 15 सालों में 15 प्रतिशत वृक्षों की प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। इनकी विलुप्ति का असर फसलों पर भी पड़ेगा। वृक्षों का संरक्षण इसलिए जरूरी हैं, क्योंकि वृक्ष जीव-जगत के लिए जीवन-तत्वों का सृजन करते हैं। वायु-प्रदूषण, जल-प्रदूषण, भू-क्षरण न हो, पेड़ों की अधिकता से ही संभव है। वर्षा चक्र की नियमित निरंतरता पेड़ों पर ही निर्भर है। पेड़ मनुष्य जीवन के लिए कितने उपयोगी हैं, इसका वैज्ञानिक आकलन भारतीय अनुसंधान परिषद् ने किया है। इस आकलन के अनुसार, उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में पर्यावरण के लिहाज से एक हेक्टेयर क्षेत्र के वन से 1.41 लाख रुपए का लाभ होता है। इसके साथ ही 50 साल में एक वृक्ष 15.70 लाख की लागत का प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष लाभ देता है। पेड़ लगभग 3 लाख रुपए मूल्य की भूमि की नमी बनाए रखता है। 2.5 लाख रूपए मूल्य की ऑक्सीजन, 2 लाख रुपए मूल्य के बराबर प्रोटीनों का संरक्षण करता है। वृक्ष की अन्य उपयोगिता में 5 लाख रुपए मूल्य के समतुल्य वायु व जल प्रदूषण नियंत्रण और 2.5 लाख रुपए मूल्य के बराबर की भागीदारी पक्षियों, जीव-जंतुओं व कीट-पतंगों को आश्रय-स्थल उपलब्ध कराने के रूप में करता है। वृक्षों की इन्हीं मूल्यवान उपयोगिताओं को ध्यान में रखकर हमारे ऋषि-मुनियों ने इन्हें देव तुल्य माना और इनके महत्व को पूजा से जोड़कर संरक्षण के अनूठे व दीर्घकालिक उपाय किए। इसलिए भारतीय जनजीवन का प्रकृति से गहरा आत्मीय संबंध है। लेकिन आधुनिक विकास और पैसा कमाने की होड़ ने संरक्षण के इन कीमती उपायों का लगभग ठुकरा दिया है।

देश दुनिया से

स्वतंत्रता सेनानी व साहित्य शिल्पी यशपाल

यशपाल एक महान् स्वतंत्रता सेनानी व साहित्यकार के रूप में प्रसिद्ध हैं। विभिन्न भिन्नताओं के बावजूद वे प्रेमचंद की परंपरा को आगे ले जाने वाले एक प्रसिद्ध साहित्यकार हैं। वे एक ऐसे कथाकार हैं जिनको लेकर अनेकानेक बहसें रही हैं। वे कांग्रेस व समाजसेवी विचारधारा के थे। अपनी कथाकृतियों और निबंधों में मानव इतिहास और जीवन-सम्मत प्रगतिशील व्याख्या प्रस्तुत करने की पर्याप्त कोशिश की है। कथा-साहित्य के इतिहास में यशपाल जैसा दूसरा कोई नहीं दिखता। साहित्यकार यशपाल का जन्म 3 दिसंबर 1903 को हमीरपुर जिला, हिमाचल प्रदेश के गांव भूंपल रंघाड़ के परिवार में हुआ। उनके पिता हीरा लाल गांव में छोटी सी दुकान करते थे। इनकी माता प्रेमी देवी लाहौर के एक अनाथालय में सेवारत हुई और यशपाल का जन्म फिरोजपुर छावनी शहर में हुआ। उनकी प्रारम्भिक शिक्षा लाहौर तथा फिरोजपुर छावनी में हुई और उन्होंने मनोहर लाल हाई स्कूल फिरोजपुर से मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला में प्रथम रहे। तत्पश्चात लाला लाजपत राय द्वारा स्थापित नेशनल कॉलेज लाहौर में प्रवेश लिया। यहीं पर भगत सिंह, सुखदेव, इन्द्रपाल आदि से भेंट हुई और अगली स्वतंत्रता आंदोलन की यात्रा में शामिल हुए। यशपाल हिन्दी के अपनी तरह के इकलौते साहित्यकार हैं, जो रचनाकर्म में प्रवृत्त होने से पहले क्रांतिकारी आंदोलन से जुड़े रहे। उस क्रांतिकारी आंदोलन से, जिसका लक्ष्य साम्राज्यवादी दासता के साथ-साथ हर तरह की दासता को उखाड़ फेंकना था। जिसमें भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चन्द्रशेखर आजाद, भगवतीचरण बोहरा, इन्द्रपाल जैसे कई क्रांतिकारी शामिल थे, वे सब देश-दुनिया की विविध समस्याओं को लेकर नए-नए ढंग से सोचने-विचारने वाले युवक थे, वे अपने चिन्तन को कार्यरूप देने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहे। साम्राज्यवादी दाव-पेंच तथा उसके देसी आधारों के साथ वे समझौताहीन संघर्ष के पक्ष में थे। अपने क्रांतिकारी साथियों एवं कार्यक्रमों के बीच ही यशपाल के जीवन संघर्ष की कहानी प्रारम्भ होती है। अपने उस दौर के अनुभवों को आगे चलकर यशपाल ने लेखन का विषय भी बनाया है। वे उस क्रांतिकारी दल के भीतर एक ऐसे युवक के रूप में थे जिनके अंदर पढने-लिखने की प्रवृत्ति थी, साहित्य के प्रति झुकाव था और प्रवृत्ति भगत सिंह और भगवतीचरण बोहरा में भी थी। अपने स्कूली दिनों में ही उन्होंने लिखना शुरू कर दिया था। मैट्रिक पास करने के बाद लाला लाजपत राय द्वारा स्थापित नेशनल कॉलेज में आगे की पढ़ाई के लिए दाखिला लिया। यहीं उनकी भेंट भगत सिंह, सुखदेव, भगवतीचरण

साहित्यकार यशपाल का जन्म 3 दिसंबर 1903 को हमीरपुर जिला, हिमाचल प्रदेश के गांव भूंपल रंघाड़ के परिवार में हुआ। उनके पिता हीरा लाल गांव में छोटी सी दुकान करते थे। इनकी माता प्रेमी देवी लाहौर के एक अनाथालय में सेवारत हुई और यशपाल का जन्म फिरोजपुर छावनी शहर में हुआ। उनकी प्रारम्भिक शिक्षा लाहौर तथा फिरोजपुर छावनी में हुई और उन्होंने मनोहर लाल हाई स्कूल फिरोजपुर से मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला में प्रथम रहे। तत्पश्चात लाला लाजपत राय द्वारा स्थापित नेशनल कॉलेज लाहौर में प्रवेश लिया। यहीं पर भगत सिंह, सुखदेव, इन्द्रपाल आदि से भेंट हुई और अगली स्वतंत्रता आंदोलन की यात्रा में शामिल हुए।

बोहरा और इन्द्रपाल से हुई। प्रसिद्ध नाटककार और उपन्यासकार उदयशंकर भट्ट उनके हिन्दी के अध्यापक थे। साहित्यकार होने के चलते उदयशंकर भट्ट ने यशपाल की साहित्यिक प्रतिभा को पहचानते हुए उन्हें प्रोत्साहन के साथ-साथ प्रकाशन की प्रेरणा भी दी। बरेली से प्रकाशित होने वाली मासिक पत्रिका भ्रमर में उनकी एक कहानी प्रकाशित कराई। यही वह समय था जब यशपाल कानपुर से प्रकाशित 'प्रताप' और मासिक 'प्रभा' के करीब आए। उनके संपादक गणेश शंकर विद्यार्थी और बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' थे। वे दोनों पत्र राष्ट्रीय भावनाओं के प्रकाशन की पहचान के पत्र थे। यशपाल की सक्रियता के दो क्षेत्र आरंभ से ही थे। एक क्षेत्र स्वतंत्रता प्राप्ति, दूसरा साहित्य-सृजन का। दोनों ही क्षेत्र सृजनात्मक थे। मानव-मुक्ति के संकल्पों से प्रेरित थे। फरारी और जेल-जीवन (1938) से मुक्ति के बाद क्रांतिकारी भावनाओं से लैस साहित्यिक-सृजन को ही यशपाल ने अपना मुख्य लक्ष्य बना लिया था। यशपाल और अन्य कई रचनाकार 'घटबढ़' मानकों के शिकार होते रहे हैं। आज हमारे समक्ष जैनेन्द्र, अज्ञेय और यशपाल के समग्र साहित्य हैं और उन पर समय-समय पर की गई टिप्पणियां भी। सबको खुले मन से पढ़-समझकर बातचीत करने की जरूरत है। यशपाल की छवि एक मूर्तिपूजक की नहीं, मूर्तिभंजक की है। मानव विरोधी परिस्थितियों, प्रतीकों, मुहावरों, प्रचलनों, मान्यताओं व अन्य तमाम तरह की जकडनों के विरुद्ध प्रतिकार का एक अमिट संदेश है। यशपाल का व्यक्तित्व और कृतित्व, स्वतंत्रता-संग्राम की क्रांतिकारी धरा के इतिहास को याद करना है और आज के दौर में यह ज्यादा जरूरी है। वे जिस साम्राज्यवादी-पूंजीवादी वर्चस्व के खिलाफ संघर्षरत थे, वह वर्चस्व पुन-पुनः काबिज है नए रंग-ढंग में, जो ज्यादा खतरनाक है। वे जिन मानवीय मूल्यों के पक्ष में जीवन-भर लिखते रहे, वे मूल्य इस भू-मंडलीयकरण वाले दौर में ज्यादा संकट में हैं। यशपाल की जो छवि है मूर्तिभंजक की, उसके भीतर नवीन मूल्यों की सर्जना की तड़प काम करती है। इसको 'ज्ञानदान' और 'करवा का व्रत', परदा', 'हलाल का टुकड़ा' जैसी कहानियों में अच्छी तरह देखा जा सकता है। यशपाल ऐसे आघात में, जिसे हम वस्तुसंगत प्रतिकार भी कह सकते हैं। यह उनकी कई रचनाओं में है। पुराने व अमानवीय किस्म के रवैयों पर बहुत ही व्यावहारिक व मानवीय आघात करते हैं। आभिजात्य मान्यताओं और सौंदर्यबोध पर भी वे प्रहार करते हैं। उनमें घटनाओं का बाहुल्य नहीं होता। परिस्थितियों का टकराहट में एक मोड़ ऐसा आता है जहां से बातें बदलने लगती हैं। यहां वे एक समाज-वैज्ञानिक के साथ-साथ सुलझे हुए मनोवैज्ञानिक की भूमिका में होते हैं। इस बदलाव को पाने व रचने के लिए कल्पना का सहारा लेने में वे संकोच नहीं करते। यशपाल 2 मार्च, 1938 को जेल से रिहा किए गए। यह समय उनके लिए बेहद कठिन था। क्रांतिकारी संगठन एक तरह से बिखर ही चुका था। 23 जनवरी, 1932 को उन्हें बंदी बनाया गया। जेल में रहते हुए भी यशपाल ने कई कहानियां लिखीं। उनकी सन-1934 से सन-1938 के बीच लिखी कहानियों को जेल से मुक्त होने के बाद सन-1939 में स्वयं यशपाल ने ही प्रकाशित किया था। उनकी उपलब्धियां और गाथा लंबी है। बहरहाल उन्हें नमन। 26 दिसंबर, 1976 को लखनऊ में इस महान साहित्यकार ने संसार से विदा ली।

आप का नजरिया

न्यायसंगत आरक्षण

हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई द्वारा अनुसूचित जाति आरक्षण के लिए क्रीमी लेयर सिद्धांत का समर्थन करने से एक महत्वपूर्ण तार्किक चर्चा फिर से प्रारंभ हो गई है। जिसका मकसद है कि कैसे सकारात्मक पहल करके आरक्षण के उद्देश्य को अधिक न्यायसंगत, लक्षित और प्रभावी बनाया जा सकता है। वास्तव में उनकी पहल का मकसद संवैधानिक सुरक्षा को कमजोर करने का नहीं है। बल्कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें वास्तव में इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। यानी कि अनुसूचित जाति समुदाय के सबसे गरीब, सामाजिक रूप से सबसे अधिक वंचित और आरक्षण के लाभ में सबसे कम प्रतिनिधित्व करने वाले वर्ग को लाभ पहुंचाने का मकसद पूरा करना। बहुत संभव है कि मुख्य न्यायाधीश के इस विचार से असहमति के तर्क दिये जाएं। वास्तव में, देश में दशकों से आरक्षण की बहस कोटा बढ़ाने पर केंद्रित रही है, लेकिन उनके न्यायसंगत वितरण की दिशा में पर्याप्त पहल नहीं हो पायी है। निर्विवाद रूप से अनुसूचित जाति समुदाय के एक छोटे, अपेक्षाकृत बेहतर आर्थिक-सामाजिक स्थिति वाले वर्ग ने ही बार-बार शिक्षा और सरकारी रोजगार के अवसरों का लाभ उठाया है। वहीं दूसरी ओर पीढ़ी दर पीढ़ी अभावों के भंवर-जाल में फंसे परिवार- मसलन श्रमिक, सफाई कर्मचारी, भूमिहीन मजदूर परिवार लगातार हाशिये पर ही बने हुए हैं। यदि आरक्षण का मूल उद्देश्य संरचनात्मक असंतुलन को ही ठीक करना है तो इसके लाभ सीमित दायरे के लोगों को ही नहीं मिलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ओबीसी वर्ग के लिये यह प्रावधान सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। इसमें दो राय नहीं कि क्रीमी लेयर का सिद्धांत आरक्षण लाभ में इस तरह के एकाधिकार को रोकने का एक सशक्त साधन है। इस प्रावधान का वंचित अनुसूचित जातियों तक विस्तार करना एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करता है कि सामाजिक गतिशीलता, हालांकि सीमित स्तर पर कुछ ही लोगों के लिये संभव हुई है। साथ ही अवसरों के अधिक न्यायसंगत वितरण को सुनिश्चित करने के लिये नीति को अनुकूलित किया जाना वक्त की जरूरत है। वास्तव में वर्तमान स्थिति आरक्षण के न्यायसंगत लाभ वंचित वर्ग तक पहुंचाने में तार्किक नजर नहीं आती। जब किसी आईएएस अधिकारी या वरिष्ठ अधिकारी का बच्चा सामाजिक रूप से हाशिये पर गए वर्ग के किसी व्यक्ति के मुकाबले समान लाभों का दावा करना जारी रखता है तो इससे लक्षित उद्देश्य कमजोर हो जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्रीमी लेयर को बाहर करने पर उनके जातिगत भेदभाव होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन यह केवल यही दर्शाता है कि किसी भी ऐतिहासिक रूप से उत्पीड़ित समूह के भीतर, वंचितता की स्थिति अलग-अलग होती है। ऐसी अवस्था में, सबसे निचले स्तर के लोग राज्य के संरक्षण पाने के लिये प्राथमिकता के हकदार हैं। निश्चित रूप से स्पष्ट मानदंड, सामाजिक पिछड़ेपन का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने और दुरुपयोग को रोकने के लिये कारगर सुरक्षा उपाय होने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की टिप्पणी इस बात की ही परिचायक है कि सामाजिक न्याय का विस्तार होना चाहिए। अनुसूचित जातियों के आरक्षण से क्रीमी लेयर को सोच-समझकर बाहर करने से समानता के संवैधानिक वायदे की पुष्टि हो सकती है। इस पहल के विरोध में यह तर्क दिया जा सकता है यदि अनुसूचित जाति वर्ग के आरक्षण के उपवर्गीकरण को मान्यता दी जाती है, तो पहले इससे लाभान्वित लोगों को सुरक्षा कवच न मिल सकेगा। उनका तर्क हो सकता है कि कई बार आरक्षित वर्ग के किसी व्यक्ति को उच्च पद पर पहुंच जाने के बावजूद किसी भेदभाव व उपेक्षा का सामना करना पड़ सकता है। निस्संदेह, इस कथन की तार्किकता विचारणीय है। लेकिन इसका एक निष्कर्ष यह भी हो सकता है कि सामाजिक विसंगति और आर्थिक विषमता दूर करने का एकमात्र साधन आरक्षण ही नहीं हो सकता है। यहां यह भी विचारणीय होना चाहिए कि कई पीढ़ियों से आरक्षण लाभ पा चुके लोग, स्वेच्छा से उसका परित्याग करें तो इस दिशा में धनात्मक वातावरण बन सकता है। निश्चित रूप से ऐसे कदमों से मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की सकारात्मक पहल को संबल मिल सकेगा।

वास्तव में, देश में दशकों से आरक्षण की बहस कोटा बढ़ाने पर केंद्रित रही है, लेकिन उनके न्यायसंगत वितरण की दिशा में पर्याप्त पहल नहीं हो पायी है। निर्विवाद रूप से अनुसूचित जाति समुदाय के एक छोटे, अपेक्षाकृत बेहतर आर्थिक-सामाजिक स्थिति वाले वर्ग ने ही बार-बार शिक्षा और सरकारी रोजगार के अवसरों का लाभ उठाया है। वहीं दूसरी ओर पीढ़ी दर पीढ़ी अभावों के भंवर-जाल में फंसे परिवार- मसलन श्रमिक, सफाई कर्मचारी, भूमिहीन मजदूर परिवार लगातार हाशिये पर ही बने हुए हैं। यदि आरक्षण का मूल उद्देश्य संरचनात्मक असंतुलन को ही ठीक करना है तो इसके लाभ सीमित दायरे के लोगों को ही नहीं मिलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ओबीसी वर्ग के लिये यह प्रावधान सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। इसमें दो राय नहीं कि क्रीमी लेयर का सिद्धांत आरक्षण लाभ में इस तरह के एकाधिकार को रोकने का एक सशक्त साधन है।

दृष्टि कोण

स्कूली छात्रों की हिंसक मनोवृत्ति

देश के स्कूली छात्रों मे बढ़ रही हिंसक मनोवृत्ति चिंताजनक है। हाल ही में राजधानी दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम से एक खौफनाक वारदात सामने आई है। 11वीं में पढने वाले एक नाबालिग छात्र ने अपने पिता की लाइसेंसी पिस्टल से 17 वर्षीय क्लासमेट को गोली मार दी। इस साजिश में आरोपी के साथ एक और नाबालिग शामिल था। पिछले कुछ समय से स्कूली छात्रों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में छात्रों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई छात्रों में आक्रामकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। जिस उम्र में छात्रों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। भारत के छात्रों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। यह दुष्प्रवृत्ति छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर तो नकारात्मक प्रभाव डाल ही रही है, इसे भविष्य में समाज की शांति के लिए बड़ा खतरा भी मानना चाहिए। बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से स्कूली छात्रों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है! पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनःस्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं? उम्र के इस पड़ाव पर उनको सही राह दिखाने की जिम्मेदारी परिजन और शिक्षक की ही होती है। आज दोनों ही कहीं न कहीं अपनी जिम्मेदारी से दूर होते नजर आ रहे हैं। स्कूल में केवल किताबी ज्ञान पर ज्यादा जोर दिया जा

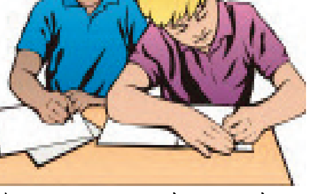

रहा है। वहीं अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा। स्कूली छात्रों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं। स्कूली छात्रों में हिंसक प्रवृत्ति के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें बदमाशी का शिकार होना, घरेलू या सामुदायिक हिंसा का अनुभव करना, और सांस्कृतिक या जातीय तनाव शामिल हैं। इसके कारण छात्रों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं, जैसे अवसाद, चिंता और आत्महत्या के विचार। इन प्रवृत्तियों को कम करने के लिए, स्कूलों और समुदायों को एक सुरक्षित और सहायक वातावरण बनाना होगा। स्कूली छात्रों में पिछले कुछ समय से हिंसक प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, जो समाज के लिए खतरे की घंटी से कम नहीं है। जो अपराध के रूप में बाहर निकलता है। फिजिकल, ओरल या सैक्सुअल रूप में गलत व्यवहार, घरेलू वातावरण न मिलना, माता-पिता द्वारा बच्चों की अनदेखी, दर्दनाक घटना होने या फिर स्ट्रैस होना, बच्चों को धमकाना, फैमिली प्रॉब्लम, नशीली चीजों का सेवन, शराब और अन्य गलत चीजों के सेवन से बच्चों में आक्रामकता बढ़ सकती है और वे हिंसक हो सकते हैं। ऑसट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढने लगे हैं। घर में बच्चों के लिए स्वस्थ, सुरक्षित और प्रेमपूर्ण वातावरण बनाने के साथ अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए। इसके लिए सभी समाजसेवियों, शिक्षाविदों और चिंतकों को आगे आना चाहिए। भारत के स्कूली छात्रों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। यह दुष्प्रवृत्ति छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर तो नकारात्मक प्रभाव डाल ही रही है, इसे भविष्य में समाज की शांति के लिए बड़ा खतरा भी मानना चाहिए। सबसे बड़ी बात यह कि शिक्षकों को बच्चों के आचरण और उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए प्रशिक्षण देना होगा। ऐसा करने पर वे बच्चों के चाल-चलन की बारीकी से निगरानी कर सकेंगे।

नेपाल-चीन सीमा पर उत्तरी कोरला नाका से ऊपरी मुस्तांग की यात्रा के लिए विदेशी नागरिकों के लिए प्रतिदिन 50 अमेरिकी डॉलर शुल्क निर्धारित

काठमांडू, 19 नवंबर (एजेंसियां) ।
नेपाल-चीन सीमा पर उत्तरी कोरला नाका से सटे ऊपरी मुस्तांग क्षेत्र की यात्रा करने वाले विदेशी नागरिकों के लिए प्रतिदिन 50 अमेरिकी डॉलर शुल्क निर्धारित किया गया है। सरकार के प्रवक्ता एवं संचार तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री जगदीश खरेल ने मंत्रिपरिषद के निर्णयों का ब्योरा सार्वजनिक करते हुए यह जानकारी दी। उनके अनुसार अध्यागमन नियमावली के अनुसूची-12 में संशोधन करते हुए यह निर्णय लिया गया है।

इस निर्णय के बाद ऊपरी मुस्तांग की यात्रा करने वाले विदेशी पर्यटकों के लिए अब 10 दिन की अनिवार्य पदयात्रा अनुमति शुल्क के रूप में 500 अमेरिकी डॉलर एकमुश्त जमा करने की बाध्यता समाप्त हो गई है। अब यह शुल्क पर्यटक के ऊपरी मुस्तांग में ठहरने के दिनों के आधार पर प्रतिदिन 50 अमेरिकी डॉलर के हिसाब से लिया जाएगा। पहले ऊपरी मुस्तांग जाने वाले विदेशी पर्यटकों को कम से कम 10 दिन के लिए 500 अमेरिकी डॉलर शुल्क अनिवार्य रूप से जमा करना पड़ता था। 10 दिन से अधिक रुकने पर उन्हें प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 50 डॉलर अतिरिक्त शुल्क का भुगतान करना होता था। लोघेकार दामोदरकुंड ग्रामीणपालिका के अध्यक्ष लोप्सांग छोम्फेल बिष्ट ने कहा कि उनकी मुख्य मांग ऊपरी मुस्तांग को निषिद्ध एवं नियंत्रित क्षेत्र की सूची से हटाने की रही है, फिर भी सरकार के इस निर्णय से आंशिक रूप से उनकी मांग पूरी हुई है। लोमान्थांग ग्रामीण नगरपालिका के अध्यक्ष त्सेरिंग नुर्बु गुरुड ने भी इस निर्णय को सकारात्मक बताया। ऊपरी मुस्तांग क्षेत्र अन्नपूर्णा संरक्षण क्षेत्र परियोजना के अंतर्गत आता है। सरकार ने इसे निषिद्ध व नियंत्रित क्षेत्र की सूची में रखा है। यहां शुल्क अधिक होने के कारण अधिकांश विदेशी पर्यटक कागबेनी और मुक्तिनाथ से ही वापस लौट जाते थे। हर वर्ष लगभग डेढ़ लाख विदेशी पर्यटक मुस्तांग घूमने जाते हैं, लेकिन उनमें से केवल 3 से 4 प्रतिशत ही ऊपरी मुस्तांग तक पहुंच पाते थे।

न्यूज ब्रीफ

क्वेटा में वॉयस फॉर बलोच मिसिंग पर्सन्स के विरोध शिविर के 6003 दिन पूरे

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। वॉयस फॉर बलोच मिसिंग पर्सन्स (वीबीएमपी) के विरोध शिविर के 6003 दिन पूरे हो गए। वीबीएमपी बलोचिस्तान में जबरन गायब किए जा रहे लोगों के परिवारों की आवाज दुनिया के सामने उठा रहा है। यह शिविर संगठन के अध्यक्ष नसरुल्लाह बलोच के नेतृत्व में क्वेटा में जारी है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, विभिन्न विचारधाराओं के नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और छात्र शिविर में पहुंचे। सभी ने अपने संदेश रजिस्टर में दर्ज किए। इन लोगों ने संघीय और राज्य सरकार से जबरन गुमशुदगी की समस्या को समाप्त करने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने और लापता व्यक्तियों खोजने को प्राथमिकता देने की मांग की। आरिफ बलोच के रिश्तेदारों ने वीबीएमपी से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में कहा गया है कि 30 अक्टूबर को बेसिमा से सुरक्षा बलों के हिरासत में लेने के बाद आरिफ बलोच को जबरन गायब कर दिया गया। परिवार का कहना है कि प्रशासन उन्हें आरिफ के कुशलक्षेम के बारे में कोई जानकारी नहीं दे रहा है। आरिफ बलोच के पिता जाकिर इस्माइल भी 11 फरवरी 2013 से लापता हैं। आरिफ बलोच अपने पिता की बरामदगी के लिए कई वर्षों से सक्रिय थे। अब उनके लापता होने से परिवार को एक और झटका लगा है। वीबीएमपी ने पिता-पुत्र गायब करने की निंदा की है और इसे मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बताया है।

भूटान के पारो से नेपाल के पोखरा के लिए नियमित उड़ान शुरू

काठमांडू। पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से भूटान के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू हो गई । यूनिवर्सल टूर्स एंड ट्रैवल्स ने इससे पहले 28 सितंबर से चार चार्टर उड़ानें संचालित करने की घोषणा की थी, लेकिन विभिन्न कारणों से उनका संचालन नहीं हो सका।। अब आधिकारिक रूप से उड़ान का संचालन आरंभ किया गया है। पोखरा महानगरपालिका के मेयर धनराज आचार्य के अनुसार भूटान एयर द्वारा पोखरा-पारो (भूटान) सीधी उड़ान का औपचारिक शुभारंभ पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से किया गया। भूटान एयर और उसके नेपाल स्थित प्रतिनिधि यूनिवर्सल टूर्स एंड ट्रैवल्स के निमंत्रण पर पहली उड़ान से थिम्पू पहुंचे। महानगर प्रमुख आचार्य ने बताया कि भूटान के पारो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से खाली लौटे विमान ने पोखरा से कुल नौ अतिथियों और क्रू सदस्यों को लेकर पारो में सुरक्षित लैंडिंग की है। उन्होंने कहा कि कुछ तकनीकी कारणों से पूर्व निर्धारित टीम के साथ यात्रा संभव नहीं हो सकी, लेकिन जल्द ही नियमित उड़ान संचालन शुरू होने की उम्मीद है। आचार्य ने भरोसा जताया कि भूटान एयरलाइंस और यूनिवर्सल टूर्स एंड ट्रैवल्स द्वारा पहले की गई प्रतिबद्धता निकट भविष्य में नियमित उड़ानों के माध्यम से पूरी की जाएगी ।

एपस्टीन फाइल्स विधेयक को सीनेट की मंजूरी, अब इसे भेजा जाएगा राष्ट्रपति ट्रंप के पास

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट ने बहुचर्चित एपस्टीन फाइल्स विधेयक को मंजूरी दे दी। यह विधेयक

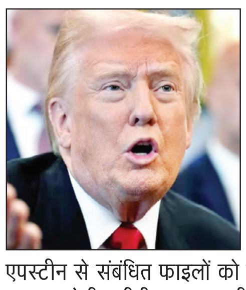

कांग्रेस से पहले ही पारित हो चुका है। अब इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास भेजा जाएगा। उनके इस पर हस्ताक्षर होते ही न्याय विभाग को यौन अपराधों में दोषी जेफरी एपस्टीन से संबंधित फाइलों को सार्वजनिक करने की बाध्यता होगी। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सीनेट ने इस विधेयक को मंजूरी दे दी है। अब न्याय विभाग को दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधित फाइलें जारी करनी होंगी। बुधवार को औपचारिक रूप से यह फाइलें राष्ट्रपति ट्रंप के पास पहुंच जाएंगी। ट्रंप ने पहले ही संकेत दे चुके हैं कि वह इस विधेयक पर हस्ताक्षर करेंगे।रिपोर्ट में कहा गया कि एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट के नाम से जाना जाने वाला यह विधेयक न्याय विभाग को एपस्टीन और उसकी सह-साजिशकर्ता गिस्लेन मैक्सवेल से संबंधित फाइलों को कानून बनने के 30 दिनों के भीतर सार्वजनिक रूप से जारी करने के लिए बाध्य करेगा। यह सदन में 427-1 से पारित हुआ और सीनेट में सर्वसम्मति से पारित हुआ।

पाक के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनखवा में 3 दिन में टीटीपी के 38 लड़ाके मारे

इस्लामाबाद , 19 नवंबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने पिछले तीन दिन में आतंकवादियों की तलाश के दौरान अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 38 विद्राही लड़ाकों का सफाया कर दिया। सेना की जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने इस बड़ी उपलब्धि बताया है। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने इस सफलता के लिए सुरक्षा बलों की सराहना की है।

रिपोर्ट के अनुसार, आईएसपीआर ने मंगलवार शाम कहा कि खैबर पख्तूनख्वा में तीन दिन की अवधि में चार अलग-अलग खुफिया-आधारित अभियानों (आईबीओ) में टीटीपी के 38 सदस्य मारे गए। 15 और 16 नवंबर के अभियानों में बड़ी सफलता हाथ लगी। पहले अभियान में सुरक्षा बलों ने डेरा इस्माइल खान जिले के कुलाची इलाके में आतंकवादियों के ठिकाने पर कब्जा कर लिया। यहां टीटीपी खजांची आलम महसूद सहित दस सदस्य मारे गए। आईएसपीआर ने बताया कि उत्तरी वजीरिस्तान जिले के दत्ता खेल में अभियान के दौरान सैनिकों ने पांच और सदस्यों को मार गिराया। इसके बाद एक अलग बयान में आईएसपीआर ने कहा कि 16-17 नवंबर के बीच बाजौर जिले और बन्नू जिले में दो अभियान चलाए गए।इनमें क्रमश: 11 और 12 टीटीपी लड़ाके मारे गए। यह भी बताया गया है कि इनका सरगना सज्जाद उर्फ अबुजर भी बाजौर अभियान में मारा गया। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने सफल अभियानों के लिए सुरक्षा बलों को बधाई दी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी सुरक्षा बलों को बधाई दी। उन्होंने कहा, 'आज्म-ए-इस्तेहकाम के विजन के तहत सुरक्षा बल आतंकवाद के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल कर रहे हैं।' उधर, पिछले हफ्ते खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में तीन अलग-अलग मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने कम से कम 24 लड़ाकों को मार गिराया।

पाकिस्तान को रह-रह कर डरा रहा है ऑपरेशन सिंदूर, आसिफ बोले- फिर होगा हमला

इस्लामाबाद। ऑपरेशन सिंदूर ने करीब 6 माह पहले पाकिस्तान को हिला दिया था। बर्वादी देखकर पाकिस्तान को इतना बड़ा झटका लगा कि जिसे वो आज तक भुला नहीं पाया है। एक बार फिर से पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का डर तब उजागर हो गया, जब उन्होंने टीवी कार्यक्रम में भारत की ओर से हमले की आशंका जताई। उनका ये बयान तब आया है, जब भारतीय आर्मी चीफ ने ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान को लेकर बयान दिया था। उनकी धमकी पर पाकिस्तानी रक्षा मंत्री खौफ में आ गए हैं और उनका डर बयानों के जरिये सामने आ गया। ख्वाजा आसिफ का बयान ऐसे वक्त में आया है, जब भारतीय सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को बयान दिया था - 'ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ ट्रेलर था और ये एपिसोड 88 घंटे बाद खत्म हो गया। अगर पाकिस्तान हमें कोई मौका देता है तो भारत उसे सबक सिखाएगा कि एक जिम्मेदार राष्ट्र को अपने पड़ोसियों के साथ किस तरह का व्यवहार करना चाहिए'। इस बयान के बाद ही पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने डिबेट में भारत के खिलाफ मनगढंत आरोपों की झड़ी लगा दी। उन्होंने कहा कि भारत सीमा के पार स्ट्राइक कर सकता है और हमें टू फ्रंट वॉर में डाल सकता है। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान किसी भी रूप में भारत पर भरोसा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि भारत सीमा पार से हमले की कोशिश भी कर सकता है। ख्वाजा आसिफ पहले भी इस बात की आशंका जता चुके हैं। एक बार फिर से जब बात पाकिस्तान में मौजूदा क्षेत्रीय संघर्षों के बीच बढ़ते तनाव पर चल रही थी, तो ख्वाजा आसिफ का डर सामने आ गया। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने दावा किया है कि अफगानिस्तान की धरती से किए जा रहे हमलों में भारत शामिल है और इस्लामाबाद भारतीय सेना प्रमुख के बयानों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ईरान और चीन सहित क्षेत्रीय देशों ने पाकिस्तान में सीमा पार घुसपैठ को रोकना चाहते हैं। उन्होंने काबुल को आतंकवादियों का अड्डा बताते हुए कहा कि भारत नहीं चाहता है कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान के रिश्ते आपस में सुधरें।

शेख हसीना के बेटे ने पीएम मोदी का आभार माना कहा - भारत ने मेरी मां की जान बचाई

वर्जीनिया, 19 नवंबर (एजेंसियां) ।
बांग्लादेश ने हाल ही पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई है। इससे पहले बांग्लादेश लगातार मांग करता रहा है कि हसीना को वापस भेजा जाए। अब हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा है कि मेरी मां की जान भारत ने बचाई है। वाजेद ने पिछले साल बांग्लादेश में हुए राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान अपनी मां शेख हसीना की हत्या के प्रयास को रोकने का क्रेडिट भारत को दिया है। शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने कहा कि भारत की वजह से उनकी मां की जान बची है। उन्होंने यूनूस सरकार और उनकी बांग्लादेशी न्यायिक प्रक्रिया की आलोचना की है। बांग्लादेश में शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई गई है। बता दें कि 5 अगस्त को शेख हसीना को बांग्लादेश छोड़कर भागना पड़ा था। उस वक्त प्रदर्शनकारी उनके आवास तक घुस गए थे। आनन-फानन में वो जान बचाकर भारत आई थीं। तब से वह भारत में ही रह रही हैं।

अमेरिका के वर्जीनिया में बात करते हुए वाजेद ने बांग्लादेश की मौजूदा यूनूस सरकार पर कानूनों में हेरफेर करने, जजों को बर्खास्त करने और शेख हसीना को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, भारत हमेशा एक अच्छा दोस्त रहा है। संकट के समय भारत ने मूल रूप से मेरी मां की जान बचाई है। अगर वह बांग्लादेश नहीं छोड़तीं, तो आतंकवादियों ने उन्हें मारने की योजना बनाई थी ।उन्होंने शेख हसीना के अगस्त 2024 में भारत भागने का जिक्र करते हुए कहा कि मैं प्रधानमंत्री मोदी की सरकार का हमेशा आभारी रहूंगा कि उन्होंने मेरी मां की जान बचाई। शेख हसीना को मौत की सजा वाली कार्यवाही को बेटे वाजेद ने एक राजनीतिक नाटक बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने हर चरण में उचित प्रक्रिया को दरकिनार किया है। उन्होंने कहा, 'प्रत्यर्पण के लिए न्यायिक प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक है। बांग्लादेश में एक सरकार है जो निर्वाचित नहीं है, असंवैधानिक और अवैध है।

रूस के साथ जंग में यूक्रेन का पलडा होगा भारी........

कीव। फ्रांस और यूक्रेन के बीच हुए 100 राफेल फाइटर जेट की डील का उद्देश्य यूक्रेन की रक्षा क्षमता को बढ़ाना है ताकि वह रूस के हवाई हमलों का मुकाबला कर सके। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के बीच 100 राफेल फाइटर जेट की डील हुई है। फ्रांस के विला कुबले सैन एयरबेस पर समझौता हुआ। राफेल जेट 2026 से मिलने शुरू होगा और अगले 10 साल में सभी विमान यूक्रेन को मिल जाएंगे। राफेल के अलावा, यूक्रेन को निम्नलिखित हथियार भी मिलने वाले है। इसमें आठ सैम पीटी सिस्टम, एडवांस रडार, एयर टू एयर मिसाइल शामिल है। राफेल जेट यूक्रेन की हवाई रक्षा और जवाबी हमले की क्षमता में काफी वृद्धि करेगा। यूक्रेन रूस के लगातार हो रहे हवाई और ड्रोन हमलों से अपनी रक्षा बेहतर ढंग से कर पाएगा। जवाबी हमला अधिक ताकत और सटीकता से संभव हो पाएगा। राफेल, रूस के एसयू-35 जैसे उन्नत जेट्स का मुकाबला करने में सक्षम है। पुराने सोवियत जेट्स की तुलना में राफेल अधिक सुरक्षित और एडवांस एवियोनिक्स (हवा से मार करने वाले हथियारों) से लैस है। उन्होंने इस डील को ऐतिहासिक बताया है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा कि यूक्रेन की सेना को मजबूत करने की जरूरत है, और यूक्रेन मजबूत होगा तो रूस हमला नहीं करेगा।

म्यांमार में ठगी के केंद्र बने साइबर कैफे, 346 विदेशी नागरिक गिरफ्तार

नेपीडॉ (म्यांमार), 19 नवंबर (एजेंसियां) ।
म्यांमार की सेना ने थाई सीमा पर एक साइबर कैफे पर छापा मारकर 346 लोगों को गिरफ्तार किया है। सेना ने कहा कि युद्धग्रस्त म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्रों में धोखाधड़ी के ऐसे केंद्र बड़े पैमाने पर फैले हुए हैं। इन केंद्रों में बैठे साइबर अपराधी दुनिया भर के इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को निशाना बनाते हैं। किसी को रोमांस के जाल में फंसाते हैं। किसी को रकम दोगुना करने प्रलोभन देकर ठग रहे हैं। यह लोग प्रतिवर्ष अरबों डॉलर की ठगी कर रहे हैं। बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार ने म्यांमार के सरकारी समाचार माध्यम 'द ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमार' की खबर के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि म्यांमार की सैन्य सरकार पर लंबे समय से इस मामले में आंखें मूंद लेने का आरोप लगाया जाता रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन के दबाव के बाद म्यांमार सरकार फरवरी से ऐसी कार्रवाई का ढिंढोरा पीट रही है। पिछले महीने से कार्रवाई में तेजी लाई गई है। म्यांमार की सेना ने कल सुबह जुआ और धोखाधड़ी के गढ़

श्वे कोक्को पर यह कार्रवाई की। इस अभियान के दौरान 346 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। इन सबके पास से लगभग 10 हजार मोबाइल फोन भी मिले हैं। अपराध विशेषज्ञों का कहना है कि 2021 में गृहयुद्ध छिड़ने के बाद से म्यांमार के सीमावर्ती इलाके साइबर अपराधियों के लिए उपजाऊ जमीन साबित हुए हैं। इनमें बहुत से लोग भोले-भाले होते हैं।

उन्हें म्यांमार में नौकरी दिलाने का झांसा देकर दूसरे देशों से लाया जाता है। इस नेटवर्क के बड़े हिस्से की कमान चीनी-कंबोडियाई रैकेटियर शी झिजियांग की याताई फर्म के पास है। यह फर्म श्वे कोक्को क्षेत्र में सक्रिया है। 2022 में थाईलैंड में गिरफ्तार किए गए शी झिजियांग को पिछले हफ्ते चीन प्रत्यर्पित किया गया है। वहां उस पर ऑनलाइन जुआ और धोखाधड़ी के मामलों में शामिल होने के आरोप हैं। शी और उसकी कंपनी पर ब्रिटिन और अमेरिका प्रतिबंध भी लगा चुके हैं। श्वे कोक्को म्यांमार-थाई सीमा पर स्थित एक गांव है। आज यह गांव जुआ, नशीली दवाओं की तस्करी, वेश्यावृत्ति और ठगी का सबसे बड़ा केंद्र है। म्यांमार की सैन्य सरकार इस गांव की 600 से ज्यादा इमारतों को ध्वस्त करने में जुटी हुई है।

ट्रंप-बिन सलमान बैठक : परमाणु तकनीक, एफ-35 डील, एआई चिप्स और अरबों डॉलर के निवेश पर बड़ी घोषणाएं

वाशिंगटन, 19 नवंबर (एजेंसियां) ।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की व्हाइट हाउस में हुई हाई-स्टेक बैठक के दौरान रक्षा, परमाणु तकनीक, निवेश और इजरायल-सऊदी संबंधों को लेकर कई अहम बयान सामने आए। सात वर्षों बाद व्हाइट हाउस पहुंचे बिन सलमान का ट्रंप ने सैन्य सम्मान, कैनन सलामी और जेट फ्लाईओवर के साथ भव्य स्वागत किया।

बैठक के दौरान ट्रंप ने संकेत दिया कि अमेरिका सऊदी अरब को परमाणु तकनीक स्थानांतरित करने के लिए एक समझौते पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि वह 'एक डील होते हुए देख सकते हैं ', हालांकि समयसीमा स्पष्ट नहीं की। दोनों नेताओं के बीच अब्राहम समझौतों पर भी चर्चा हुई। ट्रंप ने दावा किया कि उन्हें सऊदी से 'सकारात्मक प्रतिक्रिया' मिली है, जबकि बिन सलमान ने कहा कि सऊदी अरब समझौतों में शामिल

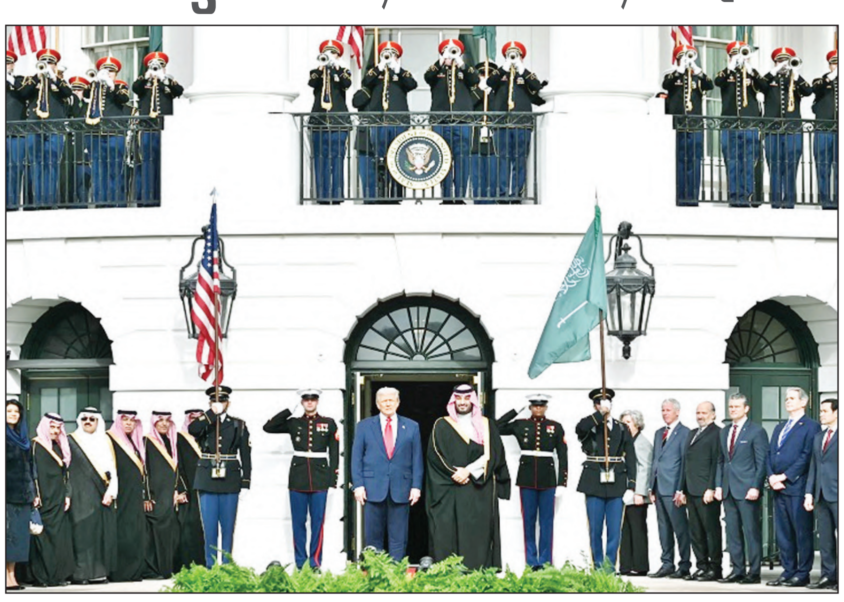

होना चाहता है, लेकिन दो-राज्य समाधान के लिए स्पष्ट रास्ते की भी गारंटी चाहता है।

ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका सऊदी अरब को एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट्स की बिक्री की मंजूरी देने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था 'इज़रायल की तरह ही' होगी। यदि यह डील पूरी होती है तो मध्य-पूर्व के शक्ति समीकरण में बड़ा बदलाव माना जाएगा।

इसके अलावा, ट्रंप ने बताया कि अमेरिका और सऊदी अरब के बीच रक्षा सहयोग समझौता भी अंतिम रूप ले चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी प्रशासन उन्नत एआई चिप्स की बिक्री को मंजूरी देने पर काम कर रहा है—जो अमेरिकी निर्यात नीति में बड़े बदलाव का संकेत है और दोनों देशों के बीच तकनीकी सहयोग को नई दिशा देगा। निवेश के मोर्चे पर भी बड़ा ऐलान हुआ। ट्रंप ने कहा कि सऊदी अरब ने 600 अरब डॉलर अमेरिकी अर्थव्यवस्था में निवेश करने पर सहमति जताई है। उन्होंने मज़ाकिया अंदाज में कहा कि उम्मीद है, 'एक ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ा देंगे।' जवाब में बिन सलमान ने कहा कि सऊदी अरब 'अमेरिका के भविष्य पर विश्वास करता है' और निवेश को लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाएगा। पत्रकारों द्वारा ट्रंप परिवार के बिज़नेस और संभावित हितों के टकराव पर प्रश्न पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'मेरा परिवार के बिज़नेस से कोई लेना-देना नहीं है। मैं 100% ऊर्जा राष्ट्रपति पद पर दे रहा हूं।' जमाल ख़ासोगी की हत्या पर सवाल पूछे जाने पर ट्रंप ने अमेरिकी खुफिया निष्कर्षों के विपरीत दावा किया कि बिन सलमान 'इसके बारे में कुछ नहीं जानते थे।' उन्होंने कहा, 'चाहे उस व्यक्ति (ख़ासोगी) को कोई पसंद करे या नहीं, चीजें होती हैं।' व्हाइट हाउस में यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब ट्रंप प्रशासन सऊदी अरब के साथ रणनीतिक, रक्षा और आर्थिक साझेदारी को नए स्तर पर ले जाने की कोशिश कर रहा है।

टोक्यो समर डेफलिम्पिक्स : अभिनव देशवाल और प्रांजली धुमाल ने एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता स्वर्ण

टोक्यो, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

टोक्यो में जारी 25वें समर डेफलिम्पिक्स में भारतीय निशानेबाज़ों का शानदार प्रदर्शन बुधवार को भी जारी रहा, जहां अभिनव देशवाल और प्रांजली प्रशांत धुमाल ने 10एम एयर पिस्टल मिश्रित टीम इवेंट में चीनी ताइपे के या-जू काओ और मिंग-जुई हसु को 16-6 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

कुशाग्र सिंह राजावत को 50एम राइफल प्रोन में कांस्य पदक

दिन की दूसरी स्पर्धा में कुशाग्र सिंह राजावत ने 50एम राइफल प्रोन में कांस्य पदक जीता। इन पदकों के साथ भारत की शूटिंग में कुल पदक संख्या 11 हो गई है, जो अभी तक टोक्यो में भारत के जीते गए कुल पदक हैं।

अभिनव और प्रांजली ने स्वर्ण पदक मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा और प्रतिद्वंद्वियों को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। इससे पहले क्वालिफिकेशन में दोनों ने डेफ वर्ल्ड और ओलंपिक रिकॉर्ड की बराबरी की थी, जिसे पिछले डेफलिम्पिक्स में इसी जोड़ी ने स्थापित किया था। भारतीय जोड़ी ने 569-20× का संयुक्त स्कोर किया, जिसमें अभिनव ने 287-12× (97, 95, 95) और प्रांजली ने 282-8× (95, 94, 93) स्कोर किया। दोनों निशानेबाज़ सोमवार को व्यक्तिगत वर्ग में भी रजत पदक जीत चुके हैं।

भारत की दूसरी जोड़ी महिलाओं की व्यक्तिगत चैंपियन अनुया प्रसाद और रुदार विनोद कुमार क्वालिफिकेशन में 553-10× के संयुक्त स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रही। अनुया ने 280-5× (93, 91, 96) जबकि रुदार ने 273-5× (92, 90, 91) स्कोर किया। ईरान के महला सामीई और बिजान गफ़ारी ने यूक्रेन के सोफिया ओलेनिच और ओलेक्ज़ेंडर कोलोडी को हराकर कांस्य पदक जीता।

50एम राइफल प्रोन में कुशाग्र सिंह राजावत ने 224.3 के स्कोर के साथ कांस्य पदक पर कब्ज़ा जमाया। यूक्रेन के दिमित्रो पेट्रेंको ने 251.0 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता और डेफ वर्ल्ड व ओलंपिक रिकॉर्ड तोड़ा, जबकि जर्मनी के कॉलिन म्यूएलर ने 245.4 के साथ रजत पदक जीता। महित संधू और नताशा जोशी कल महिलाओं की 50एम थ्री पोज़िशन्स इवेंट में हिस्सा लेंगी। महित पहले ही 10एम एयर राइफल मिश्रित टीम और व्यक्तिगत वर्ग में क्रमशः स्वर्ण और रजत जीत चुकी हैं।

न्यूज ब्रीफ

शुभमन गिल टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे, दूसरे टेस्ट में खेलना अभी अनिश्चित

नई दिल्ली। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की फिटनेस को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। गिल ने उपचार का ठीक तरह से रिस्पॉन्स दिया है और वह टीम इंडिया के साथ गुवाहाटी के लिए रवाना होंगे। हालांकि, 22 नवंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में उनकी भागीदारी अभी भी अनिश्चित बनी हुई है। शुभमन गिल को कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बल्लेबाजी के दौरान गर्दन में चोट लगी थी, जिसके बाद उन्हें तीन गेंद खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा। इसके बाद उनकी जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया और तीसरे दिन बीसीसीआई ने घोषणा की कि गिल अब इस मैच में हिस्सा नहीं लेंगे। गिल को मेडिकल टीम की निगरानी में रखा गया था और अगले दिन उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। बीसीसीआई ने एक प्रेस रिलीज़ में पुष्टि की कि शुभमन गिल स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं और 19 नवंबर 2025 को टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे। वहां भी उन पर मेडिकल टीम की नजर बनी रहेगी और दूसरे टेस्ट में उनकी उपलब्धता का फैसला आगे की जांच के बाद किया जाएगा। गौरतलब है कि अक्टूबर, 2024 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ एक टेस्ट भी गिल गर्दन में ऐंठन (नेक्स स्पैज़्म) की वजह से नहीं खेल पाए थे। आईपीएल 2025 से लगातार क्रिकेट खेल रहे शुभमन हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के बाद सीधे कोलकाता पहुंचे थे।

दीनदयाल उपाध्याय सीनियर महिला फुटबाल प्रतियोगिता के लिए 16 सदस्यीय टीम चयनित

मुरादाबाद। दीनदयाल उपाध्याय सीनियर महिला प्रदेश स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता के लिए

मुरादाबाद मंडल टीम का चयन बुधवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम में 16 सदस्यीय टीम का चयन किया गया है। जिला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद के महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश के गोंडा में 20 नवंबर से 26 नवंबर तक आयोजित दीनदयाल उपाध्याय सीनियर महिला प्रदेश स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता 2025 का आयोजन खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश व उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ के समन्वय से कराया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी 18 मण्डलों की टीमें प्रतिभाग कर रहीं है। इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए मुरादाबाद मंडल की टीम का चयन नेताजी सुभाष चंद बॉस स्पोर्ट्स स्टेडियम में किया गया। चयन समिति में ज़िला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद की महिला विंग की सचिव माधुरी देवी व वरिष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी टीना सैनी, क्षेत्रीय खेल कार्यालय से क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार सिंह रहे। चयनित टीम में सईदा मरयम, सुबिया कमाल, किंजल, सेहबा समीर, तेहबा समीर, अंजलि, अलिज़ा खान, अलका रानी, माधवी कश्यप, मुस्कान, वर्षा, कनक, पायल सैनी, फलक, प्रियांशु टीम मैनेजर सोनिया रानी अतिरिक्त खिलाड़ी रिफा बतुल शामिल हैं।

कुराकाओ बना फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने वाला सबसे छोटा देश

किंग्सटन। कैरेबियाई क्षेत्र का छोटा सा द्वीप राष्ट्र कुराकाओ ने इतिहास रच दिया है। मंगलवार को जमैका के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेलकर कुराकाओ ने पहली बार फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर लिया। यह उपलब्धि हासिल करने वाला यह दुनिया का सबसे छोटा देश बन गया है। कुराकाओ, जिसकी आबादी सिर्फ 1.56 लाख है, ने किंग्सटन में खेले गए मुकाबले में जमैका की ओर से हुए जोरदार दूसरे हाफ के दबाव को झेलते हुए जरूरी ड्रॉ हासिल किया, जिससे उसे संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में होने वाले आगामी विश्व कप का टिकट मिल गया। 'ब्लू वेव' के नाम से मशहूर टीम का यह सफर किसी परीकथा से कम नहीं रहा। छह मैचों में 12 अंकों के साथ कुराकाओ ने ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान हासिल किया।

स्कॉटलैंड ने 26 साल बाद फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया, मैक्टोमिने ने दागा करिश्माई गोल

ग्लास्गो, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

स्कॉटलैंड ने मंगलवार रात 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही डेनमार्क पर 4-2 की रोमांचक जीत दर्ज कर फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया। यह स्कॉटलैंड का 1998 के बाद पहला विश्व कप टिकट है। मैच में इंजरी टाइम में आए दो गोलों ने मुकाबले को यादगार बना दिया।

शुरुआती तीसरे मिनट में स्कॉट मैक्टोमिने ने गेंद पर शानदार ओवरहेड किक मारकर स्कॉटलैंड को बढ़त दिलाई। नेपोली मिडफील्डर का यह गोल पूरे स्टेडियम को झूमने पर मजबूर कर गया। हालांकि डेनमार्क ने जल्द ही खुद को संभाला और पहले हाफ में गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन गोल नहीं कर सके।

दूसरे हाफ में 57वें मिनट पर रासमुस होइलुंड ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके चार मिनट बाद डेनमार्क को झटका लगा जब रासमुस क्रिस्टेनसन को दूसरा पीला कार्ड मिलने पर मैदान छोड़ना पड़ा और टीम 10 खिलाड़ियों की रह गई।

78वें मिनट में लॉरेंस शेंकलैंड ने कॉर्नर पर शानदार फिनिश करते हुए स्कॉटलैंड को 2-1 की बढ़त दिलाई, लेकिन कुछ ही देर में पैट्रिक डॉर्गु ने स्कोर 2-2 कर दिया।

इसके बाद स्कॉटलैंड ने दमदार वापसी करते हुए इंजरी टाइम में दो गोल दागे। 93वें मिनट में कीरन टियरनी ने बाहर से जोरदार शॉट लगाकर गोल किया और टीम को 3-2 से आगे कर दिया। मैच के खत्म होने से ठीक पहले केनी मैकलीन ने आधे मैदान से गेंद को गोल में डालकर स्कॉटलैंड की ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी।

स्कॉटलैंड ग्रुप सी का विजेता बनकर 13 अंकों के साथ विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई हुआ, जबकि डेनमार्क को प्लेऑफ का रास्ता अपनाना पड़ेगा।

स्कॉटलैंड मैनेजर स्टीव क्लार्क ने खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा, 'आखिरी कदम हमेशा मुश्किल होता है, और लड़कों ने इसे बखूबी संभाला। मैक्ट्रोमिने का ओवरहेड किक मेरी जिंदगी का सबसे बेहतरीन गोल था।'

कप्तान एंड्रयू रॉबर्टसन ने भावुक होकर कहा, 'हम कभी हार नहीं मानते। यह स्क्वॉड की पहचान है। हमने देश को रोमांच में डाल दिया, लेकिन इसका हर पल वाजिब था। हम विश्व कप में जा रहे हैं।

रिंकू ने रणजी में एक और शतक लगाया, टेस्ट टीम में जगह के लिए दावेदारी पेश की

मुम्बई। भारतीय टीम से बाहर चल रहे आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश की ओर से शानदार शतक लगाया है। ये रिंकू का इस सत्र का दूसरा शतक है। रिंकू ने तमिलनाडु के खिलाफ ये शतक लगाया है। इस शतक के साथ ही फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपना नौवां शतक लगाकर रिंकू ने भारतीय टेस्ट टीम के लिए भी अपनी दावेदारी पेश की है। रिंकू ने यह शतक चौथे दिन के खेल के दौरान लगाया। इस दौरान उन्होंने 9 चौके और 3 छक्के भी लगाये। रिंकू का ये रणजी सत्र का दूसरा शतक है। इससे पहले रिंकू ने आंध्र के खिलाफ नाबाद 165 रन बनाये थे। इस दौरान कोई भी गेंदबाज उन्हें आउट नहीं कर पाया था। रिंकू ने 273 गेंदों में 60 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 13 चौके और दो छक्के भी लगाए थे। रिंकू ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में लगातार अच्छी पारियां खेली हैं। फर्स्ट क्लास में नौवां शतक लगाने के साथ ही रिंकू ने भारतीय टेस्ट टीम के लिए भी दावेदारी पेश की हैं। देखना यह होगा कि रिंकू को कब अवसर मिलता है। ऐसे में उनके प्रदर्शन पर चयनकर्ताओं की भी नजर रहेंगी। रिंकू मध्यक्रम में भारतीय टीम की बल्लेबाजी को मजबूत बना सकते हैं। टीम इंडिया के लिए यह बल्लेबाज एकदिवसीय और टी20 टीम में धमाल मचा रहे हैं। रिंकू ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में 51 मैचों की 73 पारियों में 3501 रन बनाए हैं। उनका औसत 57.39 का है, जबकि 70 के स्ट्राइक रेट से फर्स्ट क्लास में रिंकू ने 22 अर्धशतक भी लगाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 165 रन रहा है। उनके नाम 401 चौके और 41 छक्के हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे प्रणय आयुष और मन्नेपल्ली

सिडनी, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के एच.एस. प्रणय, आयुष शेट्टी और थारुन मन्नेपल्ली ने पुरुष एकल के पहले दौर में शानदार जीत दर्ज की और दूसरे दौर में स्थान पक्का किया।

2023 के उपविजेता एच.एस. प्रणय ने खराब शुरुआत के बाद दमदार वापसी करते हुए विश्व नंबर 85 योहानेस सॉट मार्सेलिनो को 6-21, 21-12, 21-17 से मात दी। 57 मिनट चले मुकाबले में जीत के बाद अब प्रणय का सामना इंडोनेशिया के आठवीं वरीयता प्राप्त अल्वी फरहान से होगा।

विश्व नंबर 32 आयुष शेट्टी ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कनाडा के सैम युआन को 21-11, 21-15 से केवल 33 मिनट में हराया। 20 वर्षीय आयुष अब चौथी वरीयता प्राप्त जापान के कोदाई नाराओका और कनाडा के ज़ियाओडोंग शेंग के बीच के विजेता से भिड़ेंगे।

इसी बीच, थारुन मन्नेपल्ली ने डेनमार्क के मैग्नस जोहानसेन के खिलाफ 21-13, 17-21, 21-19 की कड़े संघर्ष वाली जीत हासिल की। 66 मिनट तक चले इस मुकाबले के बाद अब मन्नेपल्ली का सामना पांचवीं वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से होगा।

भारत के किरण जॉर्ज ने भी शानदार जज्बा दिखाया, लेकिन वह छठी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोटो से 21-11, 22-24, 17-21 से करीबी मुकाबले में हारकर बाहर हो गए।

दिन में बाद में लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत अपने-अपने मुकाबले खेलेंगे।

40वी इंदिरा मैराथन में प्रदीप सिंह चौहान व रीनू ने प्रथम स्थान पर मारी बाजी

प्रयागराज। 40वीं इंदिरा मैराथन में बुधवार को 42.195 किलोमीटर की दौड़ पूरी करते हुए पुरुष वर्ग में उत्तराखंड के धावक प्रदीप सिंह चौहान और महिला वर्ग में हरियाणा की रीनू ने प्रथम स्थान पर बाजी मारी। इसी तरह पुरुष वर्ग में द्वितीय स्थान पर उप्र के प्रतापगढ़ जिले के ज्ञान बाबू ने दौड़ पूरी किया। तीसरे स्थान पर प्रयागराज के रोहित सरोज ने दौड़ पूरी किया। महिला वर्ग में द्वितीय स्थान पर महाराष्ट्र की अश्विनी मदान जादव और महाराष्ट्र की ज्योति शंकर गवते पहुंची है। पहली बार मैराथन में 21 वर्ष से कम उम्र के एथलीटों (न्यूनतम 18 वर्ष तक) को दौड़ने का मौका दिया गया है। जो सीने पर इलेक्ट्रॉनिक चिप युक्त विब लगाकर दौड़े हैं। इस बार भी सर्वाधिक संख्या सेना व पैरामिलिट्री के धावकों की है। जबकि देश के दक्षिणी हिस्से से सर्वाधिक एथलीटों का प्रयागराज में जमावड़ा हुआ है। 40वीं इंदिरा मैराथन का शुभारम्भ उप्र खेल निदेशक डा.आर.पी.सिंह, जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा, उप्र एथलेटिक्स संघ के सचिव नरेन्द्र कुमार और अध्यक्ष आशुतोष भल्ला, क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी प्रयागराज प्रेम कुमार और मण्डलायुक्त प्रयागराज सौम्या अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित करके किया।

आईसीसी रैंकिंग में मिशेल नंबर एक पर पहुंचे, रोहित दूसरे नंबर पर खिसके, बुमराह गेंदबाजी में शीर्ष पर बरकरार

दुबई, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय रैंकिंग में न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल नंबर एक पर पहुंच गये हैं। मिशेल ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा को पीछा छोड़ा है। रोहित अब दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं। वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह नंबर एक पर बने हुए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले ही मैच में शानदार शतक लगाने से मिशेल को लाभ हुआ और वह शीर्ष पर पहुंच गये।

मिशेल ने 118 गेंदों में 119 रनों की पारी खेली, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला था। इस पारी से वह अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान और रोहित से एक रेटिंग अंक ऊपर पहुंच गये।

वहीं पाकिस्तान के बाबर आजम रावलपिंडी में श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 102 रनों की पारी खेलकर छठे स्थान पर पहुंच गए जबकि उनके साथी मोहम्मद रिजवान और फखर जमान सीरीज में दो-दो अर्धशतक लगाने के बाद 22वें और 26वें स्थान पर पहुँच गए हैं। वहीं गेंदबाजी में पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद श्रीलंका के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी के कारा 11 पायदान ऊपर आकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 9वें स्थान पर पहुंच गये है। वहीं पाक के ही तेज गेंदबाज़ हारिस राउफ को पांच स्थान का लाभ हुआ है और वह 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि वेस्टइंडीज के जेडन सील्स तीन स्थान की छलांग लगाकर 20वें स्थान जबकि रोस्टन चेज 46वें स्थान पर पहुंच गये हैं। वही टेस्ट रैंकिंग में बुमराह शीर्ष पर बने हुए हैं1 बुमराह ने ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में एक पांच विकेट लिए थे। कुलदीप यादव दो स्थान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर और जडेजा चार स्थान ऊपर चढ़कर 15वें स्थान पर आ गए हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीकी ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर 8 विकेट लेने के कारण 20 स्थान के लाभ के साथ ही अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 24वें स्थान पर पहुंच गये हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

ब्राजील और ट्यूनीशिया के बीच फ्रेंडली मैच 1-1 से ड्रॉ

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

कार्लो एंसेलोटी की कोचिंग में खेल रही ब्राज़ील की टीम ने मंगलवार को लिले में ट्यूनीशिया के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मैच 1-1 से ड्रा खेला। 2026 विश्व कप की तैयारी के लिए यह मुकाबला ब्राज़ील के लिए उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। इन-फॉर्म 18 वर्षीय स्टार एस्टेवाओ ने पेनल्टी के जरिए गोल दागा, लेकिन लुकास पाक्वेटा ने देर से मिली पेनल्टी का मौका गंवा दिया, जिससे ब्राज़ील जीत दर्ज करने से चूक गया।

दक्षिण अमेरिकी क्वालिफायर में पांचवें स्थान पर रहने और पिछले महीने जापान से 3-2 से हार झेलने के बाद ब्राज़ील का प्रदर्शन लगातार अस्थिर बना हुआ है।

एंसेलोटी ने मैथ्यूस कुन्हा, विनीसियस जूनियर, रोड्रिगो और एस्टेवाओ जैसे चार फॉरवर्ड के साथ मजबूत प्लेइंग इलेवन उतारी। इसके बावजूद, ट्यूनीशिया ने पहले हाफ के मध्य में अली अब्दी के शानदार पास पर हज़ेम मास्तौरी के गोल से बढ़त बना ली।

हाफ़टाइम से ठीक पहले वीएआर ने हैंडबॉल के लिए ब्राज़ील को पेनल्टी दिलाई, जिस पर एस्टेवाओ ने अपना पांचवां अंतरराष्ट्रीय गोल दर्ज किया।

मैच के 78वें मिनट में ब्राज़ील को एक और पेनल्टी मिली, लेकिन सब्स्टीट्यूट पाक्वेटा ने एस्टेवाओ की जगह स्पॉट किक लेते हुए गेंद को क्रॉसबार के ऊपर मार दिया, जिससे बढ़त का मौका हाथ से निकल गया। 89वें मिनट में एस्टेवाओ के गिराए जाने पर ब्राज़ील ने तीसरी पेनल्टी की मांग की, लेकिन वीएआर समीक्षा के बाद भी रेफरी ने खेल जारी रहने दिया।

अन्य अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली परिणाम:

सेनेगल ने सादियो माने के पहले हाफ में हैट्रिक की बदौलत केन्या को 8-0 से रौंदा।

अफ्रीकी चैंपियन कोट डी 'आइवोर (आइवरी कोस्ट) ने सऊदी अरब से हार के बाद ओमान को 2-0 से मात दी।

अल्जीरिया ने सऊदी अरब को 2-0 से हराया, जिसमें रियाद महरेज़ गोल स्कोरर रहे।

मोरक्को ने युगांडा पर 4-0 की आसान जीत दर्ज की।

वहीं, अगले साल पहली बार विश्व कप खेलने जा रहा उज्बेकिस्तान ईरान के खिलाफ 0-0 ड्रॉ खेला, जिसमें मैनचेस्टर सिटी डिफेंडर अब्दुकोदिर खुशनोव को रेड कार्ड मिला।

सुदीप फार्मा लि. का आईपीओ 21 नवंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 563-593 रुपए प्रति शेयर

नयी दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)।
सुदीप फार्मा लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 14 नवंबर को खुलेगा। निवेशक इसमें 25 नवंबर तक निवेश के लिए बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 563-593 रुपये प्रति शेयर तय किया है।

सुदीप फार्मा लिमिटेड ने अपने पहले आईपीओ के लिए 1 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर का मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 563 से 593 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी की योजना इस आईपीओ से 895 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी के मुताबिक निवेशक इसमें न्यूनतम 25 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 25 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं।

सुदीप फार्मा लिमिटेड का यह आईपीओ 95 करोड़ रुपये के नए निर्गम और प्रमोटर एवं प्रमोटर समूह द्वारा शेयरधारकों को 800 करोड़ रुपये में 13,490,726 शेयरों तक की बिक्री पेशकश का संयोजन है। कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 75.8 करोड़ रुपये का उपयोग नंदेसरी फैसिलिटी 1, गुजरात स्थित उत्पादन लाइन के लिए मशीनरी की खरीद और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में पूंजीगत व्यय के लिए करेगी। इसके अलावा बाकी रकम का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट आवश्यकताओं के लिए किया जाएगा। इससे कंपनी अपने संचालन को विस्तार देने और टेक्नोलॉजी इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की योजना बना रही है।

सुदीप फार्मा लिमिटेड एक टेक्नोलॉजी-ड्रिवन कंपनी है, जो एक्सीपियंट्स और स्पेशलिटी इंग्रेडिएंट्स का निर्माण करती है। इन उत्पादों का इस्तेमाल दवा उद्योग, खाद्य उद्योग और न्यूट्रिशन सेक्टर में किया जाता है। इसके अलावा कंपनी पूरी तरह इन-हाउस टेक्नोलॉजी पर काम करती है, जिसमें एनकैप्सूलेशन, स्प्रे ड्राइंग, ग्रेन्यूलेशन, ब्लेंडिंग और लिपोसोमल प्रिपरेशन जैसी एडवांस प्रक्रियाएं शामिल हैं। कंपनी की पहुंच 100 से ज्यादा देशों में है और यह अमेरिका, यूरोप, दक्षिण अमेरिका, मिडिल ईस्ट, अफ्रीका और एशिया-पैसिफिक जैसे बड़े बाजारों में मजबूत उपस्थिति रखती है।

न्यूज ब्रीफ

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन सस्ती हुई चांदी, 5 हजार रुपये तक घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी के भाव में लगातार तीसरे दिन गिरावट का रुख बना हुआ है। इस चमकीली धातु की कीमत में 3,000 रुपये से लेकर 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण देश के अलग-अलग सर्राफा बाजारों में चांदी 1,68,700 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 1,69,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली में चांदी की कीमत फिसल कर 1,61,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में भी चांदी 1,61,700 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 1,62,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं, बेंगलुरु में चांदी 1,62,200 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 1,61,800 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत अभी भी चेन्नई और हैदराबाद में है, जहां ये चमकीली धातु 1,69,900 रुपये के स्तर पर आ गई है। बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि इडस्ट्रियल सेक्टर की मांग में कमी आने के कारण इन दिनों अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के दाम थोड़ा घटे हैं, जिसका असर घरेलू बाजार में भी दिख रहा है।

सैमसंग इंडिया की परिचालन आय एक लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स ने वित्त वर्ष 2024-25 में परिचालन आय 11 प्रतिशत बढ़ाकर 1.11 लाख करोड़ कर दी। इससे पहले वित्त वर्ष 2023-24 में इसकी परिचालन आय 99,541.6 करोड़ रुपए थी। कंपनी ने आरओसी को दी गई जानकारी में बताया कि परिचालन आय ने पहली बार एक लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया।

गैलार्ड स्टील का आईपीओ लॉन्च 26 नवंबर को होगी लिस्टिंग

नयी दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)।
रेलवे और डिफेंस सेक्टर से जुड़े उद्योगों के लिए रेडी-टू-यूज कंपोनेंट्स तैयार करने वाली कंपनी गैलार्ड स्टील का 37.50 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 21 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 24 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 25 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 26 नवंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 142 रुपये से लेकर 150 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। गैलार्ड स्टील के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 2 लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 3 लाख रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 25 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 18 नवंबर को गैलार्ड स्टील ने 4 एंकर इनवेस्टर्स से 10.64 करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में विकासा इंडिया ईआईएफ फंड सबसे बड़ा इनवेस्टर रहा, जिसने कंपनी से 2,09,000 शेयर खरीदे। इसके अलावा, कॉग्निजेंट कैपिटल डायनामिक अपॉर्च्युनिटीज फंड, सेगवन फ्लैगशिप ग्रोथ फंड और मिनर्वा वेंचर्स फंड जैसे प्रमुख नाम भी एंकर बुक में शामिल हुए हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.32 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.28 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.40 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए सेरेन कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं अंकित कंसलटेंसी प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। जबकि असनानी स्टॉक ब्रोकर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 3.20 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 6.07 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी के मुनाफे में गिरावट आ गई। इस साल कंपनी को 4.29 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 27.86 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 53.52 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में गिर कर 32.14 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 17.59 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 20.38 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में फिसल कर 19.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 4.03 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 10.08 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 14.38 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2022-23 में 5.07 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 12.47 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 7.42 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

व्यापार, प्रौद्योगिकी और निवेश पर उच्च स्तरीय वार्ता के लिए इजराइल जायेंगे पीयूष गोयल

नयी दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)।
केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इजराइल के अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री नीर बरकत के निमंत्रण पर 20-22 नवंबर तक इजराइल की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। तेल अवीव की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान प्रस्तावित भारत-इजराइल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की प्रगति की समीक्षा किए जाने की उम्मीद है। गोयल के साथ सीआईआई, फिक्की, एसोचैम और स्टार्ट-अप इंडिया का एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी जाएगा।

तेल अवीव की यात्रा के दौरान भारत-इजराइल एफटीए की समीक्षा होने की संभावना

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक गोयल अपनी इस यात्रा के दौरान इजराइल के शीर्ष नेतृत्व के साथ उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। वे अपने इजराइली समकक्ष, अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री नीर बरकत के अलावा वह कुछ अन्य मंत्रियों से भी बातचीत करेंगे। यह चर्चा व्यापार और निवेश संबंधों को मज़बूत करने, कृषि, जल, रक्षा, उभरती प्रौद्योगिकियों, जीवन विज्ञान, बुनियादी ढांचे, उन्नत विनिर्माण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने तथा स्टार्ट-अप सहित दोनों देशों के व्यवसायों के बीच बेहतर सहयोग के अवसरों की खोज पर केंद्रित रहने की उम्मीद है।

मंत्रालय के मुताबिक पीयूष गोयल इजराइल में 60 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। वहां वे द्विपक्षीय व्यापार, निवेश एवं नवाचार को बढ़ावा देने के तरीकों पर नेताओं और व्यवसाय जगत के लोगों के साथ चर्चा करेंगे। इसके साथ ही प्रस्तावित भारत-इजराइल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की प्रगति की समीक्षा की जा सकती है। गोयल भारत-इजराइल व्यापार फोरम में भाग लेंगे, जिसमें दोनों पक्षों के प्रमुख व्यापारिक संघ और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल होंगे। केंद्रीय वाणिजय एवं उद्योग मंत्री की यह यात्रा 22 नवंबर को संपन्न होगी।

जियो ने पेश किया जियो जेमिनी प्रो प्लान

नई दिल्ली। जियो ने अपनी कृत्रिम मेधा (एआई) पेशकश को और मजबूत करते हुए नया जियो जेमिनी प्रो प्लान लॉन्च किया है। इस प्लान के तहत गूगल का नवीनतम जेमिनी-3 मॉडल अब जियो के अनलिमिटेड 5जी डेटा प्लान ग्राहकों के लिए 18 महीने तक मुफ्त उपलब्ध होगा। जियो के अनुसार यह ऑफर माइजियो ऐप पर जाकर अभी दावा करें विकल्प के माध्यम से तुरंत सक्रिय किया जा सकता है। जियो जेमिनी प्रो प्लान की कीमत बाजार में 35,100 रुपए है। हालांकि, सभी पात्र जियो अनलिमिटेड 5जी ग्राहक इसे 18 महीने तक मुफ्त में प्राप्त कर सकते हैं। कंपनी ने इसे साल की सबसे बड़ी एआई छूट करार दिया है, जो ग्राहकों को गूगल के उन्नत एआई मॉडल का अनुभव देने का अवसर प्रदान करता है। गूगल ने जेमिनी-3 को अपने सबसे प्रबल मॉडल के रूप में पेश किया है। यह मॉडल उन्नत तर्कशक्ति, गहराई से विश्लेषण और सूक्ष्मताओं को समझने की क्षमता के लिए विकसित किया गया है। जेमिनी-3 अब एआई स्टूडियो, वर्टेक्स एआई और डेवलपर्स के लिए जेमिनी ऐप तथा नए एजेंटिक डेवलपमेंट प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नयी दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)।
ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान टेक शेरों में लगातार बिकवाली होती रही, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक निगेटिव सेंटीमेंट का शिकार हो गए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.83 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,617.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 256.22 अंक यानी 1.17 प्रतिशत टूट कर 22,442.85 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.09 प्रतिशत लुढ़क कर 46,049.06 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान गिरावट का शिकार होकर बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 123.13 अंक यानी 1.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 9,552.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 151.09 अंक यानी 1.90 प्रतिशत फिसल कर 7,967.93 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 409.99 अंक यानी 1.77 प्रतिशत टूट कर 23,180.53 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से छह के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.63 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,414.54 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 48,765 अंक के स्तर पर और गिफ्ट निफ्टी 0.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,933 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 146.97 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 26,609.15 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,934.84 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 103.03 अंक यानी 0.40 प्रतिशत फिसल कर 25,827 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.16 प्रतिशत लुढ़क कर 1,268.05 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,938.29 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,503.52 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नीतीश का इस्तीफा...

अन्य भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के भी मौजूद रहने की संभावना है। गौरतलब है कि हाल ही में संपन्न हिार विधानसभा चुनाव में राजग ने 202 सीटें जीती हैं और घटक दलों में भाजपा ने 89 ,जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने 85, लोजपा(आर) ने 19, हम ने 05 और रालोमो ने 04 सीटें जीती हैं। दूसरी ओर, राजद के नेतृत्व वाले महागठंधन को केवल 35 सीटें ही मिल पाईं।बिहार विधानसभा चुनाव...कुछ ने तो यह भी कहा कि चुनाव आयोग ने जानबूझकर लगभग समान वोट दिलवाने का खेल किया। हालांकि, चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए आंकड़े इस दावा को खारिज करते हैं।

लोकतंत्र के लिए...

उन्होंने यह भी कहा कि भारत का लोकतंत्र मजबूत है और अब समय आ गया है कि राजनीति नाटकीयता नहीं, बल्कि सत्य, विचार और सेवा के आधार पर आगे बढ़े।

संघ पर पाबंदी ...

इसी संदर्भ में उन्होंने कहा, इसलिये संघ का पंजीकरण कराना या न कराना, ये संघ की इच्छा है। उसके वर्तमान स्वरूप में कुछ भी गैर कानूनी नहीं है। गौरतलब है कि कर्नाटक सरकार ने 18 अक्टूर को एक आदेश में निजी संगठनों, संघों और समूहों की गतिविधियों के लिए सरकारी संपत्ति या सार्वजनिक स्थानों का उपयोग करने पर कुछ पांदी लगा दी थी। कर्नाटक उच्च न्यायालय की धारवाड़ बेंच ने मंगलवार को राज्य सरकार के उस आदेश पर 29 अक्टूबर को अंतरिम रोक लगा दी थी। संघ का पंजीकरण न होने के बारे में कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे के बयान पर संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत ने सवाल किया था, क्या हम अंग्रेज हुकूमत में पंजीकरण कराते?

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला एक्सेलसॉफ्ट का आईपीओ, 21 नवंबर तक कर सकते हैं आवेदन

नयी दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)।
एडटेक कंपनी एक्सेलसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का 500 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 21 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 24 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 25 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 26 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 114 रुपये से लेकर 120 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 125 शेयर का है। एक्सेलसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 125 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,874 रुपये का निवेश करना होगा। वहीं खुदरा निवेशक इस आईपीओ में 1,95,000 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 4,16,66,666 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 180 करोड़ रुपये के 1.50 करोड़ नए शेयर और 320 करोड़ रुपये के 2,66,66,666 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 22.41 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 12.755 करोड़ रुपये हो गया। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 34.69 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी को 6.01 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 197.97 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 200.70 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 248.80 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी को 60.28 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार कमी आई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 118.09 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 76.73 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में कम होकर 26.59 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 37.82 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 276.48 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 295.71 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 269.66 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

भगवान विष्णु की कृपा से वृषभ, तुला समेत पांच राशियों के जातक पाएंगे धन लाभ

आज यानी 20 नवंबर दिन गुरुवार है। और पंचांग के अनुसार आज तिथि है मार्गशीर्ष मास की अमावस्या। ऐसे में आज दिन के देवता रहेंगे भगवान विष्णु। जबकि आज आज नक्षत्रों के स्वामी चंद्रमा दिन रात वृश्चिक राशि में संचार करेंगे। चंद्रमा का यह गोचर आज सूर्य, मंगल और बुध के साथ होने से आज आर्ज शुभ योग बनेगे। चंद्रमा मंगल के साथ होकर आज धन योग बनाएंगे जबकि चंद्रमा और सूर्य के साथ होने से आज शशि आदित्य योग भी बनेगा। साथ ही आज अनुराधा नक्षत्र के संयोग में सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है। ऐसे में आज धन योग और भगवान विष्णु की कृपा का लाभ विशेष रूप से पाएंगे वृषभ, मिथुन, तुला, धनु और कुंभ राशि के जातक।

वृषभ राशि – आज गुरुवार का दिन वृषभ राशि के जातको के लिए आर्थिक लाभ का संयोग बना रहा है। आपके सितारे बताते हैं कि आपको आज कार्यक्षेत्र में जहां विपरीतलिंगी सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा वहीं आपको परिवार से भी पूरा सपोर्ट प्राप्त होगा। ऐसे में आपका मनोबल बना रहेगा। आप बिजनेस में लाभ प्राप्त कर पाएंगे। बिजली के उपकरण और वस्त्रों के कारोबार से जुड़े जातकों की आज अच्छी कमाई होगी। आपको आज आज के दिन किसी अनजाने व्यक्ति से भी सहयोग मिलने का संयोग बना हुआ है। आप वाद विवाद और प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त कर पाएंगे। विरोधी शांत रहेंगे। आपको निवेश का भी आज फायदा मिल सकता है। परिवार के साथ कहीं घूमने की योजना बन सकती है।

उपाय : आपको आज दिन को अपने पक्ष में बनाए रखने के लिए गुड़ का दान करना चाहिए और किसी शुभ काम पर जा रहे हैं तो गुड़ खाकर जाएं।

मिथुन राशि –मिथुन राशि के लिए आज का दिन सफलतादायक रहेगा। आप कठिन स्थिति का सामना भी बहुत ही धैर्य और संयम से कर पाएंगे। आपका पैसा फंसा है तो आपको थोड़े से प्रयास से सफलता मिल जाएगी। नौकरी मे दिन आपका अनुकूल बीतेगा। आप अपना काम समय से पूरा कर पाने में सफल होगे। सरकारी काम में आपको आज सफलता मिलने का योग बना हुआ है। आप भाइयों और ससुराल पक्ष के संबंधियों से सहयोग प्राप्त कर पाएंगे। बच्चों से संबंधित आपकी किसी चिंता परेशानी का निदान होगा। विदेश से जुड़ा जिनका काम है उनके लिए आज भाग्य लाभ का संयोग बना रहा है। आप आज किसी नई योजना पर भी काम शुरू कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ सहयोग से आपका कोई पेंडिंग काम पूरा हो जाएगा।

उपाय : आज के दिन आपको उपाय के तौर पर दूध में केसर मिलाकर पीना चाहिए, साथ ही आपको हरि स्तोत्र का पाठ भी करना चाहिए।

तुला राशि – तुला राशि के लिए आज का दिन उम्मीद से बढ़कर लाभ दिलाने वाला रहेगा। आज की सबसे अच्छी बात है कि आपको अपना अटका और फंसा हुआ धन वापस मिल सकता है। जो लोग विदेश में शिक्षा के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको इस विषय में कोई सकारात्मक खबर मिल सकती है। नौकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा। किसी निकट संबंधी के सहयोग से आपको खुशी मिलेगी। घर से दूर रहने वाले जातको के लिए घर जाने का अथवा यात्रा का संयोग बन सकता है। वाहन सुख का भी आज योग बनता नजर आ रहा है। आप राजनीतिक और सरकारी क्षेत्र में संपर्क का लाभ ले पाएंगे। आपके लिए आज भाग्य उपहार प्राप्ति का भी संयोग बना रहा है।

उपाय : आज के दिन आपको उपाय के तौर पर श्रीसूक्त का पाठ करना चाहिए। पीले चंदन से तिलक करना शुभ रहेगा।

धनु राशि –धनु राशि के लिए आज सितारे बताते हैं कि आपको आज परिवार का सपोर्ट मिलेगा। खर्च तो होगा लेकिन आपकी कमाई भी बनी रहेगी। अच्छी बात है कि धन के साथ पुण्य की कमाई भी आज होने वाली है। आप कार्यक्षेत्र मे अपनी बातों और योजनाओं से वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित कर पाएंगे। पिता और पैतृक पक्ष से आपको आज सहयोग मिल पाएगा। शिक्षा के क्षेत्र मे भी आज के दिन धनु राशि के जातक अच्छा प्रदर्शन कर सकते है। लव लाइफ मे आपको प्रेमी के साथ वक्त बिताने से खुशी मिलेगी। किसी राजनीतिक संपर्क और प्रभावशाली व्यक्ति के सहयोग से आपको फायदा मिल सकता है। पूर्व में किए निवेश को बढ़ता देखकर आपको खुशी मिलेगी।

उपाय :आपको आज दिन को शुभ बनाए रखने के लिए असत्य बोलने से बचना चाहिए, ओम नमो नारायण मंत्र का जप करें।

कुंभ राशि –कुंभ राशि के लिए आज का दिन परिश्रम से बढ़कर लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपकी कोई उलझन सुलझ सकती है। काफी दिनों किसी बात को लेकर आप निर्णय नहीं ले पा रहे थे तो आपके सामने से विचारों का आकाश साफ नजर आएगा और आप सही निर्णय ले पाएंगे। आपके परिवार में किसी शुभ काम और आयोजन का संयोग बन सकता है। नौकरी में आपके अधिकारी आपको सपोर्ट करेंगे। आप किसी बिजनेस डील को फाइनल कर पाने में सफल होंगे। किसी को दिया हुआ ऋण और उधार आपको वापस मिल सकता है। वाहन और ज्वेलरी का काम करने वाले जातकों की कमाई में विशेष रूप से आज वृद्धि होगी। सुख साधन मिलने का भी संयोग बनेगा।

उपाय : आपको आज दिन को शुभ बनाए रखने के लिए बजरंगबाण का पाठ करना चाहिए। पीले चंदन से तिलक लगाएं।

मुख्य द्वार की दिशा हैं सबसे महत्वपूर्ण

वास्तुशास्त्र में घर के हर कोने और दिशा का खास महत्व होता है। इन स्थानों से जुड़े नियमों का ध्यान रखने से परिवार के सभी सदस्यों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वहीं, सबसे महत्वपूर्ण है मुख्य द्वार से जुड़े नियमों का ध्यान रखना क्योंकि हम इसी के द्वारा आना जाना करते हैं। ऐसे में अगर मेन गेट वास्तु के अनुसार न हो तो इससे जीवन में समस्याओं और बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए घर का मुख्य द्वार हमेशा वास्तुशास्त्र के अनुसार ही होना चाहिए। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और जातक को जीवन की बाधाओं से मुक्ति मिल सकती है।

घर का मेन गेट हमेशा सही दिशा में ही होना चाहिए। इसे गलत दिशा में बनवाने से नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, मुख्य द्वार उत्तर-पूर्व दिशा की ओर ही होना चाहिए। अगर ऐसा संभव न हो तो आप दक्षिण-पूर्व की ओर भी मेन गेट करवा सकते हैं। लेकिन इस बात का विशेष ख्याल रखें की कभी भी मुख्य द्वार दक्षिण-पश्चिम दिशा में नहीं होना चाहिए। मान्यता है की सही दिशा में घर का मेन गेट होने से परिवार के सदस्यों के जीवन पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही, घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

मेन गेट पर जरूर लगाएं नेम प्लेट

अगर आपने घर का नेम प्लेट अभी तक नहीं लगाया है तो उसे तुरंत लगा लीजिए। वास्तु के अनुसार, घर के मुख्य द्वार पर एक नेम प्लेट हमेशा लगाना चाहिए। ऐसी मान्यता है कि यह घर में अच्छा स्वास्थ्य, धन, सुख और समृद्धि को बढ़ावा देता है। वहीं, इस बात का भी ख्याल जरूर रखें की नेम प्लेट पर धूल नहीं चढ़नी चाहिए, इसे प्रतिदिन साफ करना जरूरी है। इन बातों का ख्याल रखने से आपके जीवन में सकारात्मकता बढ़ सकती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

घर के गेट के सामने न हों ये चीजें

वास्तुशास्त्र में घर के मुख्य द्वार के सामने बिजली का खंभा या पेड़ होना शुभ नहीं माना जाता है। मान्यता है की इन चीजों की छाया घर के माहौल पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

ऐसे में अगर आपके मेन गेट के सामने कोई पेड़ या खंभा है तो रोज मुख्य द्वार पर स्वास्तिक जरूर बनाना चाहिए। इसके अलावा, आप गेट के पास तुलसी का पौधा भी रख सकते हैं। ऐसा करने से नकारात्मक प्रभाव समाप्त होते हैं और घर का माहौल हमेशा खुशनुमा बना रहता है। वास्तु और ज्योतिषशास्त्र में मुख्य द्वार को साफ रखना भी बहुत महत्वपूर्ण माना गया है।

कैसा होना चाहिए मुख्य द्वार

अपने घर के मेन गेट को खूबसूरत दिखाने के लिए हम कई नई चीजें ट्राई करते हैं। वहीं, आज काल एक पल्ले वाला दरवाजा भी बहुत चलन में है। हालांकि, वास्तुशास्त्र में दो पल्ले वाले दरवाजे को अधिक शुभ माना जाता है। साथ ही, मुख्य द्वार पर लगे गेट घर के बाकी दरवाजों से बड़े होने चाहिए। वास्तु के अनुसार, मुख्य द्वार से जुड़े इन नियमों का ख्याल रखने से जातक की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और जीवन में आने वाली बाधाओं से भी मुक्ति मिल सकती है। साथ ही, घर में माता लक्ष्मी का आगमन होता है।

पांडवों को मिला वनवास, रावण के राज-पाट का हुआ नाश

कुंडली में इस ग्रह की अशुभ दृष्टि हो तो भोगना पड़ता है कष्ट और दुख

रामायण से लेकर महाभारत तक एक बात बड़ी ही सामान्य आपको दिखेगी की रामायण में भी नायक भगवान श्रीराम को अपने भाई और पत्नी माता सीता के साथ 14 वर्ष तक वनवास भोगना पड़ा। वहीं, महाभारत में भी नायक पांडवों को अपने भाइयों और पत्नी के साथ कुछ परिस्थिति ऐसी बनी की वनवास भोगना पड़ा और वह भी पूरे 14 सालों तक। और अंतिम परिणाम रामायण और महाभारत काल दोनों में यह हुआ की खलनायक चाहे वो रावण हो या दुर्योधन दोनों का समूल नाश हो गया। यह महज संयोग नहीं ग्रहों का ऐसा फेर है जो राजा को भी रंक बनाकर दुख भोगने पर विवश कर देता है।

शनि की दशा में प्रभु श्रीराम को भोगना पड़ा था वनवास

रामायण काल में भगवान श्रीराम को अपने भाई लक्ष्मण और पत्नी सीता माता के साथ 14 वर्षों का वनवास भोगना पड़ा था। माना जाता है कि उस समय शनि की दशा के प्रभाव से ऐसी स्थिति बनी थी। शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है। अगर शनि की शुभ दृष्टि हो तो जातक को करियर में सफलता, अच्छा स्वास्थ्य, मेहनत का पूर्ण फल और राजा जैसा सुख प्राप्त होता है। वहीं, शनि की दशा में जातक को कठिन समस्याओं और बाधाओं का सामना करना पड़ता है। मान्यता के अनुसार, जब श्रीराम को 14 साल का वनवास मिला तब शनि की दशा चल रही थी। शनि चालीसा में भी यह लिखा है 'पर्वतहू तृण होई निहारत, तृणहं को पर्वत करि डारत'। इसका अर्थ है कि शनिदेव पर्वत को तिनके के समान हल्का और तिनके को पर्वत जितना भारी बना सकते हैं। यानी राजा रंक और रंक राजा बन सकता है।

शनि की दशा में पांडवों को मिला वनवास

महाभारत काल में पांडवों को अपने भाइयों और पत्नी के साथ 13 वर्ष का वनवास और 1 साल का अज्ञातवास भोगना पड़ा था। माना जाता है कि उस समय में शनि की दशा में ही पांडवों और द्रौपदी को वनवास जाना पड़ा। मान्यता है कि शनि की दशा में कौरवों की बुद्धि का नाश हुआ और वे सही निर्णय नहीं ले पाएं। इसी के चलते महाभारत का महायुद्ध हुआ और पांडवों को युद्ध के लिए चुनौती दे दी जिसका अंतिम परिणाम सर्वनाश हुआ। आज भी अगर किसी जातक की कुंडली में शनि की अशुभ दृष्टि हो तो उसे जीवन में दुख और कष्ट भोगने पड़ते हैं।

शनि की दशा में रावण के राज-पाट का हुआ नाश

रामायण काल में लंकापति रावण का जो राज-पाट नष्ट हुआ वह भी शनि की दशा में ही हुआ। अंत में प्रभु श्रीराम विजयी हुए हैं और रावण का समूल नाश हो गया। 'बनहू में मृग कपट दिखाई, मात जानकी गई चुराई' शनि चालीसा में वर्णित है कि वन में मारीच स्वर्ण मृग बनकर माता सीता के सामने आया और प्रभु श्रीराम व लक्ष्मण मृग के पीछे के गए। इसका नतीजा यह हुआ कि माता सीता का हरण हो गया है। मान्यता है कि यह भी शनि की दशा में ही हुआ था। अर्थात, रावण हो या दुर्योधन शनि की दशा में दोनों का ही समूल नाश हो गया।

कुंडली में शनि की अशुभ दृष्टि हो तो भोगना पड़ता है कष्ट

अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में शनि ग्रह की अशुभ दृष्टि हो तो उसे जीवन में बहुत संघर्ष करना पड़ता है एक के बाद एक कष्ट भी सामने आने लगते हैं। रामायण काल से लेकर महाभारत में शनि की दशा में दुर्योधन और रावण का समूल नाश हो गया था। साथ ही, द्रौपदी चीर हरण, सीता हरण जैसी असामान्य घटनाओं से गुजरना पड़ा। ऐसे में कुंडली में शनि की अशुभ दृष्टि होने पर व्यक्ति को सतर्क रहना चाहिए। इससे बचाव के लिए शनि के मंत्रों का जाप, शनि चालीसा का पाठ, दान आदि उपाय करने चाहिए।

नीचभंग राजयोग निम्न राशियों को बनाएगा रंक से राजा

आज बहुत ही शक्तिशाली नीचभंग राजयोग बन रहा है। चंद्रमा की अपनी स्वराशि वृश्चिक में होने और उसपर मंगल की दृष्टि पड़ने से इस शुभ योग का निर्माण हो रहा है। इस योग के प्रभाव से व्यक्ति को राजसी सुख प्राप्त होता है और समाज में उच्च स्थान मिलता है। वैदिक ज्योतिष में अत्यंत महत्वपूर्ण और शुभ माने जाने वाले नीचभंग राजयोग से मेष राशि के जातकों की सभी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। मिथुन को अप्रत्याशित उन्नति की प्राप्ति होगी। वहीं, धनु राशि वालों को व्यवसाय में उन्नति मिलेगी और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जबकि कुंभ को वरिष्ठ अदिकारियों के सहयोग से जबरदस्त आर्थिक लाभ होगा।

मेष –मेष राशि के जातकों को आज परेशानियों से छुटकारा मिलेगा। आपका कारोबार अच्छा चलेगा और पार्ट टाइम कार्य करने का भी समय मिलेगा। आज आपके लिए महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का दिन है। काफी संघर्ष के बाद आज आपको परेशानियों से कुछ राहत मिलेगी। धीरे-धीरे आपको भाग्य का भी साथ मिलेगा साथ देगा। बढ़ते हुए आर्थिक कष्टों से भी मुक्ति मिलेगी। आज सकारणीय दूर की यात्रा भी करनी पड़ सकती है।

वृष –आज के दिन शुभ कार्यों में शामिल होने का असर मिलेगा। आपके परिवार में किसी शुभ मांगलिक कार्य के आयोजन की चर्चा हो सकती है। ये समय अपने जीवन स्तर को सुधारने का है। फिलहाल आपको स्थाई प्रयोग में आने वाली वस्तुओं की ही खरीदारी करनी चाहिए। सायंकाल के समय किसी खास मेहमान का आगमन हो सकता है।

मिथुन –आज आपका समय तेजी से आगे बढ़ने का है। आपकी अप्रत्याशित उन्नति को देखकर सभी हैरान होंगे। स्वयं आपकी नजर भी अपनी उपलब्धियों पर लग सकती है। प्रगति की इस गति को स्थायी रखना आपका प्रमुख कार्य होना चाहिए। आगे चलकर प्रतिष्ठा को धक्का लग सकता है। व्यर्थ की मान बढ़ाई की इच्छा के कार्यों से दूर रहें। अपने कार्य में ध्यान केंद्रित करें।

कर्क –आपका दिन अपने भाई-बहन की देखभाल में बीतेगा। परिवार को लेकर अपनी जिम्मेदारियों की पूर्ति करते नजर आएंगे। घर में किसी महत्वपूर्ण विषय पर बातचीत हो सकती है। सभी की सहमति से घर बदलने या किसी जगह शिफ्ट होने पर भी बात हो सकती है। पारिवारिक जीवन की बात करें तो रिश्तों में निकटता बढ़ेगी और परिवार के लोगों से सहयोग मिलेगा।

सिंह –आज आपको कारोबार में कुछ परेशानियां आ सकती हैं। पिछले काफी दिनों से व्यवसाय में उतार-चढ़ाव से चिंता बनी रहेगी। अस्थिरता आपका पीछा नहीं छोड़ रही है। नौकरी व्यवसाय आदि के क्षेत्र में पूर्ण सुधार चाहते हैं तो आपको आलस्य व आराम का त्याग करना पड़ेगा।

कन्या –आपकी राशि का स्वामी तृतीय घर में आ चुका है और मंगल के साथ पापाक्रान्त है। ऐसे में विशेष प्रकार की भागदौड़ आपको करनी पड़ेगी। उसके नतीजे भी लाभदायक होंगे। फिलहाल तो आप अपने कार्य को उत्साहपूर्वक पूरा करें। कुछ समय बाद इससे भी बेहतरीन अनुभव आपको प्राप्त होगा।

तुला –आज आप अकारण ही चिंतित और परेशान रहेंगे। शुक्र के कारण कुछ परेशानियां खड़ी होती दिख रही हैं। सामाजिक और व्यवसायिक क्षेत्र में विरोधियों की भीड़ आपके सामने खड़ी हो सकती है।

आप अपने साहस और बुद्धिमानी से ही इन लोगों को पराजित कर सकते हैं। ऐसे में मन की दुर्बलता व दुर्गुणों का त्याग करें।

वृश्चिक –आज अकस्मात मंगलमय समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में आए तनाव अपने ऊपर हावी न होने दें। बनते-बिगड़ते परिवेश में नई योजना सफल होगी। पुराने झगड़े झंझटों से छुटकारा मिलेगा। अधिकारी वर्ग में सामंजस्य बढ़ेगा। निराशाजनक विचारों को मन में न आने दें।

धनु –आज आपको किसी नए संपर्क से लाभ मिलेगा। अतीत के संदर्भ में अनुसंधान का फायदा भी मिल सकता है। रुका हुआ धन कठिनाई से मिलेगा। रोजमर्रा के कामों में कोताही न बरतें। व्यावसायिक उन्नति से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। रात्रि के समय मांगलिक अवसरों में जाने का अवसर मिलेगा।

मकर –आज सामाजिक, धार्मिक कामों में भाग लेने से आपका सम्मान बढ़ेगा। ग्रहों की चाल से आपको भाग् का साथ मिलेगा। क्रय-विक्रय के व्यवसाय में लाभ होगा। शुभ समाचार भी दिन भर प्राप्त होते रहेंगे। मित्रों में भी हास्य विनोद बढ़ेगा। व्यर्थ के झंझटों से बचे रहें। धार्मिक स्थानों की यात्रा की भूमिका आज बन सकती है। मामा पक्ष से सहयोग मिलेगा।

कुंभ –उच्चाधिकारियों की घनिष्टता से लाभ उठाने का सुअवसर आज दिन भर बना रहेगा। आयात निर्यात के व्यवसाय आरंभ का निर्णय भी आज हो सकता है। अध्यात्म और धर्म में रुचि बढ़ेगी। किसी यात्रा पर जाने या मंगल कार्यों में शामिल होने का संयोग बन रहा है। समय के सदुपयोग से आपका सितारा बुलंद होगा।

मीन – आपकी राशि के स्वामी-देव गुरु बृहस्पति ज्ञान विज्ञान का भण्डार है। ऐसे में उन्नति के क्षेत्र में कई मार्ग खुलेंगे। अध्ययन व अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। आज के दिन विवादास्पद प्रकरण समाप्त होंगे। गुप्त शत्रु व ईर्ष्यालु साथियों से सावधान रहना होगा। किसी को आज पैसा उधार न दें। ऐसे में पैसा वापिस मिलने की संभावना बेहद कम रहेगी। माता-पिता-गुरु की सेवा में ध्यान लगाना न भूलें।

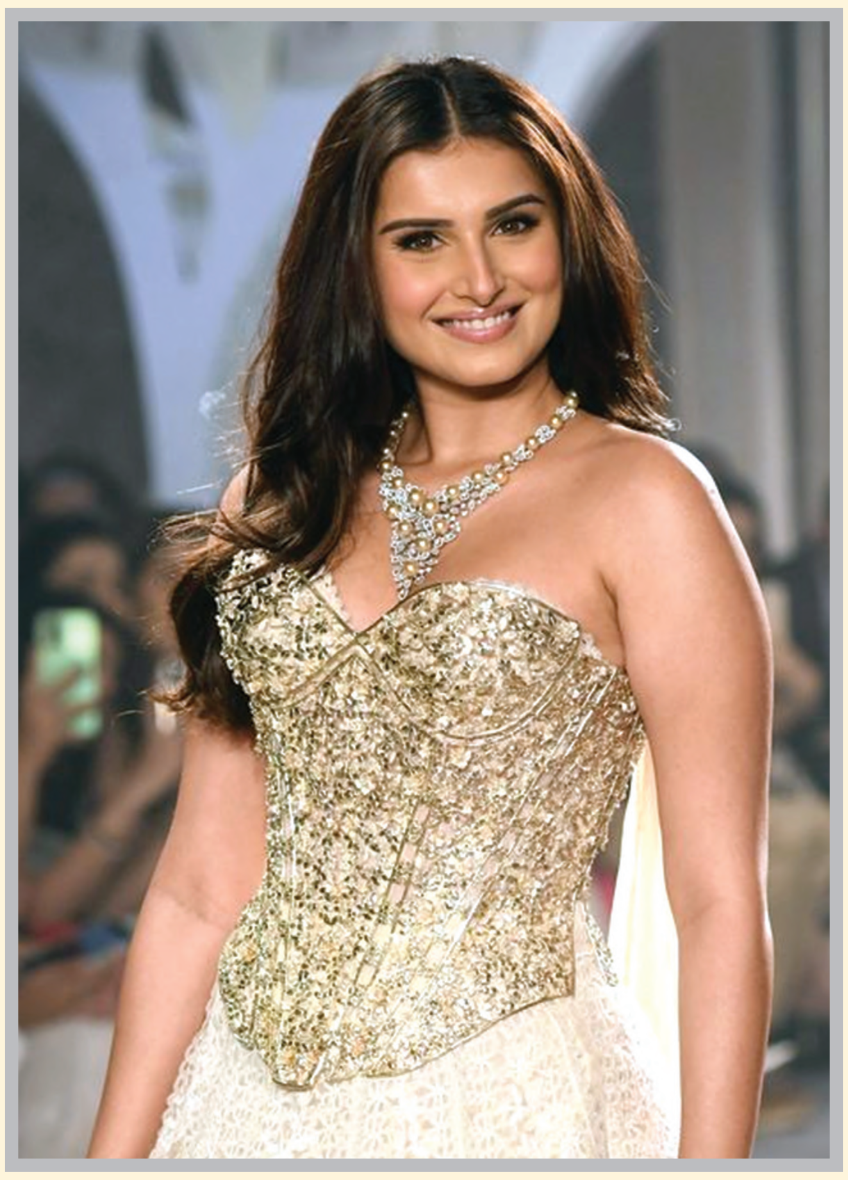

तारा सुतारिया: मल्टी टैलेंट का फुल पैकेज

बॉलीवुड में सक्सेस के बाद भी शेफ बनने की तमन्ना

हिंदी सिनेमा में बहुत कम ही ऐसी अभिनेत्रियां हैं जो मल्टी टैलेंट के साथ पर्दे पर खुद को निखार पाती हैं। एक्ट्रेस तारा सुतारिया भी उनमें से एक हैं। वे न सिर्फ एक्टिंग में ही नहीं, बल्कि डांस, सिंगिंग, खाना बनाने और स्कैचिंग में भी आगे रहती हैं। एक्ट्रेस तारा सुतारिया बुधवार को अपना 30वां जन्मदिन मना रही है। ऐसे में जानते हैं कि तारा अगर अभिनेत्री न बनती तो आगे जाकर क्या बनतीं। तारा सुतारिया 7 साल की उम्र से ही सिंगिंग में रुचि रखती थीं और कई अंतरराष्ट्रीय ओपेरा और कॉम्पीटिशन का हिस्सा रह चुकी हैं। उन्होंने फिल्म 'गुजारिश' और एक विलेन में 'शामत' गाने में अपनी आवाज दी है। अमेरिकी गायिका व्हिटनी हाउस्टन से प्रेरित होकर उन्होंने बॉलीवुड में सिंगिंग करने का फैसला किया। एक्टिंग में करियर बनाने के लिए भी तारा ने छोटी उम्र से ही शुरुआत कर दी थी। उन्होंने अमेरिकी सिटकॉम 'द सूट लाइफ ऑफ जैक एंड कोडी' के हिंदी वर्जन 'द सूट लाइफ ऑफ करण एंड कबीर' (2012) से बाल कलाकार के तौर पर करियर की शुरुआत की थी, जिसके बाद वे 2013 में आए टीवी शो 'ओए जस्सी' में दिखीं। टीवी पर किस्मत आजमाने के बाद तारा ने बड़े पर्दे पर कदम रखा और 2019 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बतौर एक्ट्रेस एंट्री ली, जिसके बाद वे साल 2019 की 'मरजावां', साल 2021 की 'तड़प', साल 2022 में आई 'हीरोपंती 2' और 'एक था विलेन रिटर्न्स' में दिखीं।

उन्हें आखिरी बार ओटीटी रिलीज फिल्म 'अपूर्वा' में देखा गया। हालांकि बॉलीवुड में सक्सेस पाने के बाद भी तारा हमेशा से एक शेफ बनना चाहती हैं। तारा सुतारिया 13 साल की उम्र में रियलिटी टैलेंट शो 'बिग बड़ा बूम' का हिस्सा भी थीं। शो में वे बम्पी नाम की कठपुतली के साथ फैंस को इंटरटेन करती थीं। इसी स्टेज शो पर तारा ने अपने सिंगिंग टैलेंट से सबको हैरान कर दिया था।

एक्ट्रेस की पर्सनल लाइफ की बात करें तो बॉलीवुड में आने के बाद उन्होंने अदार जैन को लंबे समय तक डेट किया था, लेकिन उन्होंने आलेखा आडवाणी के साथ शादी कर ली। आलेखा आडवाणी कभी खुद तारा की अच्छी दोस्त हुआ करती थी, हालांकि अब तारा का नाम एक्टर वीर पहाड़िया के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को बीते महीने साथ वेकेशन पर देखा गया था।

मैं दुलकर सलमान को थप्पड़ मारना नहीं चाहती थी, भाग्यश्री बोरसे ने बताई पूरी बात

दुलकर सलमान की पीरियड ड्रामा फिल्म 'कांथा' को दर्शकों की ओर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। इसे तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषा में 14 नवंबर को रिलीज किया गया। इस फिल्म में तमाम कलाकारों के बीच अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने अपने किरदार 'कुमारी' के जरिए समीक्षकों की भी तारीफ हासिल की। भाग्यश्री बोरसे ने बातचीत में बताया कि उनके लिए कुमारी का किरदार निभाना चुनौतीपूर्ण था। फिल्म में एक सीन ऐसा था जिसमें उन्हें अपने को-स्टार दुलकर सलमान को थप्पड़ मारना था। भाग्यश्री ने कहा, ''मैं इस सीन को करने के लिए तैयार नहीं थीं। मुझे अंदर से डर लग रहा था। मैं चाहती थीं कि यह नकली लगे, क्योंकि मैंने कभी किसी को मजाक में भी नहीं मारा। ऐसे में मैं सोच रही थी कि मैं ये सीन कैसे कर पाऊंगी। वहीं दुलकर चाहते थे कि उनके चेहरे पर असली भाव आए और इसी वजह से मैंने इस सीन को आखिर में करने का फैसला लिया।'' भाग्यश्री ने कहा, ''यह सीन करना मेरे लिए बहुत मुश्किल था, लेकिन दुलकर सलमान के कारण यह चुनौती मैंने स्वीकार की और इस सीन को पूरा किया। यह सीन फिल्म में प्रभावशाली लग रहा है।'' फिल्म 'कांथा' का निर्देशन सेल्वमणि सेल्वराज ने किया है और यह 1950 के दशक के मद्रास की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह एक अभिनेता और एक निर्देशक के बीच के तनावपूर्ण रिश्ते को दिखाती है। फिल्म की कहानी को दो हिस्सों में बांटा गया है। पहले हाफ में किरदारों के बीच के टकराव को दिखाया जाता है, जबकि दूसरा हाफ एक मर्डर मिस्ट्री है जो दर्शकों को सस्पेंस में रखती है। फिल्म में दुलकर सलमान, समुथिरकानी, भाग्यश्री बोरसे और राणा दग्गुबाती प्रमुख भूमिकाओं में हैं। राणा दग्गुबाती ने एक जांचकर्ता का किरदार निभाया है और समुथिराकानी ने भी एक अहम सपोर्टिंग रोल किया है।

काजोल ने फैंस को दिया अहम संदेश, खुद से प्यार करो और अपनी सुरक्षा का ध्यान भी रखो

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल सोशल मीडिया पर हमेशा अपनी खास शैली और अनोखे अंदाज के लिए चर्चा में रहती हैं। सोमवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटो पोस्ट कीं, जिसने फैंस का दिल फिर से जीत लिया। इन तस्वीरों में काजोल ने बेहद स्टाइलिश आउटफिट पहनी हुई है। फोटोज में काजोल ने वाइट कलर की एक खूबसूरत शर्ट पहनी हुई है, जिसके कॉलर और स्लीव्स अलग और फैशनेबल हैं, जो उनके लुक को और खास बना रहे हैं। शर्ट के साथ उन्होंने ब्लैक कलर की लॉन्ग स्कर्ट को चुना, जो उनके स्टाइल में एक सादगी को जोड़ती है। उनके गले में मल्टीकलर नेकलेस है, जो उनके लुक को और भी निखार रहा है। तस्वीरों में उनके चेहरे पर आत्मविश्वास झलक रहा है। वह कैमरे की ओर मुस्कुराकर पोज दे रही हैं। इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए काजोल ने कैप्शन में लिखा है, ''आज का विचार खुद से प्यार करो और साथ ही अपनी सुरक्षा का ध्यान भी रखो।''

काजोल के इस पोस्ट को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और कमेंट्स के जरिए उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं। काजोल के करियर की बात करें तो उन्होंने अभिनय की शुरुआत बहुत ही कम उम्र में की थी। स्कूल के दिनों में ही उन्होंने फिल्म 'बेखुदी' (1992) में काम किया। इसके बाद उन्होंने अपनी पढ़ाई छोड़कर पूरी तरह से अभिनय को अपना करियर बनाया।

काजोल ने 'बाजीगर' और 'ये दिल्लगी' जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बनाई और सफलता हासिल की। उन्हें असली पहचान 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' और 'कुछ कुछ होता है' जैसी रोमांटिक फिल्मों से मिली। इन फिल्मों के लिए उन्हें दो बार फिल्मफेयर पुरस्कार से नवाजा गया। काजोल ने 'गुप्त: द हिडन ट्रुथ' में नेगेटिव किरदार निभाया और दर्शकों का दिल जीता।

साल 2001 में आई 'कभी खुशी कभी गम' ने उन्हें तीसरा फिल्मफेयर पुरस्कार दिलाया। इसके बाद, वह 'फना', 'माई नेम इज़ खान', 'दिलवाले', 'तान्हाजी' जैसी फिल्मों में भी नजर आईं। उन्होंने ओटीटी पर भी काम किया और 'त्रिभंगा', 'द ट्रायल' और 'दो पत्ती' जैसी प्रोजेक्ट के जरिए स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उतरीं।

हमेशा ऑनलाइन रहने वालों को अभिनेत्री मोना सिंह ने दी ये अनमोल सलाह

आज के डिजिटल युग में जहां हर कोई मोबाइल और इंटरनेट में खोया रहता है, वहीं कुछ ऐसी कहानियां भी सामने आती हैं जो हमें रुकने और अपने आसपास की दुनिया से जुड़ने की याद दिलाती हैं। इसी कड़ी में वेब सीरीज 'थोड़े दूर थोड़े पास' ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। इस शो की खासियत है कि यह दिखाता है कि कैसे आधुनिक भारतीय परिवार अक्सर ऑनलाइन रहते हैं, लेकिन असली कनेक्शन में कमी महसूस करते हैं। इस शो की सफलता में सबसे ज्यादा सराहना अभिनेत्री मोना सिंह को मिल रही है, जिन्होंने इसमें सिमरन का किरदार निभाया है। मोना सिंह का कहना है कि आज के समय में जीवन में असली शांति तभी मिलती है, जब हम यह तय कर लें कि हमें कब हां कहना है और कब नहीं। टेक्नोलॉजी से पूरी तरह दूर रहना जरूरी नहीं है, लेकिन समय को मैनेज करना जरूरी है। यह केवल मोबाइल बंद करने की बात नहीं है, बल्कि अपने आप और अपने परिवार या दोस्तों से जुड़ने के बारे में है। शो में सिमरन की भूमिका के बारे में बात करते हुए मोना ने कहा, मुझे यह किरदार इसलिए पसंद आया क्योंकि सिमरन परफेक्ट नहीं है। वह मजबूत है, लेकिन कभी-कभी शंका, डर और सीखने की प्रक्रिया से गुजरती है। सिमरन उन महिलाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं जो आज हर दिशा में अपना सर्वोत्तम देने की कोशिश कर रही हैं। उसका संघर्ष और ईमानदारी दर्शकों को भावुक करेगी।

को-स्टार कुनाल रॉय कपूर के साथ काम करने के अनुभव के बारे में मोना ने कहा, कुनाल के साथ तुरंत एक कनेक्शन बन गया, जिससे ऑन-स्क्रीन पति-पत्नी का रिश्ता बेहद नेचुरल लग रहा था। वह हर सीन में ह्यूमर और गर्मजोशी लेकर आते थे। उनके साथ छोटे-छोटे लम्हों, नजरों और चुप्पियों का इमोशनल कनेक्शन असल जैसा महसूस होता था।

कुनाल हर चीज पर ध्यान देते थे और यही चीज उनके किरदार को जीवंत बनाती है। 'थोड़े दूर थोड़े पास' की कहानी एक आधुनिक भारतीय परिवार की है, जो हमेशा ऑनलाइन रहता है, लेकिन असली भावनात्मक जुड़ाव में कमजोर होता है। इस शो की सफलता का एक बड़ा कारण इसकी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ाव है। सीरीज का निर्देशन प्रशांत भागिया ने किया है और प्रोडक्शन मनीष त्रेहन ने संभाला है। 'थोड़े दूर थोड़े पास' जी5 पर स्ट्रीम है।

अपारशक्ति खुराना: आवाज से श्रोताओं का दिल जीता फिर दंगल से बॉलीवुड में जमाए पैर

बॉलीवुड में कई ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत और खास अंदाज से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। एक्टर अपारशक्ति खुराना उन्हीं में से एक है, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि उनकी पहचान एक्टिंग या किसी फिल्म सेट से नहीं, बल्कि एक ऐसे मंच से हुई, जिसे लोग रोजाना अपने घरों, गाड़ियों और मोबाइल पर सुनते हैं, जहां आवाज ही असली पहचान होती है। उनका परिवार शिक्षा, कला और साहित्य से गहराई से जुड़ा था। पिता लेखक और ज्योतिषी थे। बड़े भाई आयुष्मान खुराना पहले ही थिएटर और टेलीविजन में कदम रख चुके थे, लेकिन अपारशक्ति का रास्ता थोड़ा अलग था। बचपन से ही वह खेल, लेखन और लोगों से बातचीत में काफी आगे थे। स्कूल और कॉलेज में उन्हें स्पोर्ट्स, म्यूजिक और डिबेट का माहौल मिला। दिलचस्प बात यह है कि वे हरियाणा की अंडर-19 क्रिकेट टीम के कप्तान भी रह चुके हैं। पढ़ाई पूरी होने के बाद उन्होंने मुंबई की ओर रुख किया। हालांकि यह सफर बिल्कुल आसान नहीं था। शुरुआत में उन्हें समझ नहीं आता था कि किस दिशा में बढ़ना चाहिए। इसी बीच उन्हें रेडियो जॉकी बनने का मौका मिला।

यही वह जगह थी, जिसने अपारशक्ति की असली प्रतिभा को सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी आवाज न सिर्फ आकर्षक थी, बल्कि उनका बोलने का अंदाज, चुटीला ह्यूमर और लोगों को सहज महसूस कराने की कला उन्हें जल्दी ही लोकप्रिय बना गई। वे रेडियो पर न सिर्फ गाने प्ले करते थे, बल्कि बातचीत में ऐसा मजा और ताजगी भर देते थे कि श्रोता सिर्फ उनको सुनने के लिए रेडियो ऑन रखते थे। यही अनुभव आगे चलकर अपारशक्ति के अभिनय में भी दिखाई दिया।

उनके डायलॉग्स में सहजता, चेहरे पर मुस्कान और हर सीन में एनर्जी भरपूर होती है। रेडियो में लोकप्रियता ने उन्हें टीवी और इवेंट होस्टिंग तक पहुंचाया। धीरे-धीरे मंच पर बोलना, कैमरे के सामने खड़ा होना और दर्शकों का मनोरंजन करना उनके स्वभाव का हिस्सा बन गया। इसी दौरान उनके जीवन का सबसे बड़ा मौका आया, आमिर खान की सुपरहिट फिल्म 'दंगल' में अभिनय का।

इस फिल्म में उन्होंने ओमकार फोगाट का किरदार निभाया, जो सहज, हास्यपूर्ण और यादगार था। 'दंगल' की सफलता ने अपारशक्ति को बॉलीवुड में एक स्थायी जगह दिला दी। इसके बाद वे 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया', 'हैप्पी फिर भाग जाएगी', 'लुका छुपी', 'पति पत्नी और वो', 'स्त्री', और 'स्त्री 2' जैसी कई सफल फिल्मों में नजर आए। बड़े पर्दे के साथ-साथ इन फिल्मों के ओटीटी पर आने की वजह से उनकी पहचान और मजबूत हुई।

वेब सीरीज 'जुबली' और 'बर्लिन' में अपारशक्ति ने गंभीर किरदारों को बड़ी ही गहराई से निभाया। 'जुबली' सीरीज में उनकी परफॉर्मेंस के लिए उन्हें कई अवॉर्ड नॉमिनेशन मिले, जिनमें फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड्स भी शामिल था। वर्तमान में अपारशक्ति खुराना फिल्मों, वेब सीरीज, होस्टिंग और संगीत, चारों क्षेत्रों में सक्रिय हैं। वे एक शानदार गायक भी हैं और कई म्यूजिक वीडियो में अपनी आवाज दे चुके हैं। प्रोफेशनल लाइफ की तरह उनकी निजी जिंदगी भी उतनी ही प्यारी है। उन्होंने 2014 में आकृति आहूजा से शादी की और आज वे एक बेटी के पिता हैं। परिवार, काम और संगीत, इन तीनों चीजों के बीच तालमेल बिठाकर वह हमेशा खुशमिजाज रहते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। आप अचानक गुलाबों की ख़ुश्बू से ख़ुद को सराबोर पाएं–गे।कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आपका कोई खास ही आज आपके साथ विश्वासघात कर सकता है। जिसकी वजह से आप दिनभर परेशान रह सकते हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। दफ़्तर में आपको पता लग सकता है कि जिसे आप अपना दुश्मन समझते थे, वह दरअस्ल आपका शुभचिंतक है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करें। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। अपने जज़्बात दूसरों के साथ साझा करने से फ़ायदा मिलेगा। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। ऐसा लगता है कि पारिवारिक–मोर्चे पर आप ज़्यादा ख़ुश नहीं हैं और कुछ अड़चनों का सामना कर रहे हैं। प्यार–मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे। रिश्तेदारों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में परेशानी पैदा कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। अगर आप हर किसी की मांग पूरी करने की कोशिश करेंगे, तो सिर्फ़ नाकामी आपके हाथ लगेगी। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आज जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। बढ़िया खाना, रोमानी पल और जीवनसाथी का साथ यही ख़ास है आज।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 20 नवंबर 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या दोपहर 12:18 तक
नक्षत्र : विशाखा प्रातः 10:58 तक
योग : शोभन प्रातः 09:52 तक
करण : नाग दोपहर 12:18 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:23, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:20 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:14 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:13, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देव–पितृकार्य अमावस्या

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन

देश के किसान, मजदूर, युवा और महिलाओं के विकास से जुड़ा है : भजनलाल

जयपुर, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन देश के किसान, मजदूर, युवा और महिलाओं के विकास से जुड़ा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय और बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के विचारों के अनुरूप अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के विकास तथा जरूरतमंद तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाकर उसके जीवन स्तर को उठाने के लिए हमारी सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त जारी की है। यह कदम हमारी सरकार का किसान कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को तमिलनाडु के कोयम्बटूर में पीएम किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त के हस्तान्तरण कार्यक्रम एवं दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। प्रधानमंत्री की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित हुए इस कार्यक्रम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वीसी के माध्यम से जुड़े और प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। इसी कड़ी में शर्मा ने दुर्गापुरा के राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि किसान हमारे देश की रीढ़ है। मेहनत, लगन और समर्पण से ये अनाज उपजाते हैं। प्राकृतिक आपदा, चिलचिलाती धूप, कपकपाती ठंड और अन्य विपदाओं में भी किसान खेत में निरन्तर कार्य करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों से किए वायदों को पूरा किया जा रहा है। राज्य के किसानों की आर्थिक सुरक्षा मजबूत करने के लिए धनतेरस पर मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की किस्त दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की अब तक 20 किस्त जारी हुई हैं जिससे राजस्थान के किसानों के खातों में 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। 21वीं किस्त में लगभग 1400 करोड़ की राशि किसानों के खातों में जमा करने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों को लाभान्वित करने की संख्या की दृष्टि से राजस्थान का देश में पांचवां स्थान है।

पेपरलीक पर लगी लगाम, 92 हजार युवाओं को मिला नियुक्ति का सम्मान–

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में पेपरलीक की घटनाओं से युवाओं के सपनों पर कुठाराघात हुआ, लेकिन हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का निरंतर आयोजन किया जा रहा है। अब तक लगभग 92 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरी देने के वादे को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया। अब तक 7 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउण्ड ब्रेकिंग हो चुकी है, जिससे निजी क्षेत्र में भी प्रदेश के युवाओं को रोजगार

मिलेगा तथा स्वरोजगार के नवीन अवसर सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों की आर्थिक सुरक्षा मजबूत करने के लिए राज्य में मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत सरकार 3 हजार रुपये की राशि अलग से दे रही है। इससे किसानों को केन्द्र व राज्य सरकार से अब 9 हजार रुपये प्रतिवर्ष सम्मान निधि की राशि मिल रही है, जिसे चरणबद्ध तरीके से 12 हजार रुपये तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में जल व्यवस्था के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। हमारी सरकार ने 17 जिलों के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना, शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर परियोजना, गंगनहर, माही बांध एवं देवास परियोजना का विस्तार, जल संरक्षण एवं संचय के लिए कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि दो वर्षों में अच्छी वर्षा से प्रदेश के बड़े बांधों, डिग्गी, तालाबों में जल स्तर बढ़ा है।

शर्मा ने कहा कि किसानों को बिजली के बिलों में 41 हजार करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है। प्रदेश के किसानों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली देने का काम करेंगे। फिलहाल 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली देना प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पीएम कुसुम योजना में राज्य के करीब 2 लाख किसानों को सोलर ऊर्जा से बिजली प्रदान कर लाभान्वित किया गया है। पशुपालन हमारे किसानों की आय का प्रमुख स्रोत है। राज्य सरकार किसान पशुपालकों को दूध पर 5 रुपये प्रति लीटर का बोनस दे रही है। उन्होंने कहा कि पशुओं के उपचार के लिए मोबाइल पशु चिकित्सा यूनिट की सुविधा दी जा रही है। स्कूलों के नौनिहालों को पोषण के लिए दूध भी उपलब्ध करवाया जा रहा है। गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत पशुपालक को ब्याज मुक्त ऋण दिया जाता है। वहीं, किसानों को अच्छी खेती व पैदावार के लिए गुणवत्तापूर्ण बीज के किट भी दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 77 लाख से अधिक किसानों को 43 हजार करोड़ रुपये से अधिक अल्पकालीन ब्याजमुक्त फसली ऋण वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हर ग्राम पंचायत पर सहकारी समिति की स्थापना के लिए हमारी सरकार काम कर रही है। साथ ही, राज्य में पैक्स कम्प्यूटराइजेशन का कार्य तेज गति से चल रहा है। राजस्थान में 41 हजार से अधिक सहकारी समितियों से जुड़े 1 करोड़ 17 लाख से अधिक सदस्य सहकारिता से सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। वहीं, किसानों को पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध करवाया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि राज्य में सहकारिता के क्षेत्र में तेजी से कार्य किया जा रहा है। अब तक लगभग 5 हजार 735 पैक्स गो–लाइव किया जा चुका है। 97 हजार से अधिक कृषि यंत्रों पर 546 करोड़ रुपये का अनकी तारबंदी भी की गई है। प्रदेश में 9 हजार से अधिक पीएम किसान समृद्धि केन्द्र स्थापित किए गए हैं।

कृषि शिक्षा में हमारी बेटियों को प्रोत्साहन देने के लिए कक्षा 12, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी की छात्राओं को 97 करोड़ से अधिक की प्रोत्साहन राशि वितरित की गयी है जो पिछले सरकार से 5 गुणा अधिक है। मोटे अनाज यानि श्री अन्न के उत्पादन में राजस्थान अग्रणी है।

एडीएम सिटी ने उप स्वास्थ्य केन्द्र और जनता क्लीनिक का किया आकस्मिक निरीक्षण

भरतपुर, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

भरतपुर शहर के आनन्द नगर स्थित उप स्वास्थ्य केन्द्र तथा रणजीत नगर स्थित जनता क्लीनिक का बुधवार को अतिरिक्त कलेक्टर शहर राहुल सैनी ने आकस्मिक निरीक्षण कर वहां उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लिया। मौसमी बीमारियों के मद्देनज़र आमजन को समय पर सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त कलेक्टर ने उप स्वास्थ्य केन्द्र में दवाइयों की उपलब्धता एवं भंडारण व्यवस्था, नियमित साफ–सफाई, मेडिकल वेस्ट के निर्धारित कचरा पात्रों के निस्तारण जैसी व्यवस्थाओं की जांच की। उन्होंने पाया कि शौचालयों की साफ–सफाई संतोषजनक नहीं है, जिस पर नाराज़गी व्यक्त करते हुए पीएचसी प्रभारी को शौचालयों की नियमित एवं विशेष साफ–सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। अतिरिक्त कलेक्टर ने चिकित्सा अधिकारियों और कार्मिकों को निर्देशित किया कि केंद्र एवं क्लीनिक में आने वाले मरीजों तथा उनके परिजनों के साथ मृदुभाषी व्यवहार रखते हुए प्राथमिकता से चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएं। उन्होंने कहा कि मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि उप स्वास्थ्य केन्द्र में आने वाले मरीजों का दैनिक रिकॉर्ड रजिस्टर में सुव्यवस्थित रूप से संधारित किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गौरव कपूर, चिकित्सा अधिकारी तथा संबंधित कार्मिक मौजूद रहे।

विकास कार्यों को तय समय सीमा में पूरा करवाएं अधिकारी: जिला कलेक्टर

भरतपुर, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

जिला कलेक्टर एवं अध्यक्ष भरतपुर विकास प्राधिकरण कमर चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को प्राधिकरण की बोर्ड बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्राधिकरण द्वारा शहर कराये जा रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा भविष्य की योजनाओं पर विचार–विमर्श किया गया।

जिला कलेक्टर ने कहा कि भरतपुर शहर को सुव्यवस्थित, स्वच्छ और आधुनिक स्वरूप देने के लिए प्राधिकरण द्वारा वर्तमान में अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी चल रहे विकास कार्यों को तय समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण किया जाए। किसी भी प्रकार की शिथिलता या देरी को सहन नहीं किया जाएगा। बैठक में विशेष रूप से शहर के सड़क निर्माण, जल निकासी व्यवस्था, हरित क्षेत्र विस्तार, चौड़ीकरण कार्य, पार्कों के उन्नयन तथा यातायात प्रबंधन से संबंधित परियोजनाओं की समीक्षा की गई। साथ ही मास्टर प्लान के अंतर्गत प्रस्तावित विकास कार्यों और नई शहरी योजनाओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने प्राधिकरण क्षेत्र में भूमि उपयोग, अवैध निर्माणों की रोकथाम, भवन अनुज्ञापत्रों की स्थिति तथा नगरीय सुविधाओं के विस्तार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं।

प्राधिकरण अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि शहर के विकास कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्राधिकरण द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार सभी प्रक्रियाएँ सरल और समयबद्ध होनी चाहिए।

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका : केवलिया

बीकानेर, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी की ओर से आयोजित 'विकसित भारत' विषयक महाविद्यालय स्तरीय राजस्थानी निबंध प्रतियोगिता तथा विद्यालय स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थानों पर रहे विद्यार्थियों को बुधवार को अकादमी सभागार में प्रतीक–चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। राजस्थानी निबंध प्रतियोगिता श्री नेहरू शारदापीठ पी.जी. महाविद्यालय व चित्रकला प्रतियोगिता संवित् शिक्षण संस्थान सी. सै. विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गईं थी। इस अवसर पर अकादमी सचिव शरद केवलिया ने कहा विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका है। इन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने विकसित भारत की परिकल्पना को कलम व कूची के माध्यम से साकार किया है। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में सह शैक्षणिक गतिविधियां अत्यंत आवश्यक हैं। निबंध प्रतियोगिता के संयोजक महाविद्यालय में राजस्थानी विभागाध्यक्ष डॉ. गौरीशंकर प्रजापत ने बताया कि इसमें विश्वविद्यालय–महाविद्यालयों के साठ विद्यार्थियों ने भाग लिया। चित्रकला प्रतियोगिता के संयोजक संस्थान सचिव डॉ. अभय सिंह टाक ने बताया कि इसमें कक्षा 6 से 12वीं तक के अस्सी विद्यार्थियों ने भाग लिया।

पुलिस की रैंक में रिकॉर्ड गिरावट के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार : भूपेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार ने हरियाणा की कानून–व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। इंडिया जस्टिस रिपोर्ट ने एक बार फिर भाजपा सरकार को आईना दिखाया है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 5 साल में हरियाणा पुलिस की रैंकिंग 8वें स्थान से खिसककर 14वें स्थान पर पहुँच गई है। 18 बड़े राज्यों में हरियाणा पुलिस 14वें नंबर पर है। यहाँ तक कि बिहार भी हरियाणा से चार पायदान ऊपर है, जबकि पड़ोसी राज्य पंजाब 7वें स्थान पर है। इतना ही नहीं, जस्टिस इंडिया के इस रिपोर्ट से पता चलता है कि

बीजेपी सरकार किस तरह एससी और ओबीसी के साथ भेदभाव कर रही है। पुलिस में एससी ऑफिसर्स के मामले में हरियाणा 18 राज्यों में 17वें नंबर पर है। क्योंकि सरकार एससी ऑफिसर्स को ना के बराबर नियुक्ति दे रही है। जबकि एससी सिपाहियों के मामले में भी हरियाणा फिसड्डी है। ओबीसी कांस्टेबल के मामले में भी हरियाणा का स्थान 17वां है।हुड्डा ने कहा कि इसका सीधा कारण भाजपा सरकार का कानून–व्यवस्था के प्रति पूरी तरह लापरवाह रवैया है। प्रदेश में 80 से अधिक गैंग सक्रिय हैं, जो लूट, डकैती, फिरौती, गोलीबारी और हत्या जैसी वारदातें कर रहे हैं।

वोट चोर गद्दी छोड़ के तहत 30 को होगा जन आंदोलन का आगाज : बुवानीवाला

रोहतक, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

इंदिरा गांधी का व्यक्तित्व केवल भारत तक सीमित नहीं था, बल्कि वे विश्व राजनीति में एक सशक्त, निर्णायक और प्रभावशाली नेता रहीं। इंदिरा गांधी ने कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी देशहित को सर्वोपरि रखते हुए निर्णय लिए। ये उद्गार हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के उद्योग सैल के चेयरमैन एवं रोहतक जिला प्रभारी अशोक बुवानीवाला ने आज स्थानीय कांग्रेस भवन में पूर्व प्रधानमंत्री, भारत की आयरन लेडी इंदिरा गांधी के जन्मदिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कही। इस मौके पर जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, शहर के वरिष्ठ नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, महिलाओं और युवा साथियों ने भाग लिया। इस दौरान इंदिरा गांधी के समक्ष पुष्प अर्पित करते हुए बुवानीवाला ने कहा कि उनके जीवन से देश के हर नागरिक को राष्ट्रहित, दृढ़ संकल्प, अनुशासन और जनता के प्रति समर्पण की भावना सीखने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने याद दिलाया कि इंदिरा गांधी ने 1971 के युद्ध में भारत का वीर नेतृत्व किया और देश को विजय दिलाकर विश्व मंच पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाई। बांग्लादेश के निर्माण और पाकिस्तान की करारी हार के साथ भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी शक्ति का लोहा मनवाया, जिसका श्रेय इंदिरा गांधी की दूरदृष्टि और मजबूत नेतृत्व को जाता है। बुवानीवाला ने कहा कि उनके कार्यकाल में गरीबी हटाओ अभियान, हरित क्रांति, बैंकों का राष्ट्रीयकरण, वैज्ञानिक प्रगति और अंतरिक्ष कार्यक्रमों की मजबूत नींव रखकर इंदिरा गांधी ने भारत को विकास और आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ाया।

लोकतंत्र की आत्मा मतदान के अधिकार की हत्या कर रही है भाजपा : राव नरेन्द्र सिंह

पलवल, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवं हरियाणा प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने कहा कि फर्जी मतदाता बनाकर भाजपा लोकतंत्र को कलंकित कर रही है। यह मामला अब केवल चुनाव की गड़बड़ी नहीं रहा, बल्कि यह जनता के अधिकारों पर डाका है। हम यह लड़ाई संसद से लेकर सडक़ तक लड़ेंगे, जब तक दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने लोगों से अपनी वोट के प्रति जागरूक हो संघर्ष करने का आह्वान किया है। कांग्रेस के हरियाणा प्रभारी बीके हरिप्रसाद बुधवार को पलवल में आयोजित वोट चोर–गद्दी छोड़ अभियान के तहत आयोजित विशाल जनसभा में उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में सबसे पहले देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही उन्होंने झांसी की रानी लक्ष्मी बाई को भी नमन किया।

उन्होंने कहा कि पलवल वह भूमि है, जहां पर 1919 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को गिरफ्तार किया गया था और पलवल के लोगों ने वंदे मातरम के जरिये देश में आजादी की लड़ाई को गति देन की नई अलख जगाई थी। राष्ट्रीय महासचिव बीके हरिप्रसाद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमलावर होते हुए कहा कि पिछले 11 वर्ष में केवल मन कर बात के प्रधानमंत्री सहित हुए हैं। और झूठ व झल से भाजपा का राज कर रहे हैं। पहले सांसद एवं विधायकों की खरीद कर सरकार बनाते रहे हैं अब वोट चोरी व ईवीएम में गडबडी कर भाजपा की सरकार बनवा रहे हैं और चुनाव आयोग पूरी तरह से भाजपा के पक्ष में कार्य कर रहा है।हरियाणा के बाद अब बिहार में भी वोटों की हेराफेरी करके चुनाव जीता है। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव से पहले एसआईआर के नाम पर 65 लाख वोट काट दिए गए और 21 लाख नए वोट जोड़ दिए गए, इसका चुनाव आयोग के पास कोई जवाब नहीं है। क्योंकि चुनाव आयोग भाजपा की बी.टीम है। बिहार चुनाव के दौरान सरेआम चुनाव आचार संहिता की उल्लंघना की गई, लेकिन चुनाव आयोग ने कोई संज्ञान नहीं लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा ईवीएम में गड़बड़ी, वोटों में हेराफेरी और बैटरी से छेड़छाड़ कर सरकार चोरी कर रही है।

अस्पताल में डॉक्टरों की कमी के बीच मुख्यमंत्री कार्यालय ने तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने कदबा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गहराते संकट को दूर करने के लिए हस्तक्षेप किया है। यह जानकारी 13 नवंबर को प्रकाशित एक रिपोर्ट में दी गई थी, जिसमें डॉक्टरों की भारी कमी और 30 बिस्तरों वाले इस अस्पताल में स्वास्थ्य सेवा को प्रभावित करने वाली कई प्रशासनिक खामियों का विवरण दिया गया था। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रतिक्रिया देते हुए, सीएमओ में विशेष कार्य अधिकारी डॉ. के. वैष्णवी ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव और दक्षिण कन्नड़ जिला स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर शीघ्र सुधारात्मक कार्रवाई का आग्रह किया है। पत्र में कहा गया है कि यद्यपि अस्पताल को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अपग्रेड किया गया था, लेकिन स्थायी चिकित्सा अधिकारियों की अनुपस्थिति ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है। अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने और बिना किसी देरी के अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारियों ने उठाए गए मुद्दों को स्वीकार किया है और अस्पताल की वर्तमान चुनौतियों का विस्तृत विवरण दिया है। उन्होंने पुष्टि की कि कदबा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दंत चिकित्सक को छोड़कर सभी विशेषज्ञ पद रिक्त हैं, और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी का पद जनवरी 2024 से रिक्त है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कई भर्ती अधिसूचनाएं जारी होने के बावजूद, किसी भी उम्मीदवार ने विशेषज्ञ पदों के लिए आवेदन नहीं किया है। रिक्तियों को भरने के प्रयास में, जिला प्रशासन ने अनुबंध के आधार पर चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति के लिए 20 नवंबर को साक्षात्कार निर्धारित किए हैं। अधिकारियों ने यह भी पुष्टि की कि स्थानीय निवासियों ने उसी दिन विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई है। 13 नवंबर को अस्पताल के अपने दौरे के दौरान, जिला अधिकारियों ने निवासियों से उनकी शिकायतें सुनने और सुविधा की तत्काल आवश्यकताओं पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की। एक अंतरिम उपाय के रूप में, आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं को बिना किसी रुकावट के जारी रखने के लिए एक चिकित्सा अधिकारी को अस्थायी रूप से चक्रीय आधार पर तैनात किया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अस्पताल के सुचारू संचालन को बहाल करने के लिए त्वरित और प्रभावी हस्तक्षेप की आवश्यकता पर बल दिया है। जिला अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि कदबा के लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवा की पहुंच सुनिश्चित करने और संचालन को स्थिर करने के लिए स्थायी और संविदा चिकित्सा कर्मचारियों की भर्ती को प्राथमिकता दी जा रही है।

उडुपी में दक्षिणपंथी नेता को भड़काऊ भाषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिणपंथी संगठन के नेता, अजेकर निवासी रत्नाकर अमीन (49) को नफरत फैलाने वाला भाषण देने के आरोप में मामला दर्ज होने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। हाल ही में नई दिल्ली बम विस्फोट से संबंधित इस्लामी आतंकवादी कृत्य की निंदा करते हुए, उडुपी तालुका के हिंदू जागरण वेदिके द्वारा शहर के जटका स्टैंड के पास आयोजित एक विरोध प्रदर्शन के दौरान, उन्होंने कथित तौर पर एक भड़काऊ भाषण दिया था जिससे विभिन्न धर्मों के बीच नफरत फैल गई थी। उडुपी नगर पुलिस ने इस संबंध में स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया था। 18 नवंबर को, नगर पुलिस निरीक्षक मंजूनाथ वी. बदिगर के नेतृत्व में एक विशेष टीम ने उन्हें मेंगलूरु सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर हिरासत में लिया और अदालत में पेश किया।

जीबीए अधिकारियों ने मंत्री मॉल पर फिर से ताला जड़ दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के एक प्रमुख व्यावसायिक केंद्र, मंत्री मॉल पर फिर से ताला लगा दिया गया है। संपत्ति कर का भुगतान न करने के कारण जीबीए अधिकारियों ने मल्लेश्वरम स्थित मॉल पर ताला लगा दिया है। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 31 करोड़ रुपये का कर बकाया होने के कारण मॉल पर ताला लगाना पड़ा। 30 करोड़ 81 लाख 45 हजार 600 रुपये के कर बकाया के कारण मॉल को कई बार नोटिस जारी किए गए, लेकिन मॉल ने कर का भुगतान नहीं किया। मंत्री मॉल पर पहले भी कई बार ताला लग चुका है। पहली बार, मॉल मालिक कर चुकाने का वादा करके जब्ती से बच निकला था। दूसरी बार जब्ती होने पर मॉल मालिक अदालत गया और किश्तों में कर चुकाने का वादा करके बच निकला। अदालत जाने के बाद भी, मॉल मालिक द्वारा कर का भुगतान न करने के कारण संपत्ति कर की राशि बढ़कर 31 करोड़ रुपये हो गई। इस प्रकार, ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई कि मॉल पर ताला लगाना पड़ा।

बिरयानी बेचने वाले से बाइक चोर बने युवक बेंगलूरु में गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महादेवपुरा पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है जो दिन में बिरयानी बेचते थे और कथित तौर पर रात में घरों के बाहर खड़ी महंगी मोटरसाइकिलें चुराकर सीरियल अपराधी बन जाते थे। आरोपियों की पहचान मनु कुमार और सचिन के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों ने दो बहनों से शादी की थी और लगभग 10 सालों से बिरयानी का ठेला चला रहे थे। पुलिस ने बताया कि आरोपी दिन में ठेले पर बिरयानी बेचते थे। अंधेरा होने के बाद, वे रिहायशी इलाकों में घूमते और घरों के बाहर खड़ी महंगी बाइकों के ताले तोड़ देते थे। पुलिस ने खुलासा किया कि चोरी की गई बाइकों का इस्तेमाल वे अपनी पत्नियों के साथ मौज-मस्ती के लिए करते थे। जांच में यह भी पता चला कि पत्नियों को पता था कि उनके पति बाइक चुराते हैं, फिर भी वे उनके साथ बाइकों का आनंद लेती रहीं। उनकी गिरफ्तारी के साथ, पुलिस ने 37 लाख मूल्य की 20 चोरी की बाइकें बरामद की हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी आदतन अपराधी हैं और उनके खिलाफ राममूर्तिनगर, महादेवपुरा, एचएएल और व्हाइटफील्ड पुलिस थानों में बाइक चोरी के कई मामले दर्ज हैं। एक अन्य मामले में, बंदेपाल्या पुलिस ने एक 30 वर्षीय बीटेक स्नातक को गिरफ्तार किया, जो कथित तौर पर शहर और उसके आसपास 15 से ज्यादा बाइक चोरी के मामलों में शामिल था। पश्चिम बंगाल का रहने वाला आरोपी ऋषव चक्रवर्ती छह साल पहले शहर आया था और एक टेक कंपनी में काम करता था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि चोरी के आरोप में उसे नौकरी से निकाल दिया गया था और उसने कथित तौर पर खड़ी बाइकें चुराना शुरू कर दिया था। पुलिस ने आरोपी को पहले भी बाइक चोरी के एक मामले में गिरफ्तार किया था और सुधारात्मक उपाय के तौर पर उसकी काउंसलिंग की और उसे एक टेक कंपनी में नौकरी दिलवाई, लेकिन आरोपी को फिर से नौकरी से निकाल दिया गया। पुलिस ने बताया कि पुलिस ने उसे एक पेइंग गेस्ट सुविधा में भी रखा था, लेकिन अपने एक पीजी साथी का कथित तौर पर फोन चुराने के बाद उसे वहां से निकाल दिया गया। नौकरी और रहने की जगह न होने के कारण, आरोपी शहर में घूमता रहता था और खड़ी बाइक चुराकर ईंधन खत्म होने तक उनका इस्तेमाल करता था। पुलिस ने आरोप लगाया कि वह चोरी की बाइक को सड़क किनारे खड़ी कर देता और फिर अगली बाइक चुरा लेता था। पुलिस को संदेह है कि वह क्लेप्टोमेनिया नामक बीमारी से पीड़ित है और उसे इलाज की जरूरत है। आरोपी ने 29 अक्टूबर को जैद बेग का स्कूटर चुराया था, जो मंगम्मनपाल्या स्थित उसके घर के बाहर खड़ा था। शिकायत के आधार पर, पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच की और आरोपी की पहचान होसूर रोड पर बॉश बिल्डिंग के पास से की, जहां वह बाइक इस्तेमाल कर रहा था। उसके कबूलनामे के आधार पर, पुलिस ने 6.5 लाख मूल्य की 8 बाइकें बरामद कीं, जिन्हें उसने फुटबॉल ग्राउंड पार्किंग क्षेत्र और आईटीआई पार्क परिसर में पार्क किया था।

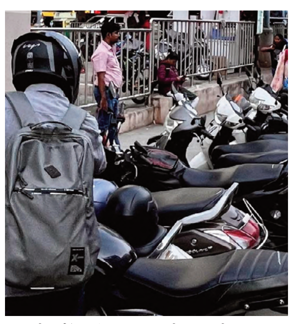

बेलगावी में कमरे में दम घुटने से तीन लोगों की मौत

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में मंगलवार को अपने कमरे में चारकोल स्टोव से कार्बन मोनोऑक्साइड साँस लेने से तीन युवकों की मौत हो गई और एक की हालत गंभीर है। रेहान मोटे (22), मोहिन नलबंद (23) और सरफराज हरपनहल्ली (22) की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि शाह नवाज (19) को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, चारों ने ठंड लगने के कारण कमरे को गर्म करने के लिए स्टोव जलाया था। बंद कमरे में आग और धुएं के कारण ऑक्सीजन कम हो गई और कार्बन मोनोऑक्साइड निकली। पुलिस ने बताया कि उनकी नींद में ही मौत हो गई। विधायक आसिफ (राजू) सैत ने परिजनों से मुलाकात की। मालमारुति पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

बेंगलूरु में 66 स्थानों पर 66 बहु-स्तरीय कार पार्किंग स्थल बनेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर में बढ़ती यातायात समस्या को कम करने के उद्देश्य से, जीबीए ने शहर में 66 स्थानों पर बहु-स्तरीय पार्किंग स्थल बनाने का निर्णय लिया है। यह महत्वपूर्ण निर्णय यातायात पुलिस के अनुरोध पर लिया गया है कि शहर में यातायात की समस्या को कम करने के लिए, जहां भी आवश्यक हो, पार्किंग स्थल बनाना उचित है। जानकारी मिली है कि शहर के रणनीतिक क्षेत्रों में 66 स्थानों पर पीपीपी मॉडल परियोजना के तहत बहु-स्तरीय कार पार्किंग परिसर बनाने का निर्णय लिया गया है। बहु-स्तरीय पार्किंग परिसर उच्च वाहन यातायात वाले क्षेत्रों, मेट्रो पार्किंग स्थलों, जंक्शनों के पास और सरकारी स्थानों पर बनाए जाएंगे। प्रत्येक पार्किंग स्थल में 485 कारें खड़ी करने की क्षमता होगी। यह 9 मंजिला डिजाइन और सात लिफ्टों के साथ बनाया जाएगा। पड़ोसी हैदराबाद में बहु-स्तरीय कार पार्किंग योजना की सफलता के बाद यह निर्णय लिया गया है, और बेंगलूरु में भी इसी मॉडल को अपनाने का निर्णय लिया गया है।

ट्रक पार्किंग क्षेत्र में ट्रक चालकों के लिए विश्राम गृह का उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन की अध्यक्ष संगीता जिंदल ने कर्नाटक के बल्लारी जिले के संदूर तालुक में तोरणगल्लु ओल्ड गेट के पास जेएसडब्ल्यू 5 एमटी ट्रक पार्किंग क्षेत्र में एक सुसज्जित विश्राम गृह का उद्घाटन किया। यह सुविधा पूरे भारत में जेएसडब्ल्यू उत्पादों का परिवहन करने वाले ट्रक चालकों के लिए है। इस विश्राम गृह में ट्रक चालकों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिनमें 104 बिस्तरों वाले 4 कमरे, 10 बाथरूम, 10 शौचालय, 3 वाशिंग मशीन, दो समर्पित धुलाई सुखाने के क्षेत्र, मनोरंजन के लिए एक टीवी हॉल, पूरी तरह से वातानुकूलित कमरे और साइट पर कर्मचारियों की सहायता शामिल है। भवन का उद्घाटन करते हुए, जिंदल ने कहा कि विश्राम गृह का निर्माण यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि ट्रक चालकों को उचित स्वास्थ्य देखभाल, परिवार के साथ समय, पौष्टिक भोजन और पर्याप्त आराम मिले। उन्होंने कहा ट्रक चालक माल परिवहन श्रृंखला का एक अभिन्न अंग हैं और राष्ट्र निर्माण की रीढ़ हैं। हालांकि, उपभोक्ताओं तक सीधे उत्पाद पहुंचाने की भागदौड़ में, वे अक्सर उचित स्वास्थ्य देखभाल, परिवार के साथ समय बिताने, पौष्टिक भोजन और पर्याप्त आराम से वंचित रह जाते हैं। इससे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मानसिक तनाव जैसी गैर-संचारी बीमारियां और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती हैं। जेएसडब्ल्यू ने इन समस्याओं के समाधान के लिए यह विश्राम गृह स्थापित किया है। उन्होंने आगे बताया कि यह सुविधा 'हमराही' परियोजना के साथ एकीकृत है, जो जिंदल संजीवनी अस्पताल के सहयोग से कार्यान्वित एक स्वास्थ्य और सड़क सुरक्षा पहल है। उन्होंने कहा इस परियोजना का उद्देश्य ट्रक चालकों की स्वास्थ्य जोखिमों की जांच करना, सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना और समय पर चिकित्सा सहायता प्रदान करना है। ये पहल सुरक्षित माल ढुलाई, बेहतर स्वास्थ्य और आर्थिक रूप से स्थिर परिवारों में योगदान देंगी। कार्यकारी उपाध्यक्ष (लॉजिस्टिक्स) सुशील नोवाल ने घोषणा की कि जेएसडब्ल्यू के अधिकार क्षेत्र में सभी ट्रक पार्किंग स्थलों पर ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजनाएं चल रही हैं। उद्घाटन समारोह में 600 से अधिक ट्रक चालक, जेएसडब्ल्यू के वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें पी.के. घोरई, भुवनेश्वरी मुरुगन, सुनील राल्फ, पेद्दना बीडाला, सनी इयप्पन, आलोक कुमार, मुथुकृष्णा, सीएसआर कर्मचारी, और केएचपीटी की टीम, जो हमराही परियोजना को लागू करती है, और जेएसडब्ल्यू कर्मचारी मौजूद थे।

मंत्रिमंडल फेरबदल की चर्चाओं में कुछ समय के लिए विराम लगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हालांकि मंत्रिमंडल फेरबदल की चर्चाओं में कुछ समय के लिए विराम लग गया है, लेकिन विधानमंडल सत्र या बजट पेश होने के बाद एक और दौर की कवायद होगी। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया दो बार दिल्ली आ चुके हैं, लेकिन मंत्रिमंडल विवाद अभी तक सुलझा नहीं है। इस मुद्दे पर आलाकमान के नेताओं में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सिद्धरामैया को मंत्रिमंडल फेरबदल के लिए हरी झंडी दे दी है। हालांकि, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस पर रोक लगा दी है। सिद्धरामैया का मानना है कि अगर मंत्रिमंडल में फेरबदल होता है, तो वे अगले ढाई साल तक बिना किसी बाधा के मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं। इसी वजह से, वे बेलगावी सत्र के बाद मंत्रिमंडल में फेरबदल पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने अपने वरिष्ठों से अपील की है कि वे मसौदा प्रक्रिया की समीक्षा करें और उनके दिल्ली दौरे के बाद मंत्रिमंडल छोड़कर उसमें शामिल होने वालों को अनुमति दें। आलाकमान के नेताओं ने मुख्यमंत्री को जनवरी में फिर से दिल्ली आने की सलाह दी है। लेकिन फिर भी, मंत्रिमंडल में फेरबदल होगा या नहीं, यह गहन बहस का विषय है।

सिद्धरामैया की सूची और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की सूची अलग अलग हैं, और दिलचस्प बात यह है कि डी.के. शिवकुमार इस बात पर अड़े हुए हैं कि मंत्रिमंडल में फेरबदल नहीं होना चाहिए। अगर मंत्रिमंडल में फेरबदल होता है, तो नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा। डी.के. शिवकुमार को चिंता है कि उन्हें मौका नहीं मिलेगा। इसी वजह से उन्होंने मंत्रिमंडल में फेरबदल रोकने और नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा को और तेज करने की रणनीति बनाई है। कई विधायक, जिन्होंने बेलगावी के शीतकालीन सत्र में मंत्रिमंडल विस्तार होने का अनुमान लगाकर वरिष्ठ नेताओं को मनाने और मौका पाने की कोशिश की थी, निराश हुए हैं। लेकिन इच्छा अभी भी जिंदा है, और विधायक मन ही मन यह सोचकर बेचैन हैं कि जनवरी में मकर संक्रांति या मार्च में उगादि तक मंत्रिमंडल में फेरबदल हो सकता है, और उन्हें मौका मिल सकता है।

बेलगावी जिले की अदालत में महिला पर हमला

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के अथानी स्थित अदालत में एक महिला पर हमला करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोथानट्टी गांव के बाबासाहेब चौहान ने मीनाक्षी रामचंद्र शिंदे (50) पर कुल्हाड़ी से हमला किया। दोनों रिश्तेदार हैं। वे एक संपत्ति के स्वामित्व से संबंधित दीवानी मामले में मुकदमेबाज हैं। बाबासाहेब ने अदालत परिसर में महिला का पीछा किया और उस पर हमला कर दिया। खून से लथपथ महिला जब अदालत कक्ष के अंदर भागी तो पुलिस और वहां मौजूद लोगों ने उसे बचा लिया। मीनाक्षी के रिश्तेदारों ने पुलिस को बताया कि दोनों परिवारों के बीच संपत्ति को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। मामला दर्ज कर लिया गया है।

इंदिरा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केपीसीसी अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को केपीसीसी कार्यालय के भारत जोड़ो भवन में इंदिरा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा इंदिरा गांधी के चुनिंदा कथनों पर लिखित पुस्तक का विमोचन किया, जिसका डीके शिवकुमार ने कन्नड़ में अनुवाद किया है। वरिष्ठ नेताओं बी.टी. ललिता नायक, वसंती शिवन्ना और मुमताज बेगम को इंदिरा प्रियदर्शिनी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर केपीसीसी अभियान समिति के अध्यक्ष विनय सोरके, कार्यकारी अध्यक्ष जी.सी. चंद्रशेखर, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष सौम्या रेड्डी, बेंगलूरु जिला समिति के कांग्रेस अध्यक्ष और अन्य लोग भी उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com